सुविचार

प्यार होता है तो पहली नजर में पूरी तरह हो जाता है। दूसरी नजर में तो आलोचना हो सकती है, पुनर्विचार हो सकता है।

–मनोहर श्याम जोशी

Daily

THE PHOTON NEWS

सच के हक में...

द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ● Sunday, 11 August 2024 ● Year : 02 ● Issue : 204 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

Rashmika Mandanna Looks Ready For...

12

SHARE

संसेक्स	:	79,705.91
निफ्टी	:	24,367.50

SARAFA

सोना	:	6,615
चांदी	:	88.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

सुप्रीम कोर्ट ने तानाशाही को कुचला : मनीष सिसोदिया

NEW DELHI : दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने आप ऑफिस में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा– सुप्रीम कोर्ट ने संविधान का इस्तेमाल करते हुए कल तानाशाही को कुचला। केजरीवाल भी जल्द बाहर आएंगे। भगवान के घर में देर है, अंधेर नहीं है। सिसोदिया को दिल्ली शराब नीति केस को लेकर 26 फरवरी 2023 को सीबीआई ने और 9 मार्च 2023 को ईडी ने गिरफ्तार किया था। 17 महीने बाद शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें दोनों मामलों में जमानत दी थी। वे शुक्रवार शाम करीब 6 बजे तिहाड़ से बाहर आए। शुक्रवार रात को सिसोदिया अपने घर पहुंचने से पहले केजरीवाल के घर पहुंचे। यहां उन्होंने केजरीवाल के परिवार से मुलाकात की। शनिवार सुबह उन्होंने पर पत्नी के साथ चाय पीते हुए तस्वीर शेयर की। इसके बाद करीब 9 बजे वे कनॉट प्लेस के हनुमान मंदिर पहुंचे। मंदिर में दर्शन के बाद सिसोदिया ने राजघाट पहुंचकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उनके साथ आप सरकार के मंत्री भी थे। करीब 11 बजे सिसोदिया ने आप ऑफिस पहुंचे।

रूस की सीमा में घुसे 1000 यूक्रेनी सैनिक

NEW DELHI : यूक्रेन के लगभग 1000 सैनिक रूस की सीमा में दाखिल हो गए है। सैनिकों ने रूस के कुर्स्क–ओब्लास्त प्रांत में 10 किमी तक घुसपैठ की है। इस बात की जानकारी गुरुवार को अमेरिका के इंस्टीट्यूट फॉर द स्टडी ऑफ वॉर ने दी। यूक्रेनी सेना के दाखिल होने के बाद रूस ने कुर्स्क–ओब्लास्त प्रांत में इमरजेंसी लगा दी है। साथ बॉर्डर से लगे इलाकों में रहने वाले लगभग 5 हजार नागरिकों को हटाने के आदेश भी दिए हैं। रूस–यूक्रेन की जंग की शुरूआत के बाद से यूक्रेन की तरफ ये अब तक का सबसे बड़ा पलटवार है।

कोलकाता के हॉस्पिटल में ट्रेनी डॉक्टर से रेप, फिर हत्या

KOLKATA : कोलकाता के सरकारी हॉस्पिटल (आरजी कर मेडिकल कॉलेज) में शुक्रवार को पोस्ट–ग्रेजुएट ट्रेनी महिला डॉक्टर की डेड बॉडी मिली। शुरूआती जांच में पता चला है कि रेप के बाद डॉक्टर की हत्या की गई है। ट्रेनी डॉक्टर का अर्धनग्न शव हॉस्पिटल के सेमिनार हॉल के अंदर मिला। कोलकाता पुलिस के अनुसार, डॉक्टर के आंख, मुंह और प्राइवेट पार्ट्स से खून बह रहा था। उसके पेट, बाएं पैर, गर्दन, दाहिने हाथ, रिंग फिंगर और होठों पर भी चोटें थीं। गर्दन की हड्डी भी टूटी हुई थी। ऐसा लगता है कि रेप के बाद गला घोंटकर हत्या की गई है। सुसाइड की कोई आशंका नहीं है। 31 साल की ट्रेनी डॉक्टर चेस्ट मेडिसिन डिपार्टमेंट में पीजी सेकेंड ईयर की स्टूडेंट थी। घटना 8–9 अगस्त की रात की है। घटना के बाद मेडिकल स्टूडेंट्स, भाजपा, कांग्रेस और वाम दलों ने अस्पताल के बाहर विरोध–प्रदर्शन किया।

49 साल के हुए हेमंत, जन्मदिन पर हौसले ने भरी संघर्ष की हुंकार

PHOTON NEWS RANCHI : शनिवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपना 49वां जन्मदिन मनाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने दीघार्यु और स्वस्थ रहने की कामना की है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी उन्हें जन्मदिन की हार्दिक बधाई और शुभकामना दी है। अपने 49वें जन्मदिन के मौके पर हेमंत सोरेन के हौसले ने एक प्रकार से हुंकार भरी है। उन्होंने अन्याय से लड़ने का प्रण लिया है। सोशल मीडिया पोस्ट के जरिये अपने जेल से रिहाई के वक्त हाथ पर लगे कैदी वाले निशान की मुहर को साझा करते हुए उन्होंने उस निशान को वर्तमान में लोकतंत्र के सामने आने वाली चुनौतियों का प्रतीक बताया।

सीएम सोरेन ने साझा की हाथ पर लगी जेल की मुहर वाली तस्वीर, अन्याय से लड़ने का लिया प्रण

साजिश के तहत भेजा गया था जेल

हेमंत सोरेन ने अपने पोस्ट के जरिये ये बताने की कोशिश की है कि बिना किसी शिकायत, अपराध या सबूत के उन्हें एक राजनीतिक साजिश के तहत जेल भेजा गया था। उन्होंने किसी पार्टी विशेष का नाम लिए बगैर पूरे सिस्टम पर सवाल खड़ा किया है। अपनी गिरफ्तारी के मुद्दे पर वो लिखते हैं कि बिना किसी शिकायत या अपराध के एक चुने हुए मुख्यमंत्री को 150 दिन तक जेल में डाल सकते हैं तो फिर ये आम आदिवासियों/दलितों/शोषितों के साथ क्या करेंगे। यह मुझे कहने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने लिखा है कि अब वे शोषित, वंचित, दलित, पिछड़ा, आदिवासी, मूलवासी के पक्ष में अपने संकल्प को और मजबूत कर हर उसे व्यक्ति या समुदाय के लिए आवाज उठाएंगे जिसे दबाया गया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का मानना है कि आज भी रंग, समुदाय, खानपान, पहनावे के आधार पर लोगों को सताया जा रहा है। उन्होंने एकजुट होकर एक ऐसे समाज के निर्माण की बात कही है, जहां का कानून सभी के लिए समान हो, जहां सत्ता का दुरुपयोग ना हो। हालांकि, नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने आदिवासी दिवस का हवाला देते हुए कहा है कि हेमंत सोरेन के लिए उनका परिवार ही सब कुछ है। खास दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान भी मंच पर उनके परिवार के लोग ही दिखे थे। उन्होंने जन्मदिन की बधाई और शुभकामना देते हुए कहा कि आप स्वस्थ रहें, लेकिन जो कहते हैं, उसे पूरा जरूर करें।

दूर-दूर तक नहीं था राजनीति से रिश्ता

याद कीजिए, कुछ वर्ष पहले तक हेमंत सोरेन का राजनीति से दूर–दूर कोई रिश्ता नहीं था। उनके पिता दिशोम गुरु शिबू सोरेन के साथ उनके बड़े भाई दुर्गा सोरेन ही राजनीति में सक्रिय थे। लेकिन, दुर्गा सोरेन के असमय निधन के बाद हेमंत सोरेन राजनीति में सक्रिय हुए और बहुत जल्द खुद को स्थापित करने में सफलता भी हासिल कर ली। साल 2013 में अर्जुन मुंडा की सरकार से समर्थन लेने के बाद उन्होंने कांग्रेस के समर्थन से सरकार बनाई और पहली बार 13 जुलाई 2013 को मुख्यमंत्री बने। फिर 2019 में महागठबंधन की सरकार में दूसरी बार सीएम बने। 31 जनवरी 2024 को बड़गांई स्थित 8.86 एकड़ जमीन मामले में ईडी ने उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इसका उन्हें लोकसभा चुनाव में भरपूर फायदा भी मिला। भाजपा को अपनी सभी तीन एसटी सीटें गंवानी पड़ गई। लेकिन, 28 जून को जेल से बाहर आने के बाद चम्पाई सोरेन के इस्तीफा के बाद 4 जुलाई को तीसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। अब झामुमो को भरोसा है कि इसी तरह का उत्साह विधानसभा चुनाव में बना रहेगा और हेमंत सोरेन के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन फिर सत्ता में आएगा। बता दें कि जमीन घोटाले से जुड़े मामले में हेमंत सोरेन को ईडी ने पिछले साल 31 जनवरी को गिरफ्तार किया था।

ब्राजील के विन्हेडो शहर में हादसा, हवाई जहाज में लगी आग

एक मिनट में 17000 फीट नीचे गिरा प्लेन, 61 लोगों की मौत

AGENCY NEW DELHI : ब्राजील के साओ पाउलो राज्य के विन्हेडो शहर में 61 लोगों को ले जा रहा प्लेन हादसे का शिकार हो गया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, 1 मिनट में प्लेन 17 हजार फीट नीचे गिरा और गिरते ही इसमें आग लग गई। एजेंसी के अनुसार, इसमें बैठे सभी यात्रियों और क्रू मेंबर्स की मौत हो गई। एयरलाइन वोएपास ने पहले कहा था कि विमान में 62 लोग सवार थे। वोएपास एयरलाइन ने फिर कहा कि साओ पाउलो के इंटरनेशनल एयरपोर्ट ग्वारूलहोस के लिए रवाना हुआ प्लेन क्रैश हो गया। इसमें 57 यात्री और 4 क्रू मेंबर थे। दुर्घटना कैसे हुई, यह पता नहीं चल पाया है। हादसे का शिकार हुए प्लेन का रजिस्ट्रेशन पीएस-वीपीबी एक एटीआर 72-500 है। इसमें कुल 74 लोग सवार हो सकते हैं। हालांकि, रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि क्रैश होने के टाइम प्लेन में 62 लोग थे।

हादसे के बाद बिखरा पड़ा दुर्घटनाग्रस्त विमान का मलबा

इस साल के बड़े प्लेन हादसे

अगस्त 2024 : नेपाल में हेलीकॉप्टर क्रैश, चीनी नागरिकों समेत 5 की मौत– 7 अगस्त को नेपाल के नुवाकोट में एक हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई। इनमें 4 चीनी नागरिक और एक पायलट शामिल था। 24 जुलाई को भी एक प्लेन क्रैश हो गया था। इसमें 18 लोगों की मौत हुई थी। प्लेन ने 24 जुलाई को सुबह करीब 11 बजे त्रिभुवन एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी। इसके कुछ ही देर के अंदर यह क्रैश हो गया था।

जून 2024 : मलावी के उपराष्ट्रपति की प्लेन क्रैश में मौत– अफ्रीकी देश मलावी के उपराष्ट्रपति साउलोस क्लॉस चिलिमा की प्लेन क्रैश में मौत हो गई थी। 10 जून को गायब हुए उपराष्ट्रपति के विमान का मलबा मिला था, उनके साथ सवार 9 लोगों में से कोई जिंदा नहीं बचा था।

मई 2024 : ईरान के राष्ट्रपति रईसी का हेलिकॉप्टर क्रैश में निधन– ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी (63) और विदेश मंत्री होसैन अमीराब्दुल्लाहियन का निधन भी हेलिकॉप्टर क्रैश में हुआ था।

फायर बिग्रेड की सात टीमें तैनात

प्लेन क्रैश के पीड़ितों को बचाने के लिए सेना पुलिस समेत 7 टीमों को तैनात किया गया। सरकारी बयान के अनुसार, लीगल मेडिकल इंस्टीट्यूट (आईएमएल) की टीमों और शवों को इकट्ठा करने के लिए जिम्मेदार लोगों को भी घटनास्थल पर भेजा गया है। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा ने हादसे के बाद पीड़ितों के परिवारों के लिए संवेदना जताई है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक उड़ान ट्रैकिंग डेटा से पता चला है कि क्रैश से डेढ़ मिनट पहले प्लेन ने ऊंचाई पर जाना छोड़ दिया था। स्थानीय समय के मुताबिक दोपहर 1 बजकर 21 मिनट तक प्लेन 17 हजार फीट की ऊंचाई पर उड़ रहा था। इसके बाद महज 10 सेकंड में लगभग 250 फीट नीचे गिर गया। अगले आठ सेकंड में लगभग 400 फीट ऊपर चला गया। इसके 8 सेकंड बाद 2 हजार फीट नीचे पहुंचा। फिर, लगभग यह तेजी से नीचे उतरने लगा।

बांग्लादेश में तनाव के बीच तैनात जवान।

बांग्लादेश में सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस ओबैदुल को करना पड़ा रिजाइन

- छात्रों ने दोपहर तक दिया था अल्टीमेटम, कुर्सी से खींचकर उतारने की कही थी बात
- पांच और जज छोड़ सकते हैं पद
- हिंदू जागरण मंच ने किया प्रदर्शन

AGENCY NEW DELHI : 5 अगस्त को बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे के बाद शनिवार यानी 10 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस ओबैदुल हसन को रिजाइन करना पड़ा। उनके इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शनकारी छात्रों ने शनिवार सुबह सुप्रीम कोर्ट को घेर लिया था। प्रदर्शनकारी बड़ी तादाद में वहां इकट्ठा हुए थे। छात्रों ने कहा, अगर जजों ने इस्तीफे नहीं दिए तो हसीना की तरह उन्हें भी कुर्सी से खींचकर उतार देंगे। प्रदर्शनकारी छात्रों ने आरोप लगाए थे कि सुप्रीम कोर्ट के जज हसीना से मिले हुए हैं। इन जजों ने अंतरिम सरकार से पूछे बिना ही शनिवार को पूरी कोर्ट की एक बैठक बुलाई। इस मीटिंग के चलते प्रदर्शनकारियों ने एक घंटे के भीतर जजों से इस्तीफा देने की मांग की। चीफ जस्टिस के इस्तीफे के बाद 5 और जज अपना पद छोड़ सकते हैं। वहीं प्रदर्शनकारियों ने कहा है कि जब तक सभी 6 जज इस्तीफा नहीं देते, वे सड़कें खाली नहीं करेंगे। बता दें कि बांग्लादेश में हसीना के इस्तीफे के बाद से हिंसा, लूटपाट और आगजनी की घटनाएं बढ़ गई हैं।

हसीना के बेटे ने कहा- मेरी मां अब भी पीएम

शेख हसीना के बेटे जॉय ने कहा कि उनकी मां भारत जाने से पहले इस्तीफा नहीं देना चाहती थीं। रॉयटर्स से बात करते हुए उन्होंने कहा, मेरी मां ने आधिकारिक तौर पर इस्तीफा नहीं दिया। उनके पास इतना वक्त नहीं था। आधिकारिक तौर पर वे अब भी प्रधानमंत्री हैं। जॉय ने कहा कि वो बयान जारी करने के बाद आधिकारिक तौर पर इस्तीफा देना चाहती थीं, लेकिन प्रदर्शनकारियों ने पीएम आवास की तरफ मार्च करना शुरू कर दिया। मेरी मां के पास कुछ करने के लिए समय ही नहीं बचा। जहां तक संविधान की बात है मेरी मां अभी भी बांग्लादेश की प्रधानमंत्री हैं। जॉय ने कहा कि राष्ट्रपति ने सेना प्रमुख और विपक्षी नेताओं की सलाह के बाद संसद भंग कर दी, लेकिन प्रधानमंत्री के औपचारिक रूप से इस्तीफा दिए बिना कार्यवाहक सरकार के गठन को अदालत में चुनौती दी जा सकती है। जॉय ने यह भी कहा कि हसीना की अवामी लीग पार्टी अगला चुनाव लड़ेगी, जो तीन महीने के भीतर होना चाहिए।

सीआईडी जांच में खुलासा, जमादार ने जेल के अंदर पहुंचाया था हथियार

सिपाही ने जेल के गेट पर रिसीव किया था पिस्टल

अमन हत्याकांड

PHOTON NEWS RANCHI : धनबाद जेल में तीन दिसंबर 2023 को गैंगस्टर अमन सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी। इस मामले की सीआईडी जांच कर रही है। गैंगस्टर हत्याकांड मामले में सीआईडी की पूरक चार्जशीट से नया खुलासा हुआ है। सीआईडी की पूरक चार्जशीट के अनुसार, अमन सिंह को मारने के लिए मोबाइल पर कोड वर्ड में दो ब्रेटा पिस्टल जेल के बाहर से मंगाये गये थे। जेल सिपाही शिव स्नेही ने गेट पर पिस्टल को रिसीव किया था। वहीं जेल जमादार जितेंद्र सिंह ने खाने के पैकेट में भरे पिस्टल और गोलियों को विकास बजरंगी के वार्ड तक पहुंचाया था। सीआईडी को दिये बयान में यूपी जौनपुर निवासी राहुल सिंह राजपूत ने इसका जिक्र किया है। सीआईडी ने धारा 164 के तहत राहुल सिंह का बयान न्यायालय में दर्ज कराया है। इस मामले में अब तक रितेश यादव उर्फ सुंदर महतो, विकास कुमार उर्फ विकाश बजरंगी, सतीश कुमार उर्फ गांधी, चंदन यादव उर्फ ब्रजेश यादव, सहजाद कुरैशी, बंटी उर्फ धनु वर्मा, पिंटू सिंह उर्फ जयनेंद्र कुमार, अभिमन्यु कुमार सिंह के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गयी है।

बजरंगी व अमन के बीच हुआ था विवाद

राहुल ने सीआईडी को बताया कि एक माह पहले कतरास के कोयला कारोबारी मनोज यादव की हत्या में धनबाद जेल में बंद विकास बजरंगी और अमन सिंह के बीच विवाद हुआ था। अमन सिंह ने विकास के घरवालों को जान से मारने की धमकी दी थी। वहीं विकास ने भी अमन को मारने की चेतावनी दी थी। हत्या से कुछ ही दिन पहले अमन सिंह का करीबी राहुल सिंह अपने गिरोह के वैभव यादव से मिलने विकास बजरंगी के वार्ड में गया था। उस दिन उसने विकास को किसी से फोन पर बातचीत करते सुना था।

15 अगस्त तक राज्य के कुछ जिलों में भारी बारिश की संभावना, अलर्ट

RANCHI : पिछले कुछ दिनों के दौरान राज्य में अच्छी बारिश देखने को मिली है। मानसून सक्रिय होने से लोगों राहत मिली है। वहीं, राज्य की प्रमुख नदियों के जलस्तर में भी वृद्धि दर्ज की जा रही है। जहां स्वर्णरेखा और खरकई जैसी नदियों के जलस्तर में वृद्धि देखी जा रही है। ये नदियां डेंजर लेवल पर पहुंचने वाली है। जबकि 15 अगस्त तक राज्य के कुछ हिस्सों में भारी बारिश होने की प्रबल संभावना व्यक्त की गयी है। इसे लेकर मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है। ऐसे में आने वाले दिनों में भारी बारिश होने पर इन नदियों पर असर देखा जायेगा। संभावना व्यक्त की गयी है कि इन नदियों का पानी डेंजर लेवल पार कर सकता है। नदियों के जलस्तर के संबंध में जिला प्रशासन की ओर से दिनभर में दो बार रिपोर्ट जारी की जा रही है। फिलहाल स्वर्णरेखा नदी का जलस्तर 116.82 मीटर है। जबकि इसका डेंजर लेवल 121.50 मीटर है। वहीं, खरकई नदी का जलस्तर 126.29 मीटर है। जबकि इसका डेंजर लेवल 129.0 मीटर है। अगर इसी तरह की वर्षा होते रही तो डेंजर लेवर पार होने में समय नहीं लगेगा। ऐसे में नदियों के आस पास रहने वाले लोगों को सर्तक किया गया है। झारखंड के 8 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों में धनबाद, देवघर, दुमका, चतरा, गिरिडीह, गोड्डा, जामताड़ा,और साहेबगंज में भारी बारिश हो सकती है।

वायनाड के लैंडस्लाइड प्रभावित क्षेत्र का पीएम ने किया दौरा, जानी त्रासदी की हकीकत

बोले प्रधानमंत्री मोदी- सामान्य नहीं है यह आपदा

AGENCY WAYNAD : शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केरल के वायनाड में भूस्खलन से प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया। अधिकारियों ने प्रधानमंत्री को राहत और बचाव कार्यों के बारे में जानकारी दी। इस दौरान पीएम के साथ राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन और केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी भी मौजूद थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वायनाड भूस्खलन घटना और चल रहे राहत प्रयासों पर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन भी उपस्थित थे। भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, जब से मुझे इस घटना के बारे में पता चला है, तब से मैं भूस्खलन के बारे में जानकारी ले रहा हूं। केंद्र सरकार की सभी एजेंसियां जो इस आपदा में मदद कर सकती थीं, तुरंत काम पर लग गईं। यह आपदा सामान्य नहीं है।

हेलीकॉप्टर से हवाई सर्वेक्षण भी किया

प्रधानमंत्री ने भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टर से भूस्खलन प्रभावित चूरलमाला, मुंडक्कई और पुंचिरीमट्टम का हवाई सर्वेक्षण किया था। अधिकारियों के मुताबिक, हवाई सर्वेक्षण के बाद मोदी का हेलीकॉप्टर कलपेट्टा में एसकेएमजे विद्यालय में उतरा, जहां से वह सड़क मार्ग से चूरलमाला के लिए रवाना हुए। अधिकारियों ने बताया कि हवाई सर्वेक्षण में उन्होंने भूस्खलन के केंद्र बिंदु को देखा, जो इरुवाझिनजी पुझा (नदी) के उद्गम स्थल पर है।

अस्पताल जाकर पीड़ितों का जाना दर्द

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन वायनाड में भूस्खलन के पीड़ितों और बचे लोगों से मिलने और बातचीत करने के लिए डब्ल्यूआईएमएस अस्पताल पहुंचे। पीएम मोदी ने पीड़ितों के बच्चों से बात भी की और उन्हें गोद में उठाकर प्यार भी किया अधिकारियों ने बताया कि मोदी कन्नूर हवाई अड्डे से वायुसेना के हेलीकॉप्टर के जरिये वायनाड पहुंचे और 30 जुलाई को बड़े पैमाने पर हुई भूस्खलन की घटनाओं से प्रभावित चूरलमाला क्षेत्र में पैदल चलकर नुकसान का जायजा लिया। चूरलमाला में सेना ने आपदा के बाद राहत एवं बचाव कार्यों में मदद के लिए 190 फुट लंबा बेली ब्रिज बनाया है। मोदी नुकसान का जायजा लेते हुए इस पुल से पैदल गुजरे। अधिकारियों के अनुसार, चूरलमाला पहुंचने के बाद मोदी अपने वाहन से उतरे, बचाव कर्मियों, राज्य के मुख्य सचिव वी वेणु और जिले के अधिकारियों से बातचीत की, फिर पैदल ही पत्थरों और मलबे से भरे क्षेत्र का सर्वेक्षण किया।

सुबह नमाज पढ़ने के दौरान दागे 3 रॉकेट

गाजा में स्कूल पर इजरायली हमला, 100 लोगों की मौत

AGENCY NEW DELHI : गाजा के दाराज जिले में एक स्कूल पर शनिवार सुबह हमला हुआ। इसमें 100 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। अलजजीरा के मुताबिक मरने वालों में महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग शामिल हैं। इस स्कूल में कई लोगों ने शरण ले रखी थी। सुबह की नमाज पढ़ने के दौरान यह हमला हुआ। स्थानीय लोगों के मुताबिक एक के बाद एक 3 रॉकेट स्कूल पर गिरे। इससे वहां आग लग गई। इजराइली सेना का दावा है कि अल-तबीन स्कूल का इस्तेमाल हमास ऑफिस के तौर पर किया जा रहा था। उसमें हमास के कई आतंकी मौजूद थे। हमला आम नागरिकों पर नहीं किया गया है। इजराइली डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने कहा कि हमले से पहले नागरिकों को कम से कम नुकसान पहुंचे इसके लिए उन्होंने कई कदम उठाए थे। इलाके की हवाई निगरानी की गई थी। साथ ही वहां मौजूद इजराइल के इंटेलिजेंस सोर्स के जरिए भी जानकारी इकट्ठा की गई थी।

बहुत ही खास है जिम कॉर्बेट का सौन्दर्य

जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क हमारे देश के सबसे प्रसिद्ध और लोकप्रिय राष्ट्रीय उद्यानों में से एक है। इस बात से इसका महत्व और भी पढ़ जाता है जब पता चलता है कि यह एशिया का पहला राष्ट्रीय उद्यान भी है। हमारे देश के उत्तराखंड राज्य में स्थित यह पार्क तकरीबन 1318 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है। इस पार्क में तरह-तरह के पक्षियों और पौधों की एक बहुत बड़ी श्रृंखला है। इस जगह पर आकर ऐसा लगा कि जैसे किसी जन्नत में आ गए हैं। चारों तरफ हरियाली, नदी, पहाड़, झरने और जीव-जन्तु। इस जगह पर आकर आप जानवरों की हजारों प्रजातियों को देख सकते हैं। यदि आप भी घूमने के शौकीन हैं तो आपको एक बार जिम कॉर्बेट जरूर जाना चाहिए। इस जगह पर जंगल सफारी के साथ-साथ हाथी की सवारी, जंगल कैम्पिंग और ट्रैकिंग का भी मजा लिया जा सकता है।

जिम कॉर्बेट में जंगल सफारी का अपना एक अलग ही रोमांच होता है। क्योंकि आप जंगल सफारी के दौरान ना सिर्फ. सफारी का मजा लेते हैं, बल्कि पार्क में मौजूद तमाम तरह के जानवरों को देख भी पाते हैं। इस जगह पर सफारी के लिए एक नहीं बल्कि दो-दो विकल्प मौजूद होते हैं। पहला जीप सफारी, दूसरा कैंटर सफारी। जीप सफारी का दायरा काफी ज्यादा है जबकि कैंटर सफारी पार्क में मुख्य क्षेत्र के लिए ही उपलब्ध हो पाती है, लेकिन इस क्षेत्र में बंगाल टाइगर के दिखने की संभावना अधिक रहती है। इस तरह के सफारी का आयोजन एक बार सुबह और एक बार शाम, दो ही वक़्त किया जाता है। प्रत्येक जीप में 6 लोगों को बैठने की अनुमति है, इससे अधिक लोग नहीं बैठ सकते हैं।

मैंने अपनी यात्रा के पहले दिन जिम कॉर्बेट में जंगल सफारी का आनंद लिया। जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क को हाथी सफारी के लिए भी जाना जाता है। मेरा मन होने के बावजूद स्थिति कुछ ऐसी बनी कि नहीं कर पाया। यदि आपको हाथियों से प्यार और लगाव है तो आप हाथी सफारी के दौरान उनसे मस्ती करते हुए सैर कर सकते हैं। जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क में होने वाली तमाम तरह की गतिविधियों में हाथी सफारी को सबसे अच्छा माना जाता है। सफारी के दौरान वन्य जीवन का आनंद लेने के साथ साथ सुंदर घाटियों, घने जंगलों, नदी के किनारों को देखा जा सकता है। इस पार्क में आपको कई तरह के पक्षी चहकते हुए दिख जाएंगे। घने जंगलों में इन उड़ते हुए पक्षियों को देखना मन को बहुत ज्यादा सुकून देता है। इस दौरान आप स्तनधारियों के साथ साथ सरीसृप जैसे कि मगरमच्छ, अजगर आदि भी देख सकते हैं।

संजय शेफर्ड
नई दिल्ली

नाइट कैम्पिंग में रहें शांत

जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क में कैम्पिंग करना बहुत सारे लोगों का सपना होता है। इस जगह पर कैम्पिंग करना मेरा भी हमेशा से सपना था। कैम्पिंग के दौरान एक बहुत ही खूबसूरत जगह पर रात्रि विश्राम का मौका मिलता है। कैम्पिंग के दौरान आप उस जगह के साथ साथ, वहाँ के मौसम और आसपास होने वाली गतिविधियों को भी इंज्वाय कर सकते हैं। कैम्पिंग को घुमक्कड़ी से जुड़ी सबसे शांतिपूर्ण गतिविधियों में रखा गया है। यह पार्क कैम्पिंग के साथ पैकेज लेने पर आपको मछली पकड़ने और बॉनफायर जैसी चीजें करने की भी सहूलियत देता है। कैम्पिंग के दौरान आपको शांति का ख़्याल रखना होता है। आपके आसपास जानवर हो सकते हैं, इसलिए शोर नहीं मचाएं।

SCAN ME

1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियां देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें।
2. आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।

Email- thephotonnewsjharkhand@gmail.com

जिम कॉर्बेट को जानने म्यूजियम जरूर जाएं

जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क में जाकर कॉर्बेट म्यूजियम नहीं देखा तो आपकी यात्रा अधूरी रह जाएगी। पूरे राष्ट्रीय उद्यान में कॉर्बेट म्यूजियम सबसे खूबसूरत है। अपनी यात्रा के दौरान आप इस जगह के आकर्षण से चाहकर भी नहीं बच पाएंगे। मैं भी नहीं बच पाया। इस जगह पर जाकर जिम कॉर्बेट के बंगले का भी आभास होता है, क्योंकि यह संग्रहालय उसी बंगले में स्थित है जो जिम कॉर्बेट का घर हुआ करता था। यह संग्रहालय उनके लिखे संस्मरणों, उनके कई निजी सामान और उनके द्वारा लिखे गए पत्रों को संरक्षित और प्रदर्शित करता है। आप इस जगह पर आकर जिम कॉर्बेट में किए गए उनके काम और उनके प्रयासों से जुड़ी तमाम कहानियों को भी जान सकते हैं।

रिवर राफ्टिंग का ले सकते आनंद

जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क में इतना कुछ घूमने और देखने के बाद कुछ और मजेदार करना चाहते हैं तो आपके पास रिवर राफ्टिंग का भी विकल्प मौजूद है। यह जिम कॉर्बेट के तमाम मुख्य आकर्षणों में से एक है। इस जगह पर कोसी नदी इसी पार्क से होकर बहती है। जिसकी वजह से रिवर राफ्टिंग करने की बहुत ही खूबसूरत सहूलियत रहती है। सैलानियों के लिए राफ्टिंग करने का सबसे अच्छा समय मानसून का होता है। नदी का यह मार्ग आपको घने जंगलों और पहाड़ियों के बीच से होकर गुजरता है, जिससे आपको प्रकृति का खूबसूरत नजारा देखने को मिलता है। आप साहसिक पर्यटन में रुचि रखते हैं तो यह एक्टिविटी जरूर करनी चाहिए। इस जगह पर घूमने के लिए तीन दिन की ट्रिप पर्याप्त होती है। मुझे इस जगह के पर्यटन स्थल, मौसम और तरह-तरह के पेड़ पौधों और जीव-जंतुओं को देखने में बहुत ही आनंद आया।

गर्जिया मंदिर भी दर्शनीय

जिम कॉर्बेट स्थित गर्जिया मंदिर को इस जगह के सबसे दर्शनीय धार्मिक स्थलों में गिना जाता है। इसकी वजह से जिम जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क आने वाले सैलानी इस जगह पर जाते ही जाते हैं। यह कोसी नदी के किनारे एक बहुत बड़ी सी चट्टान पर स्थित है। इस जगह पर वैसे तो पर साल तीर्थयात्री आते हैं लेकिन नवंबर और दिसंबर के बीच लोगों का आना जाना सबसे ज्यादा होता है। भक्तों-श्रद्धालुओं की भीड़ रहती है। इस जगह पर आकर गर्जिया मंदिर के दर्शन करने के साथ आपको लक्ष्मी-नारायण की प्राचीन मूर्ति भी देखने को मिलेगी, ऐसा कहा जाता है कि ये 9वीं शताब्दी की है, जिसे काले ग्रेनाइट पत्थरों से बनाया गया है। इस जगह पर आने वाले लोग मंदिर में प्रवेश करने से पहले कोसी नदी में स्नान करना पसंद करते हैं। कार्तिक पूर्णिमा के मौके पर दर्शन करना शुभ माना गया है।

वाटरफॉल भर देगा रोमांच

जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क में एक और जो चीज बेहतरीन लगी वह है कॉर्बेट वॉटरफॉल। यह वॉटरफॉल रामनगर से नैनीताल जाते समय लगभग 25 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। 66 फीट की ऊँचाई से गिरता, घने जंगलों से घिरा यह वॉटरफॉल एक तरफ जहां सैलानियों को शांत वातावरण प्रदान करता है, वहीं दूसरी तरफ उनके मन में रोमांच भी भरता है। इस जगह को सबसे ज्यादा लोग पूर्णिमा की रातों में देखना पसंद करते हैं। कई प्रकृति प्रेमी इस झरने के पास कैम्पिंग आदि करना पसंद करते हैं। इस झरने तक पहुंचने के लिए आपको सड़क मार्ग से उतरकर दो किमी की ट्रेकिंग करनी होती है जो आपकी इस यात्रा के रोमांच को और भी ज्यादा बढ़ा देता है।

लघु कथा

गीता दुबे
जमशेदपुर

नजरिया

सड़क किनारे बनी पार्किंग एरिया में कार पार्क कर वह जैसे ही जाने लगा म्युनिसिपैलिटी का लड़का अपनी हाथ में रसीद और पेन लिए दौड़ा-दौड़ा उसकी ओर आया और उसकी गाड़ी का नंबर नोट करते हुए कहा--5 रु. साहब 5रु....

रसीद लेने से इंकार करते हुए उसने कहा- 'काहे का पाँच रुपए' अरे पाँच मिनट के लिए ही तो गाड़ी लगाई है, मैं वह पास वाली दुकान में बस यूँ गया और यूँ आया।

'नहीं साहब रसीद तो लेनी ही पड़ेगी, पाँच मिनट हो या पाँच घंटे' मुझे ऑफिस में पैसे जमा करने पड़ते हैं न साहब, लड़के ने रसीद देते हुए कहा।

यह सुन वह आग बबूला हो गया और चिल्लाते हुए बोला 'मुझे कानून सिखाता है तू, मैं खूब जानता हूँ तुम जैसों को, इसी तरह पैसे लेकर अपनी जेब गरम करते हो'

लड़के ने कहा- 'साहब गुस्सा बाद में होना, पहले यह रसीद ले लो' लेकिन उसने लड़के की न सुनी और यह कहकर चला गया कि लौटकर देता हूँ, वापस आने पर उसने अपनी कार स्टार्ट की और जाने लगा, मुनिसिपैलिटी का वह लड़का आवाज लगाता रहा - साहब पांच रु.-- साहब पांच रु.-- लेकिन वह उसे अनसुना कर चलता बना।

दफ्तर में कुछ देर काम करने के बाद वह चाय पीने कैंटीन पहुंचा, चाय पी लेने के बाद उसने चाय वाले से कहा- अरे, चाय तो मैंने पी ली, लेकिन पांच रुपये छुट्टे नहीं हैं मेरे पास। इस पर चाय वाले ने कहा-ह्य कोई बात नहीं साहब, नहीं है मत दो या कल दे देना, पांच ही रुपये की तो बात है, कौन सी बड़ी बात हो गई।

व्यंग्य ■ बर्बरीक

'और क्या चाहिए'

राहुल सिंह

भले ही प्रेम, अफेयर, लिव-इन रिलेशनशिप, लॉग डिस्टेंस रिलेशनशिप, प्लूटोनिक लव तथा साहचर्य के विभिन्न विकल्प मौजूद हों, मगर आज भी भारतीय परिवेश में शादी बेहद जरूरी मानी जाती है। उर्दू के एक उस्ताद राइटर ने फरमाया था कि 'इश्क का ताल्लुक दिल से होता है मगर शादी-विवाह का ताल्लुक तनख्वाहों से होता है'। पहले शादी-विवाह अपने ही परिवेश में अपने ही नातेदार-रिश्तेदार लगाया करते थे। अब यह काम वैवाहिक वेबसाइट करती हैं। अपने परिवार को विवाह खोजने के अंतहीन थकाऊ काम से उद्धार करने के लिए तथा विवाह जैसे जरूरी सामाजिक जिम्मेदारी को निभाने के लिए एक तरुणी ने अपने परिवार वालों को वर खोजने का कष्ट न देने का निर्णय किया। युवती ने वर खोजने के पारंपरिक तरीकों को दरकिनार कर वरमाला डॉट कॉम पर एक युवक को स्पॉट किया और उससे प्रणय हेतु चर्चा शुरू की।

युवती : 'आपने शादी के लिए एड दिया है ना, आप विवाह करना चाहते हैं? सच में विवाह करके घर-गृहस्थी बसाना चाहते हैं या सिर्फ टाइमपास टाइप की बातें सोच रहे हैं'।

युवक : 'नहीं-नहीं, ऐसा बिल्कुल नहीं है टाइमपास वगैरह की बात मत कहिए। मैं सच में विवाह करके अपना जीवन बसाना चाहता हूं। काफी सीरियस हूँ, इसको लेकर। आप अपनी बताएं'।

युवती : 'मैं जल्द ही विवाह करना चाहती हूँ। इसीलिए मैं बहुत लोगों से मिल रही हूँ पर अभी तक कोई ढंग का लड़का मिला ही नहीं। सही लड़का मिलते ही मैं तुरन्त शादी कर लूंगी'।

युवक : 'हाँ, इस लेवल पर आप किसी से कनेक्ट हों और उसके साथ बॉन्डिंग हो जाए तो सब कुछ आसानी से शॉर्टआउट हो जाएगा। एक बार जब किसी से कनेक्ट हो जाएंगी तो उसके साथ कम्फर्टेबल भी हो जाएंगी। जब कम्फर्टेबल हो जाएंगी तो शादी की बात अपने आप सही दिशा में आगे बढ़ जाएगी'।

युवती : 'कोई कनेक्ट-वनेक्ट नहीं करना मुझे। मुझे ये लव, अंडरस्टैंडिंग, बॉन्डिंग के झमेले में नहीं पड़ना। लव वगैरह का अंजाम देख चुकी हूं मैं। अब मेरी कुछ छोटी सी कंडीशन्स हैं, उन्ही पर बात होगी, वह पूरी होगीं तो शादी होगी'।

युवक के मन में लड्डू फूटे। उसने कहा-''बताइये आपकी नजरों में सही और ढंग का लड़का होने की क्या डेफनीशन है'?

युवती : पहली बात तो लड़के की अच्छी आमदनी हो।अपना खुद का घर हो, रेंट पर न रहता हो। उसका फैमिली बैकग्राउंड स्ट्रांग हो, मेरा मतलब है कि पुरखों की जमीन-जायदाद भी हो। मुझे हर फैसला लेने की निजी तौर पर आजादी हो और मेरी प्राइवेट लाइफ में मुझे अपने हिसाब से हर डिसीजन लेने की फ्रीडम हो। हाउसमेड के अलावा खाना बनाने वाली एक अलग नौकरानी हो। साल में दो बार लॉग ट्रिप और दो शॉर्ट ट्रिप की वेकेशन हो। लड़का मुझे जॉब करने के लिए फोर्स न करे। मुझसे अकड़कर या तेवर से बात न करे और दहेज की बात तो हर्गिज नहीं होनी चाहिए। लड़का मेरे पास्ट या एक्स के बारे में मुझसे कभी कोई बात न करे। उस लड़के का कोई अफेयर नहीं होना चाहिए। मुझे शादी के बाद तुरंत बच्चा पैदा करने को फोर्स न करे और हां इनलॉज की मेरी मैरिड लाइफ में दखलंदाजी बिल्कुल नहीं होनी चाहिए। बस यही सब छोटी-छोटी कंडीशन्स हैं मेरी तरफ से'।

युवक : 'बस यही कंडीशन्स हैं या और भी कुछ हैं'?

युवती : 'नहीं, इन छोटी-मोटी बातों के अलावा बाकी चीजें मैं एडजस्ट कर लूंगी। लेडीज को शादीशुदा जिंदगी में एडजस्ट तो करना ही पड़ता है'।

लड़का : 'ओह, आप तो बेहद डाउन टू अर्थ लेडी हैं। आपकी कंडीशन्स तो बहुत कम हैं। आजकल तो शादी में लोग बड़ी-बड़ी कंडीशन्स लगाते हैं। वैसे अगर लड़के की भी कुछ कंडीशन्स हों तो? लड़के की कौन-कौन सी कंडीशन्स आप मान सकती हैं'?

युवती : 'पागल हो क्या तुम ? मैं लड़के से शादी कर रही हूं ये क्या कम है। और क्या चाहिए उसे'?

युवक : 'शादी तो लड़का भी कर रहा है न तुमसे। जब लड़का तुम्हारी इतनी कंडीशन्स मान रहा है तो तुम्हे भी उसकी कुछ कंडीशन्स माननी चाहिए। क्या तुम लड़के की कोई भी कंडीशन नहीं मानोगी'?

युवती : 'तुम सच में पागल हो क्या? मैं कहे जा रही हूँ और तुम बिल्कुल भी नहीं समझ रहे। अरे मैं शादी कर रही हूँ न उससे। उसे और क्या चाहिए'?

युवक : 'फिर भी, कुछ तो लड़के की भी कंडीशन्स मानने को तुम्हे सोचना चाहिए'।

युवती : 'शट अप। तुम शादी को लेकर बिल्कुल भी सीरियस नहीं हो। तुम सिर्फ रिश्तों को टाइमपास समझते हो। मैं तुम जैसे लड़कों को खूब समझती हूँ। तुम्हारे लिए शादी एक खेल की तरह है। मगर मैं शादी को बेहद सीरीयसली लेती हूँ। कोई खेल या बिजनेस डील नहीं है मेरे लिए शादी। मैं और लड़कियों की तरह नहीं हूँ। अगर शादी की बात करनी हो और सीरियस हो, तो आगे बात की जाए। अगर सिर्फ टाइमपास की बातें करनी हो तो ब्लॉक कर दूंगी, समझे'।

युवक : 'समझ गया दीदी'।

युवती : 'शटअप। दीदी होगी तेरी मां। एक नम्बर का लोफर है तू, फ्रॉड है तू। यू क्रेप, रुक तू अभी। तेरी कम्प्लेन करती हूँ, तुझे पुलिस से पकड़वाती हूँ। यू डर्टी माइंड, नानसेंस' यह कहते हुए युवती ने ब्लॉक कर दिया।

युवक स्तब्ध और अवाक हो गया। उसके दिमाग में बस एक ही बात गूंज रही थी 'और क्या चाहिए'।

BRIEF NEWS

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से राज्यपाल ने की मुलाकात

RANCHI : राज्यपाल संतोष गंगवार ने शनिवार को नई दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की। राज्यपाल और रक्षा मंत्री की यह शिष्टाचार मुलाकात बताई गई है।

मुख्य डाकघर में तिरंगा झंडे की बिक्री शुरू

RANCHI : रांची जीपीओ जरिये गर्व के साथ सूचित किया जाता है कि हर घर तिरंगा अभियान 2024 के अंतर्गत तिरंगा झंडे की बिक्री प्रारंभ की जा रही है। यह अभियान भारत सरकार की ओर से राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और देशभक्ति की भावना को और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। सीनियर पोस्ट मास्टर एस गोराई ने शनिवार को बताया कि रांची जीपीओ में तिरंगा झंडा मात्र 25 रुपये में उपलब्ध है। हम सभी नागरिकों से अनुरोध करते हैं कि वे इस अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज का क्रय कर अपने घरों पर फहराएं और देशभक्ति के इस महान पर्व में सहभागिता करें।

पर्यावरण संरक्षण के तहत पौधारोपण का आयोजन

RANCHI : विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर शनिवार को रांची नगर निगम की ओर से बरियातू रोड स्थित स्वर्ण रेखा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में पर्यावरण संरक्षण अभियान के तहत सेमिनार और पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रांची नगर निगम के नगर आयुक्त अमित कुमार के निदेर्शानुसार रांची नगर निगम एवं रिलेशंस के जरिये विश्व आदिवासी दिवस के अस पर पर्यावरण संरक्षण अभियान के तहत स्वर्णरेखा ग्रुप ऑफ इंस्टियूशंस बरियातू में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। विधार्थियों ने अपने कॉलेज प्रांगण में सैंकड़ो पौधे लगाकर उसकी सेवा और रक्षा का संकल्प भी लिया।

जिला योगासन स्पोर्ट्स एसो. का ट्रायल 13 को

RANCHI : अस्मीता खेलो इंडिया की ओर से नारी शक्ति को योगासन के माध्यम से अधिक सशक्त और प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 13 अगस्त को रांची में रांची जिला योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के तत्वावधान में एक दिवसीय ट्रायल का आयोजन किया जाएगा। यह ट्रायल मरांग गोमके जयपाल सिंह हॉकी स्टेडियम में रखा गया है। इसमें झारखंड के सभी जिलों से प्रतिभागी शामिल होंगे। योगासन खिलाड़ियों के लिए फेडरेशन की ओर से पूर्व में जारी सिलेबस के माध्यम से चार इवेंट होने वाले हैं, जिसमें ट्रेडिशनल योगासन, आर्टिस्टिक सिंगल, आर्टिस्टिक पेयर, रिदमिक पेयर है।

खेलो इंडिया स्कीम : खिलाड़ियों की भूमि झारखंड के साथ सरासर अन्याय

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने खेलो इंडिया स्कीम के तहत केंद्र सरकार से राज्यों को मिलने वाली धनराशि पर सवाल उठाया है। उन्होंने शुक्रवार की देर रात अपने सोशल मीडिया एकाउंट्स (फेसबुक व एक्स) पर पोस्ट कर कहा कि झारखंड को सिर्फ नौ करोड़ रुपये मिलना सरासर अन्याय है। झारखंड को गोवा के बाद सबसे कम राशि मिली है। गोवा को 4.24 करोड़, जबकि झारखंड को 9.63 करोड़ रुपये मिले हैं। हालांकि

मुख्यमंत्री हेमंत ने केंद्र से राज्यों को मिलने वाली मदद पर उठाए सवाल

लिस्ट देखकर स्पष्ट नहीं हो पा रहा है कि यह किस वित्तीय वर्ष का है। हेमंत सोरेन ने इस योजना के तहत राज्यों को मिलने वाली राशि की लिस्ट भी शेयर की है। लिस्ट में राज्यों के सामने आवंटित राशि अंकित है। लिस्ट में एक जगह पर हॉकी का चिन्ह है। वहां 426.13 करोड़ रुपये दर्ज है। यह राशि गुजरात सरकार को दी गयी है। यह राशि उत्तर प्रदेश को आवंटित राशि 438.27 करोड़ से 12 करोड़ कम है। इन दो राज्यों के अलावा किसी भी राज्य की राशि इतनी अधिक नहीं है।

जिन राज्यों के खिलाड़ी कर रहे अच्छा प्रदर्शन, उनको कम राशि आवंटित

उल्लेखनीय है कि खेलो इंडिया स्कीम के तहत राज्यों को मिलने वाली राशि पर सवाल उठ रहे हैं। सोशल मीडिया पर कहा जा रहा है कि गुजरात सरकार को इतनी अधिक राशि दी जाती है, जबकि शायद ही वहां का कोई खिलाड़ी ओलंपिक में उल्लेखनीय प्रदर्शन कर पा रहा है। जबकि हरियाणा और मणिपुर जैसे राज्य, जहां के कई खिलाड़ी अच्छे प्रदर्शन करते हैं, उन राज्यों को सिर्फ क्रमशः 66.59 करोड़ और 46.71 करोड़ मिले हैं।

कीर्ति आजाद ने भी उठाया था प्रश्न

जानकारी के मुताबिक, पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर से सांसद कीर्ति आजाद ने भी शुक्रवार की सुबह में सोशल मीडिया एक्स पर इस आवंटन लिस्ट को जारी किया था। उन्होंने सवाल उठाया था कि मणिपुर व हरियाणा राज्य, जहां के ओलंपियंस सबसे अधिक मेडल देश के लिए लाते हैं, उन्हें कितनी कम राशि मिलती है और गुजरात को कितनी अधिक, जहां से कोई भी खिलाड़ी कभी उल्लेखनीय प्रदर्शन नहीं करता (क्रिकेट को छोड़ कर)। उल्लेखनीय है कि खेलो इंडिया स्कीम के तहत केंद्र सरकार राज्यों में खेल की आधारभूत संरचना के विकास के लिए सालाना दो हजार करोड़ से अधिक रुपए खर्च करती है।

असम के सीएम ने युवा आक्रोश रैली योजना सम्मेलन को किया संबोधित

हेमंत सरकार से युवा निराश, झारखंड में घटी हिंदुओं की जनसंख्या : हिमंता

PHOTON NEWS RANCHI : असम सरकार के मुख्यमंत्री एवं विधानसभा चुनाव के भाजपा के सह प्रभारी हिमंता बिस्मा सरमा ने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार से राज्य के युवा निराश हैं। वे विधानसभा चुनाव में उनके खिलाफ वोट कर नाराजगी जाहिर करेंगे। बांग्लादेश के हालात पर उन्होंने कहा कि जिस तरह वहां हिंदुओं पर हमले हो रहे हैं, वैसी ही परिस्थितियां भारत के झारखंड, असम और पश्चिम बंगाल के कई जिलों में हैं। यहां हिंदुओं की जनसंख्या घटी है।

असम में हिंदू जनसंख्या में 10 फीसदी जबकि बांग्लादेश में 13 प्रतिशत की कमी आयी है। हिमंत ने कहा कि इतना झूठ बोलने वाला मुख्यमंत्री कहीं नहीं है। ऐसा लगता है हेमंत सोरेन रात को सपना देखते हैं और सुबह में वादा कर देते हैं लेकिन जनता जानना चाहती है कि हेमंत सोरेन सच कब बोलते हैं। असम के मुख्यमंत्री राजधानी रांची के कार्निवाल बैंक्वेट हॉल में शनिवार को भाजपा मोर्चा के तत्वावधान में युवा आक्रोश रैली योजना सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इसमें 23अगस्त को होने वाले रैली की तैयारी पर विस्तृत चर्चा की गई। हेमंत विस्वा सरमा ने कहा कि हेमंत सोरेन न वादा निभाते हैं न जनता से माफी मांगते हैं। मुख्यमंत्री का बोलने का तरीका डेमोक्रेटिक नहीं है। जनता को धोखा भी दे रहे और पांच लाख नौकरी, बेरोजगारी भत्ता, बांग्लादेशी घुसपैठ पर बोलने को तैयार नहीं। ऐसी सरकार यदि आगे चली तो राज्य के युवाओं का कोई भविष्य नहीं बचेगा। उन्होंने कहा कि मइयां योजना भी धोखा है। दो महीने तक दो हजार देने की बात कर रहे लेकिन बेटी बहनों को दलाल बिचौलिए फार्म भरने में ही एक हजार लूट ले रहे। हेमंत सरकार को कंप्यूटर ने भी रिजेक्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि राज्य की माताओं बहनों को दो हजार रुपये, नहीं बल्कि भाई और बेटे को नौकरी चाहिए। हेमंत सोरेन के पास राज्य के बेरोजगार युवाओं का पिछले 60 महीना का तीन लाख बकाया है, जिसे व्याज सहित मांगने के लिए राज्य का युवा हकदार है। युवाओं का उधार पैसा हेमंत सोरेन के घर में फंसा है। हिमंत ने कहा कि किसानों की ऋण माफी की बात भी धोखा है। जबतक राज्य सरकार बैंक को पैसा नहीं देगी तब तक बैंक एनओसी नहीं देता है। उन्होंने कहा कि ये वादा करने में माहिर सरकार है लेकिन निभाती तो भाजपा की सरकार है। भाजपा की सरकार जो वादा करके आती है उसे निभाती है। चाहे केंद्र की हो या फिर प्रदेशों की। उन्होंने कहा कि 23 अगस्त को राज्य का एजेंडा अब राज्य का युवा तय करेगा। आज राज्य में दो ही प्रमुख मुद्दे हैं। एक तरफ राज्य सरकार के वादा खिलाफी पर जनता में आक्रोश दूसरी तरफ घुसपैठियों से राज्य को बचाना।

मंच पर बाबूलाल मरांडी से बातचीत करते हिमंता बिस्वा सरमा। ● फोटोन न्यूज

हेमंत सरकार के खिलाफ रैली नहीं, रैला होगा : कर्मवीर सिंह

प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि आगामी 23 अगस्त को युवाओं की रैली नहीं रैला होगा। युवाओं का जन सैलाब हेमंत सरकार को गद्दी छोड़ने को मजबूर कर देगा। युवा मोर्चा अध्यक्ष शशांक राज ने कहा कि युवा मोर्चा के कार्यकर्ता सेवा और संघर्ष के लिए हमेशा तैयार रहता है। राज्य की युवाओं की आवाज आज युवा मोर्चा है। साथ ही कहा कि प्रदेश भ्रष्ट निकम्मी सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए युवा शक्ति तैयार है।

हेमंत सोरेन को संयास दिलाने के लिए युवा संकल्पित : बाबूलाल

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि आज राज्य में आम जनता परेशान है। कानून व्यवस्था ध्वस्त है। राज्य के युवाओं को ठगा। किसानों को ठगा बहन-बेटियों की इज्जत लुटवाई। जल जंगल जमीन को लूटा और लुटवाया। ऐसी सरकार को राज्य हित में एक क्षण भी बने रहने का अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि पांच साल में विकास का एक उदाहरण भी हेमंत सरकार नहीं दे सकती। अब जनता का भरोसा इस सरकार से उठ चुका है। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार के झूठ को चौक चौराहों पर बार बार दोहराएं। उन्होंने कहा कि ये सरकार मोदी सरकार की नकल करने को चली वह भी नहीं कर सकी। जनता को ग्रीन कार्ड से राशन देने की बात की लेकिन एक कदम भी आगे नहीं बढ़ सकी। जल जीवन मिशन भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया। युवा शक्ति आज कमर कसकर राज्य सरकार के खिलाफ खड़ी है।

राज्य का युवा नए उलगुलान और हूल के लिए प्रतिबद्ध : बाउरी

नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने कहा कि झारखंड की युवा शक्ति राज्य को लुटेरों, भ्रष्टाचारियों से बचाने के लिए नए उलगुलान और हुल करने के लिए तैयार है। हेमंत सरकार ने ठग कर जनादेश लिया लेकिन न रोजगार दिया, न बेरोजगारी भत्ता दिया। यही मुख्यमंत्री हैं जिन्होंने कहा था कि मेरी सरकार में कोई संविदा कर्मी जैसा शब्द नहीं होगा लेकिन आज संविदा कर्मी, पारा शिक्षक दर की ठोकरें खा रहे। लाठियां खा रहे। उन्होंने कहा कि पहली बार विधानसभा में युवाओं के मुद्दे पर ऐतिहासिक आंदोलन हुआ लेकिन यह सरकार तानाशाही रवैए से बाज नहीं आए। अध्यक्ष की ताकत का दुरुपयोग किया। विधायकों के धरने के दौरान सदन की बिजली पानी कटा। उन्होंने कहा कि अब राज्य का युवा लाठी गोली से डरने वाला नहीं। 23 अगस्त को राज्य के युवा हेमंत सरकार का जड़ हिला देंगे।

नक्सलियों के स्प्लिंटर ग्रुप का होगा सफाया

अधिकारियों के साथ बैठक करते डीआईजी अनूप बिरथरे। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी के ग्रामीण इलाकों में नक्सलियों के स्प्लिंटर ग्रुप का दायरा बढ़ता ही जा रहा है। साथ ही रंगदारी वसूली के लिए वारदातों को अंजाम दे रहे है। ऐसे में ग्रुप पर नकेल कसने के लिए रांची पुलिस के द्वारा नई सेंट्रलाइज प्लान तैयार किया गया है। जिसमें रांची के पड़ोसी जिलों की पुलिस का भी सहयोग रहेगा। रांची रेंज के डीआईजी अनूप बिरथरे शनिवार को बुढ़मू पहुंचे और निर्देश जारी किया।

दरअसल, बुढ़मू में ही तीन दिन पहले स्प्लिंटर ग्रुप ने पांच वाहनों को आग के हवाले कर दिया था। घटना के बाद झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता के निर्देश पर रांची डीआईजी ने स्प्लिंटर ग्रुप के खिलाफ खाका तैयार किया है। शनिवार को रांची के ग्रामीण इलाके के तमाम थाना क्षेत्रों में स्प्लिंटर ग्रुप एक्टिव होने की कोशिश की। जिसके तहत रांची डीआइजी ने इन इलाकों के प्रभारी, रांची के ग्रामीण एसपी और सभी डीएसपी के साथ मीटिंग करने के बाद स्प्लिंटर ग्रुप के खिलाफ कार्रवाई की रणनीति तैयार की।

रांची डीआईजी ने बताया कि रांची के ग्रामीण थाना क्षेत्रों में कई ऐसे थाने हैं, जो दूसरे जिलों से सटे हुए है। ऐसे में एक सेंट्रलाइज व्यवस्था तैयार की गई है ताकि अभियान में तेजी लायी जा सके। स्प्लिंटर ग्रुप के खिलाफ कार्रवाई के लिए पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे स्प्लिंटर ग्रुप के सदस्यों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करे। ग्रुप के समर्थकों को चिन्हित कर उनपर भी कार्रवाई करे। साथ ही स्प्लिंटर ग्रुप के सदस्यों के पूरे परिवार की जानकारी जुटाने और उनकी चल-अचल संपत्तियों का पता लगाने का निर्देश दिया गया है। डीआईजी ने बताया कि कुछ स्थानों पर स्प्लिंटर ग्रुप पर नकेल कसने के लिए सेंट्रलाइज फोर्स रखा जा रहा है ताकि किसी भी जिले में स्प्लिंटर ग्रुप की गतिविधि दिखाई दे तो उसपर कार्रवाई की जा सके।

गैंगस्टर की राजदार पम्मी गिरफ्तार, हथियार व पैसा का करती थी इंतजाम

RANCHI : छत्तीसगढ़ पुलिस ने झारखंड एटीएस की मदद से कुख्यात गैंगस्टर अमन साहू गिरोह की महिला सदस्य पम्मी को गिरफ्तार

किया है। पम्मी कुख्यात आकाश राय की पत्नी है। पम्मी अमन साहू गिरोह के गुर्गों को हथियार, पैसा व अन्य तरह की मदद मुहैया कराती थी। झारखंड एटीएस व कई राज्यों की पुलिस की जांच में यह स्पष्ट हो गया है कि कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई व अमन साहू मिलकर काम कर रहे हैं। लॉरेंस व बिश्नोई के गुर्गे भी दोनों गिरोह के लिए काम कर रहे हैं।

अमन साहू के भाई आकाश से एनआईए कर रही पूछताछ

PHOTON NEWS RANCHI : राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) जेल में गैंगस्टर अमन साहू के भाई आकाश साहू से पूछताछ कर रही है। एनआईए ने बीते छह अगस्त को आकाश साहू को गिरफ्तार किया था। इसके बाद एजेंसी उसे पांच दिनों की रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रही है। सूत्रों ने शनिवार को बताया कि एनआईए ने जांच में पाया है कि आकाश, शंकर यादव और अन्य के साथ अमन साहू के लिए जबरन वसूली के पैसे को ठिकाने लगाने में सक्रिय रूप से शामिल था। आकाश ने जबरन वसूली से एकत्र किये गये

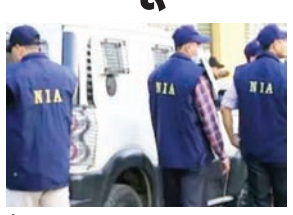

पैसों को रियल एस्टेट में निवेश करने के लिए शंकर के साथ शामिल हो गया था। एनआईए की जांच के अनुसार, आकाश अमन साहू गिरोह के कई महत्वपूर्ण सदस्यों को पैसे के साथ-साथ अन्य सहायता प्रदान कर रहा था। अमन साहू गिरोह झारखंड में पुलिस अधिकारियों और जेल कर्मचारियों पर गोलीबारी सहित कई अपराधों में शामिल रहा है।

शेखर सहित तीन पर ईडी ने दायर की चार्जशीट

RANCHI : रांची जमीन घोटाले मामले में ईडी ने जमीन माफिया शेखर कुशवाहा सहित तीन पर शनिवार को पीएमएलए की विशेष अदालत में चार्जशीट दायर कर दिया है। शनिवार की दोपहर जमीन घोटाला मामले के अनुसंधानकर्ता ईडी के डिप्टी डायरेक्टर देवव्रत झा ने चार्जशीट दायर किया। आपको बता दें कि जिन तीन लोगों पर चार्जशीट दायर किया गया है उनमें से मात्र शेखर कुशवाहा को एजेंसी के द्वारा गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के अनुसार जिन अन्य दो आरोपियों को एजेंसी ने चार्जशीट किया है उनकी गिरफ्तारी अब तक नहीं हो पाई है।

होटवार जेल में छापा, खैनी समेत कई आपत्तिजनक सामान बरामद

PHOTON NEWS RANCHI : उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा के नेतृत्व में शनिवार की सुबह बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा, होटवार में छापेमारी की गयी। मिली जानकारी के अनुसार जेल में यह नियमित मासिक निरीक्षण था। इस दौरान सभी वार्ड एवं बैरक की सघन जांच की गई। पुलिस-प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस जवानों ने जेल के अंदर प्रत्येक वार्ड और सेल की गहन जांच की। छापेमारी के दौरान गांजा, खैनी, गुटखा और एक पेन ड्राइव बरामद किया गया। इस पर विधिसम्मत कार्रवाई करते हुए मुकदमा दर्ज किया जा रहा है।

छापामारी के लिए जेल पहुंची पुलिस टीम। ● फोटोन न्यूज

इसके अलावा अन्य किसी तरह का आपत्तिजनक सामग्री बरामद नहीं किया गया। छापामारी के दौरान रसोई, अस्पताल, मुलाकाती कक्ष, खेल का मैदान, पुस्तकालय, योग/ध्यान केंद्र, डेयरी, साबुन बनाने की इकाई आदि का भी निरीक्षण किया गया। एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा के साथ छापेमारी दल में पुलिस अधीक्षक (नगर) राजकुमार मेहता, अनुमंडल पदाधिकारी उत्कर्ष कुमार, पुलिस उपाधीक्षक प्रकाश सोय, कार्यपालक दंडाधिकारी संजय कुमार एवं 200 पुलिस जवान शामिल थे।

26 व 27 अगस्त को होगा आयोजन, बनाई गई है आयोजन समिति

अल्बर्ट एक्का चौक पर होगा जन्माष्टमी उत्सव

PHOTON NEWS RANCHI : श्री कृष्ण जन्मोत्सव समिति, रांची के सान्निध्य में 26- 27 अगस्त को अल्बर्ट एक्का चौक, मेन रोड में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव बड़े धूम धाम से मनाया जाएगा। श्री कृष्ण जन्मोत्सव समिति के संरक्षक सह रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ व संरक्षक अजय मारू, विधायक सीपी सिंह एवम समिति के अध्यक्ष मुकेश काबरा ने इस संबंध में माहेश्वरी भवन में शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी दी। संजय सेठ ने बताया कि पूर्व में महाराष्ट्र जैसे राज्य में कृष्ण जन्माष्टमी के मौके पर दही हांडी प्रतियोगिता का आयोजन होता था। इसके बाद उन्होंने सीपी सिंह और अजय मारू के साथ रांची में भी इसके आयोजन के लिए पहल की। 2011 से इसका

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव को लेकर बैठक करते रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ व अन्य। ● फोटोन न्यूज

आयोजन लगातार हो रहा है। अब तो कई संगठनों के साथ साथ गांवों, स्कूलों में भी इसका आयोजन होने लगा है। ऐसे आयोजन सनातन धर्म की विरासत हैं। इसे संरक्षित करने और प्रोत्साहन देने की जरूरत है। ऐसे आयोजनों से शहर जिंदा होता है, समाज में सब एक दूसरे से जुड़ते हैं। श्री सेठ ने बताया कि इस बार भगवान श्रीकृष्ण को 51 तरह के मोटे अनाजों का भोग लगाया जायेगा। कारगिल विजय दिवस के पच्चीसवें साल के मौके पर एक विशेष झांकी भी निकाली जाएगी। उन्होंने हर घर तिरंगा कार्यक्रम में भी लोगों को बढ चढकर भाग लेने की अपील की। मुकेश काबरा ने मौके पर बताया कि 26 अगस्त को झांकी प्रतियोगिता के साथ महोत्सव का उद्घाटन होगा। बाल कृष्ण की झांकी में 10 वर्ष तक के बच्चे, बच्चियां भाग ले सकेंगे। उद्घाटन कार्यक्रम में राज्यपाल संतोष गंगवार और असम के सीएम हिमंता विस्वा सरमा को भी इसमें शामिल होने को आमंत्रित किया गया है। 27 अगस्त को दही हांडी के अलावा भजन संध्या का भी आयोजन होना है। दही हांडी के लिए एक लाख, 51 हजार और 21 हजार रुपए का पारितोषिक रखा गया है। आयोजन का विस्तार भी किया गया है। आयोजन की सफलता के लिये सदस्यों के बीच कार्यों का वितरण कर उनको विभागीय जिम्मेवारी दी गयी है। इसमें संरक्षक रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, संरक्षक विधायक सी पी सिंह, पूर्व सांसद अजय मारू हैं।स्वागत समिति में पुनीत पोद्दार, जवाहर तनेजा, संजीव विजयवर्गीय, चंद्रकांत रायपत, छवि बिरमानी, राजीव चटर्जी, ललित केजरीवाल, मुकेश मुक्ता, विजय अग्रवाल, शिशिर रावत, प्रकाश धेलिया, प्रतीक मोर, पवन बजाज, मनीष साहू, राम कुमार कुँवर हैं। संयोजक कुणाल आजमानी, महासचिव रविन्द्र मोदी, सचिव, रमेन्द्र कुमार, कोषाध्यक्ष राम बांगड़ हैं। इसी तरह से अन्य समितियां बनायी गयी हैं।

पुलिस ने टीएसपीसी के एक नक्सली को किया गिरफ्तार

RANCHI : राजधानी की मैक्लुस्कीगंज थाना पुलिस ने प्रतिबंधित नक्सली संगठन तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमेटी (टीएसपीसी) के एक नक्सली को गिरफ्तार किया है। डीएसपी अमर कुमार पांडेय ने शनिवार को बताया कि गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि मैक्लुस्कीगंज थाना के वारंटी बद्रीनाथ गंझु अपने घर में आया हुआ है और किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में हैं। सूचना के बाद एक टीम का गठन किया गया। टीम ने बद्रीनाथ गंझु के घर की घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। डीएसपी ने बताया कि बद्रीनाथ गंझु टीएसपीसी संगठन के सक्रिय सदस्य है। प्रतिबंधित टीएसपीसी संगठन के एरिया कमांडर सुरज लोहरा उर्फ बलबन्त जी दस्ता के अपराधिक क्षेत्र पिपरवार, टंडवा, खलारी, मैक्लुस्कीगंज क्षेत्र में सक्रिय कई अपराधिक घटना को अंजाम दे चुके है।

छात्रों की समस्याओं को दूर करे यूनिवर्सिटी : अभिषेक

परीक्षा नियंत्रक को मांगपत्र सौंपते आजसू के सदस्य। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : शनिवार को युवा आजसू का एक प्रतिनिधिमंडल रांची महानगर संयोजक अभिषेक शुक्ला के नेतृत्व में रांची यूनिवर्सिटी के परीक्षा नियंत्रक एवं सीसीडीसी से मुलाकात की। छात्र-छात्राओं की समस्या से अवगत कराते हुए मांगपत्र सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में बिपिन कुमार यादव, मनजीत, प्रियांशु, विशाल कुमार यादव,रोशन नायक, सुमित कुमार, संजीव कुमार, सचिन कुमार, मृणाल, बसंत के अलावा युवा आजसू के कई सदस्य मौजूद थे। अभिषेक शुक्ला ने कहा कि जी-ई सत्र 17-20 और 18-21 के छात्र-छात्राओं की जो परीक्षा दो माह पहले हुई थी, उसका रिजल्ट प्रकाशित किया गया। 50 प्रतिशत से ज्यादा छात्र-छात्राओं को फेल कर दिया गया है। अभिषेक शुक्ला ने परीक्षा नियंत्रक से आग्रह किया कि इन सभी छात्र-छात्राओं को एक मौका और दिया जाए, ताकि शिक्षा के क्षेत्र में वे आगे बढ़ सकें।

समाचार सार

हेमंत सरकार के खिलाफ भाजपा ने निकाली रैली

CHAKRADHARPUR : हेमंत सरकार के खिलाफ भाजपा ने शनिवार को जगन्नाथपुर में रैली निकाली। इसका नेतृत्व कर रहे पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा ने कहा कि झामुमो ने गत विधानसभा चुनाव में जो भी वादे किए थे, पूरा नहीं किया। हेमंत सोरेन ने 5 लाख युवाओं को नौकरी देने और नौकरी नहीं देने की स्थिति में स्नातक छात्रों को 5000 एवं स्नातकोत्तर छात्रों को 7000 रुपये बेरोजगारी भत्ता देने का वादा किया था। आज पांच वर्ष बीतने को हैं, लेकिन झामुमो व कांग्रेस की गठबंधन सरकार न तो युवाओं को नौकरी दे सकी, न बेरोजगारी भत्ता। इससे पूर्व मधु कोड़ा ने जगन्नाथपुर के भाजपा कार्यालय में पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर घंटा बजाओ सरकार जगाओ कार्यक्रम के तहत 17 अगस्त को अनुमंडल कार्यालय में धरना कार्यक्रम पर चर्चा की। इसी क्रम में जगन्नाथपुर में पदयात्रा निकाली, जिसमें काफी कार्यकर्ता शामिल हुए।

पेड़-पौधों की देखभाल बच्चों की तरह करें : जोबा माझी

CHAKRADHARPUR : सांसद जोबा माझी ने कहा कि पेड़-पौधों से ही मानव जीवन आबाद है। यदि पृथ्वी पर पेड़-पौधे नहीं रहेंगे, तो पृथ्वी वीरान हो जाएगी। हमें पेड़ पौधे लगाकर बच्चों की तरह इसको पालना चाहिए। सांसद शनिवार को पश्चिमी सिंहभूम जिला स्थित सोनुवा प्रखंड के हाड़ीमारा गांव में सामाजिक वानिकी प्रमंडल चाईबासा के तत्वावधान में 75वें वन महोत्सव कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। इस मौके पर वन प्रमंडल पदाधिकारी राजेंद्र प्रसाद सिंह, कुंदरूगुट के वन क्षेत्र पदाधिकारी शंकर भगत, बुधना राम, आसनतलिया की मुखिया सुप्रिया बोदरा, संतोष मिश्रा, ग्रामीण मुंडा कृपा सिंधु महतो, कौशल महतो, चंदन होनहागा, वनरक्षी दुबराज माझी, गणेश सोय, सुरेश प्रसाद महतो, अभिषेक राम, पूनम बिरूवा, सुषमा बानरा, रवि बोदरा, मतवा सामाड, गुरूचरण बारी, बाबूराम सामाड, राजेश मरांडी समेत ग्रामीण व उत्क्रमित उच्च विद्यालय हाड़ीमारा के बच्चे उपस्थित रहे।

गिरिडीह में युवती ने की आत्महत्या

GIRIDIH : नगर थाना क्षेत्र के कोलडीहा में स्वर्गीय अनिल केसरी की पुत्री रिया कुमारी (21) ने आत्महत्या कर ली। घटना शुक्रवार देर रात की है। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। मृतका के भाई दीपक केसरी ने पुलिस को बताया कि दोपहर में खाना खाने के बाद वह अपनी मिठाई की दुकान पर चला गया। अंधेरा होने के बाद जब वह वापस ऊपर के कमरे में आया तो देखा कि उसकी बहन रिया ने आत्महत्या कर ली है।

सावन महोत्सव में बीएड की छात्राओं ने मचाया धमाल

JAMSHEDPUR : कदमा स्थित डीबीएमएस कॉलेज ऑफ एजुकेशन में शनिवार को सावन महोत्सव मनाया गया, जिसमें विभिन्न कॉलेज की छात्राओं ने गीत, संगीत व नृत्य से धमाल मचा दिया। इसमें पुष्प श्रृंगार में विनीता कुमारी हांसदा (डीबीएमएस), जया सिंह राजपूत (श्रीनाथ कॉलेज) व अंजली शर्मा (वीमेंस यूनिवर्सिटी), छत्र कला में प्रिया बोइपाई, (डीबीएमएस), मम्पी गोप व पूनम नंदी (श्रीनाथ कॉलेज) और विकास कुमार प्रमाणिक व प्रकाश लोहार क्रमशः श्रेष्ठ रहे, जबकि सावन क्वीन नेहा निशाद (डीबीएमएस) चुनी गई। इसी तरह नृत्य प्रतियोगिता में ममता महाराणा, सुरेश सिंह, गोवाई गागराई, लक्ष्मी मार्डी, पूजा पांडे व स्नेहा कुमारी को प्रथम, शिखा महतो, वंदना वैशाली, पूजा ठाकुर, सपना, हर्षिता व नुपुर भट्टाचार्जी को द्वितीय पुरस्कार मिला। कार्यक्रम का उद्घाटन डीबीएमएस कॉलेज की पैट्रन भानुमती नीलकंठन, सचिव श्रीप्रिया धर्मराजन और उप प्राचार्या डॉ.मोनिका उप्पल ने किया। अमृता चौधरी और उनकी छात्राओं ने कजरी सुनाई। प्रतियोगिता के निर्णायक थे अनिता साहू, पुरुषोत्तम कुमार, रिशिता रॉय व उमा शास्त्री।

खूंटी में आज से शुरू होगा डीके भारत का जादू

KHUNTI : जाने-माने जादूगर डीके भारत 11 अगस्त से खूंटी क्लब परिसर में जादू दिखायेंगे। इसका उद्घाटन अनुमंडल पदाधिकारी अनिकेत सचान रविवार को अपराह्न 6.45 बजे करेंगे। अगले दिन सोमवार से हर दिन दोपहर एक बजे, अपराह्न चार बजे और शाम सात बजे से जादू के करतब दिखाए जाएंगे। यह जानकारी जादूगर डीके भारत ने शनिवार को खूंटी क्लब में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी।

गुमला के ज्वेलर्स शॉप लूटकांड में शामिल थे सभी आरोपी

जेजेएमपी के पूर्व एरिया कमांडर समेत दो अरेस्ट

गिरफ्तार नक्सलियों के बारे में जानकारी देते पुलिस अधिकारी। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS PALAMU : नक्सली एवं उग्रवादी संगठन से जुड़े लोग अब आपराधिक गिरोह के साथ जुड़कर लूट की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। यह खुलासा पलामू पुलिस की कार्रवाई में हुआ है। झारखंड के गुमला के ज्वेलर्स शॉप में 30 जुलाई को कुख्यात अपराधी मोनू सोनी के साथ मिलकर लूटपाट करने वाले प्रतिबंधित नक्सली संगठन जेजेएमपी के एरिया कमांडर रहे ललन भुइयां उर्फ अर्जुन जी उर्फ अर्जुन सिंह को उसके एक साथी वीरेन्द्र भुइयां के साथ गिरफ्तार किया गया है। उनके पास से एक लोहे का बना पिस्टल, पांच जिंदा कारतूस और एक लूटी गयी मोटरसाइकिल बरामद की गयी है। ललन पर पलामू एवं लातेहार जिले के थानों में चार आपराधिक मामले दर्ज हैं जबकि वीरेन्द्र पर तीन मुकदमे दर्ज हैं। इनकी गिरफ्तारी से फिलहाल हुई दो घटनाओं का उदभेदन हुआ है। ललन भुइयां (30) निवासी ग्राम दुलसुलमा सतबरवा, वीरेन्द्र भुइयां (23) निवासी ग्राम धावाटॉड़ चकरभोंगा चैनपुर के रहने वाले हैं। जिले के पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने शनिवार को बताया कि सूचना प्राप्त हुई कि चैनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बरांव चढ़नवा मोड़ के पास से जेजेएमपी के पूर्व एरिया कमांडर एवं वर्तमान में पलामू के चैनपुर, रामगढ़, पांकी, सतबरवा, सदर थाना एवं लातेहार के गारू थाना के विभिन्न कांडों में वांछित कुख्यात अपराधकर्मी ललन भुइयां उर्फ अर्जुन जी उर्फ अर्जुन सिंह एवं उसके सहयोगी वीरेन्द्र भुइयां किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में हैं। सदर मेदिनीनगर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मणिभूषण प्रसाद के निर्देश पर चैनपुर के थाना प्रभारी के नेतृत्व में एक छापेमारी दल का गठन कर तत्काल आवश्यक करते हुए ललन भुइयां उर्फ अर्जुन जी उर्फ अर्जुन सिंह एवं उसके सहयोगी वीरेन्द्र भुइयां को एक लोडेड अवैध पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में अभियुक्तों ने गुमला थाना क्षेत्र अंतर्गत कनक ज्वेलर्स में अन्य सहयोगियों के साथ हथियार के बल पर लूट करने का प्रयास एवं डंडा थाना क्षेत्र अंतर्गत दो सहयोगियों के साथ फायरिंग कर अपाची मोटरसाइकिल लूट की घटना करने की बात स्वीकार की।

चार बदमाशों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

रेलवे यार्ड में स्क्रैप चुनने गईं लड़कियों से दुष्कर्म

पुलिस गिरफ्त में दुष्कर्म के आरोपी। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RAMGARH : जिले के बरकाकाना रेलवे स्टेशन पर सीसीएल के रेलवे यार्ड में स्क्रैप चुनने गई आदिवासी लड़कियों को हवस का शिकार बनाया गया था। इसकी जानकारी रामगढ़ एसपी अजय कुमार ने शनिवार को प्रेस कांफ्रेंस के दौरान दी। उन्होंने बताया कि यह घटना 21 जुलाई को घटी थी लेकिन लड़कियों ने डर से घर में इसकी जानकारी नहीं दी। एसपी ने बताया कि बीते शुक्रवार को जब एक लड़की की तबीयत खराब हुई और वे लोग चिकित्सक के पास गए तो उन्हें पूरा मामला समझ में आया। इसके बाद लड़कियों ने माता-पिता को पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। फिर उनके माता-पिता बरकाकाना ओपी पहुंचे। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आजाद बस्ती निवासी साजन गोराई, अमित कुमार सिंह, प्रवीण कुमार और राजा कुमार सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया। बताया गया है कि बिरहोर और मल्होर जाति की तीनों बच्चियां सीसीएल के रेलवे यार्ड में स्क्रैप चुन रही थीं।

मानगो में तीन साल की बच्ची का वैन चालक ने किया यौन शोषण

JAMSHEDPUR : मानगो में मानवता को शर्मशार करने वाली घटना हुई है। यहां तीन साल की एक बच्ची के साथ स्कूल वैन चालक द्वारा यौन शोषण करने का मामला प्रकाश में आया है। हालांकि शिकायत के बाद पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को हिरासत में ले लिया । दरअसल मामला तब उजागर हुआ, जब शुक्रवार को बच्ची स्कूल से घर आई और अपने गुप्तांग में दर्द होने की बात कही। थोड़ी देर बाद बच्ची ने अपनी मां को बताया कि वैन वाले अंकल ने उसका कपड़ा खोलकर गंदी हरकत की। इसके बाद बच्ची की मां ने भाजपा नेता विकास सिंह को दी। सूचना पाकर विकास सिंह ने पुलिस को जानकारी दी। पीड़िता के परिजनों ने पुलिस को बताया कि बच्ची मानगो के एक स्कूल में नर्सरी में पढ़ती है। शुक्रवार को मामले की जानकारी होने पर वैन मालिक से शिकायत की, तो पहले तो वैन के मालिक ने कहा कि कुछ दिनों पहले उसका साला गांव से आया है। वही वैन चला रहा है, उसे माफ कर दीजिए। दूसरी बार फोन करने पर वैन मालिक ने गालीगलौज शुरू कर दी।

रोड बना रही कंपनी से पांडे गिरोह ने मांगी रंगदारी, एक गिरफ्तार

गिरफ्तार आरोपी के बारे में जानकारी देते पुलिस अधिकारी। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RAMGARH : जिले में पांडे गिरोह के सदस्य एक बार फिर ठेकेदारों को निशाना बना रहे हैं। भुरकुंडा ओपी क्षेत्र के पटेल नगर में पीसीसी रोड का निर्माण कर रही कंपनी से भी अपराधियों ने लेवी मांगी। इस मामले में पांडे गिरोह के सक्रिय सदस्य आलोक राज को गिरफ्तार किया गया है। इसकी जानकारी शनिवार को प्रेस कांफ्रेंस के दौरान रामगढ़ एसपी अजय कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि 31 जुलाई को ही पीसी रोड निर्माण कार्य के दौरान बाइक से पांच अपराधी वहां पहुंचे थे। वे लोग विकास तिवारी गैंग के सक्रिय सदस्य थे। उन लोगों ने साफ तौर पर कहा कि जब तक रंगदारी नहीं दोगे, काम नहीं कर सकते। इस मामले में भुरकुंडा ओपी में कांड संख्या 204/24 दर्ज किया गया। साथ ही पतरातू एसडीपीओ वीरेंद्र राम के नेतृत्व में एसआईटी का का गठन किया। एसआईटी ने छापेमारी के दौरान पतरातू थाना क्षेत्र के जयनगर सौंदा डी निवासी 19 वर्षीय आलोक राज को गिरफ्तार किया है। उसने इस कांड में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। साथ ही अन्य अपराधियों के नाम पते भी बताए। पांडे गिरोह के सक्रिय सदस्य और विकास तिवारी के कहने पर पटेल नगर में हो रहे पीसीसी रोड के निर्माण कार्य को इन लोगों ने बंद करवाया था। साथ ही मजदूरों के साथ मारपीट की घटना की थी। इस मामले में एक अन्य अपराधी आनंदपुरी को गिद्दी पुलिस के द्वारा गिरफ्तार किया गया है।

पूजा के बहाने मंदिर पहुंचा युवक, चुराई बजरंग बली की अष्टधातु की मूर्ति

SAHIBGANJ : साहिबगंज जिले के जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र स्थित सोतीचौकी खुटहरी में शनिवार की सुबह राम मंदिर से एक अष्टधातु से बनी बजरंग बली की मूर्ति चोरी का मामला सामने आया है। जानकारी के मुताबिक पुजारी भरत लाल पट खोलने के लिए मंदिर पहुंचे। उसी दौरान बाईक सवार तीन युवक मंदिर के पास पहुंचे। एक युवक पूजा करने के बहाने मंदिर के अंदर घुसा और बजरंग बली की मूर्ति को चोरी कर लिया। उसी वक्त उसका एक अन्य साथी पुजारी को अपनी बातों में उलाझाये रखा। तीसरा युवक बाइक पर ही उनका इंतजार कर रहा था। मंदिर के पुजारी भरत लाल मंडल को जब मूर्ति के चोरी होने की आहट मिली तो उन्होंने आवाज देकर ग्रामीणों को इकट्ठा किया। इसके बाद कई ग्रामीणों ने उन चोरों को पकड़ने के लिए उनके पीछे दौड़े, भागने के क्रम में दो चोर पकड़ा गया। उनके साथ वारदात को अंजाम देने वाले एक अन्य साथी फरार हो गये।

मेगा विधिक शिविर व गरिमा सम्मेलन का हुआ आयोजन

दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ करते अतिथि। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS LOHARDAGA : जिला विधिक सेवा प्राधिकार और जेएसएलपीएस के संयुक्त बैनर तले सदर प्रखंड परिसर स्थित नए टाउनहॉल में मेगा विधिक सशक्तिकरण शिविर सह गरिमा सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार अरविंद कुमार पांडेय, प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय सुभाष, उपायुक्त सह उपाध्यक्ष डालसा डा बाघमारे प्रसाद कृष्ण, डालसा सचिव राजेश कुमार, डीपीएम अनिता केरकेट्टा ने किया। वहीं लोहरदगा जिले के सभी प्रखंडों में आयोजित शिविर में पांच करोड़ से अधिक परिसंपतियों का वितरण किया गया। इसमें पीएम आवास योजना अंतर्गत 10 लाभुकों के बीच 13 लाख रुपए, जेएसएलपीएस द्वारा स्वरोजगार के लिए 88 लोगों के बीच 262 लाख रुपए, कृषि विभाग द्वारा 10 पावर स्पेयर और 12 पंपसेट, जिला उद्योग केन्द्र द्वारा प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना अंतर्गत 6 लाभुक के 31.04 लाख रुपए, श्रम विभाग द्वारा 210 लाभुकों के बीच 5.5 लाख रुपए, जिला आपूर्ति शाखा द्वारा 20 नए राशन कार्ड, समाज कल्याण विभाग द्वारा 35 लाभुकों के बीच 4.88 लाख रुपए, पशुपालन विभाग द्वारा पशुधन योजना अंतर्गत 10 लाभुकों के बीच 2.51 लाख रुपए लाभुकों के बीच वितरण किया गया।

तय समय पर फाइलेरिया का होगा खात्मा : बन्ना

संवाद करते मंत्री बन्ना गुप्ता।

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : फाइलेरिया मुक्त अभियान के तहत स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने शनिवार को केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री प्रताप राव जाधव के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से डीसी ऑफिस स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में झारखंड सरकार की तैयारियों की जानकारी दी। मंत्री ने ने एमडीए प्लान-2024 के बारे में बताया कि झारखंड के कुल 9 जिलों चतरा, दुमका, गोड्डा, हजारीबाग, जामताड़ा, लातेहार, पलामू, सरायकेला एवं पश्चिमी सिंहभूम में अभियान चलाया जाएगा। इसमें कुल 1 करोड़ 41 लाख 37 हजार 2 28 लोग की कुल आबादी है, जिसमें हमने 1 करोड़ 24 लाख 40 हजार 760 लोगों को दवा देने का लक्ष्य है। हमलोगों ने कुल 1 हजार 777 स्वास्थ्य केंद्र बनाए हैं, जिसके तहत 14 हजार 95 गांव को चिह्नित कर प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों के माध्यम से 3 करोड़ 11 लाख दवा देने की योजना बनाई है। मंत्री ने बताया कि यह रोग आमतौर पर गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों को होता है, इसलिए मैं मांग करता हूं कि प्रभावित जिलों में जल्द से जल्द प्रधानमंत्री आवास बनाने का लक्ष्य पूर्ण करें। इस अवसर पर एसीएमओ जोगेश्वर प्रसाद व जिला फायलेरिया अधिकारी ए मित्रा भी उपस्थित थे।

घर से 1.481 किग्रा गांजा पुलिस ने किया बरामद

GARHWA : गढ़वा के रमना इलाके में स्थित एक घर से पुलिस ने गांजा बरामद किया है। वही गांजा कारोबारी आरोपी को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि रमना थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति अपने घर पर गांजा की खरीद बिक्री करता है। सूचना पर श्रीवंशीधर नगर एसडीपीओ के नेतृत्व में छापेमारी दल रमना थाना क्षेत्र के मानदोहर गांव स्थित जितेन्द्र पाठक के घर पर छापामारी किया। छापामारी के क्रम में 1.481 किग्रा गांजा पुलिस ने बरामद किया। वही गांजा खरीद-बिक्री करने वाले आरोपी जितेन्द्र पाठक को गिरफ्तार किया। इस संबंध में रमना थाना (कांड सं0-106/2024) में प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

फाइलेरिया उन्मूलन अभियान की उपायुक्त ने की शुरुआत

पश्चिमी सिंहभूम जिला में 15 लाख से अधिक लोगों को दवा खिलाने का लक्ष्य

कार्यक्रम में शामिल छात्र-छात्राएं। ● फोटोन न्यूज

CHAKRADHARPUR : पश्चिमी सिंहभूम जिला में शनिवार को फाइलेरिया उन्मूलन अभियान शुरू हुआ, जिसकी शुरूआत उपायुक्त कुलदीप चौधरी ने स्वयं दवा खाकर की। चाईबासा स्थित टाटा कॉलेज के बिरसा मुंडा सभागार में उपायुक्त ने सभी से फाइलेरिया से बचाव के लिए निर्धारित खुराक लेने का आह्वान किया। महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि फाइलेरिया की रोकथाम के लिए आवश्यक है कि हम सभी जिलावासी 10 से 25 अगस्त तक संचालित इस महाअभियान का हिस्सा बनें। फाइलेरियारोधी दवा डी.ई.सी, अल्बेंडाजोल एवं आइवरमेक्टीन की निर्धारित खुराक का सेवन करें। यहां उपस्थित सभी छात्र-छात्राएं स्वयं भी इसका सेवन करें तथा अपने गांव, क्षेत्र में रह रहे अपने पड़ोसियों को भी दवा लेने के लिए प्रोत्साहित करें। उपायुक्त ने कहा कि जिला में लक्षित 15,36,180 लाभुकों के लिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से 5017 प्रशिक्षित दवा प्रशासक द्वारा निर्धारित बूथ पर एवं 481 पर्यवेक्षकों द्वारा घर-घर जाकर मुफ्त दवा खिलाई जाएगी। इस अवसर पर सिविल सर्जन, सदर चाईबासा अनुमंडल पदाधिकारी, सहायक समाहर्ता, भी.बी.डी पदाधिकारी सहित अन्य उपस्थित रहे।

सरयू राय की अध्यक्षता में मोहरदा पेयजल परियोजना फेज-2 को लेकर हुई अहम बैठक

भुवनेश्वरी मंदिर व बिरसानगर में बनेगी पानी टंकी

अधिकारियों के साथ बैठक करते विधायक सरयू राय। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : मोहरदा पेयजल परियोजना फेज-2 के तहत पानी की दो टंकियां बनाई जाएंगी ताकि लोगों को समय से गुणवत्तायुक्त पेयजलापूर्ति हो सके। पानी की एक टंकी भुवनेश्वरी मंदिर के समीप और दूसरी टंकी बिरसानगर स्थित जीएसआर पानी टंकी के समीप बनाई जाएगी।

एक नया वाटर ट्रीटमेंट प्लांट और नया इंटेकवेल के निर्माण पर भी चर्चा हुई। जेएनएसी कार्यालय में हुई इस बैठक की अध्यक्षता सरकारी उपक्रमों संबंधी समिति के सभापति और जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय ने की। पानी टंकी बन जाने से 500 परिवारों के हजारों लोगों को नियमित जल मिलने लगेगा। बैठक में विधायक ने कहा कि पानी टंकियों का शिलान्यास 27 अगस्त को कर दिया जाए, जिसे मान लिया गया। बैठक में बताया गया कि भुवनेश्वरी मंदिर के समीप जो पानी की टंकी बनेगी, उसकी क्षमता 2.4 लाख केएल होगी। दूसरी टंकी, जो बिरसानगर स्थित जीएसआर पानी टंकी के समीप बनाई जाएगी, उसकी क्षमता 1.2 लाख केएल होगी। उन्होंने कहा कि जुस्को और जेएनएसी संयुक्त रुप से जल जागरुकता अभियान चलाना चाहिए, ताकि लोग जागरुक हो सकें। उन्होंने बताया कि बैठक में बिरसानगर जोन नंबर 8 के मोची बस्ती, सुगना कालोनी, जोन नंबर 3, लालटांड़, बागुनहातु, बारीडीह, बागुननगर, मोहरदा, बिरसानगर दासपाड़ा, माछपाड़ा, डुंगरीऊपर आदि क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति के लिए पाइपलाइन बिछाने का कार्य अगले 15 दिनों में शुरू हो जाएगा। बैठक में विधायक ने कहा कि क्षेत्र में गुणवत्तायुक्त पेयजलापूर्ति सुबह 8 बजे तक हो जाए, इसके लिए योजना बना कर काम करने की आवश्यकता है। विधायक बनने से पूर्व पूर्वी विधानसभा क्षेत्र में एक टाइम और वह भी अनियमित जलापूर्ति होती थी। अब दो टाइम पानी नियमित रुप से मिल रहा है। हालांकि कई क्षेत्रों में सुबह का पानी दोपहर 12 से एक बजे के बीच पहुंच रहा है। राय का कहना था कि इससे इलाके के लोगों को तकलीफ हो रही है। अधिकारी इसका संज्ञान लें। जलापूर्ति को हर हाल में रूटीन टाइम पर लाना है, ताकि लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी रत्ती भर भी प्रभावित न हो। बैठक में उपनगर आयुक्त कृष्ण कुमार, जुस्को के महाप्रबंधक आरके सिंह, जुस्को के वाटर डिवीजन के चीफ संजीव झा, कंसल्टेंट कंपनी बेस्कोप के प्रतिनिधि, विधायक के निजी सचिव सुधीर सिंह के अलावा जेएनएसी और जुस्को के अफसर मौजूद रहे।

सात किलोमीटर बिछाई जाएगी पाइपलाइन

बैठक में यह तय किया गया कि दो पानी टंकी के निर्माण के साथ ही अन्य सभी पानी टंकी की मरम्मत की जाएगी। इतना ही नहीं, पानी टंकियों के चारों तरफ चारदीवारी का भी निर्माण कराया जाएगा। सात किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछाई जाएगी। इन सभी कार्यों पर 8 करोड़ रुपये का खर्च आएगा।

कर्जदारों से बचने के लिए बनाई फायरिंग की झूठी कहानी

JAMSHEDPUR : उलीडीह थाना अंतर्गत हयात नगर में कर्जदारों से बचने के लिए एक युवक ने खुद पर फायरिंग की झुठी कहानी रच डाली। इतना ही नहीं, युवक ने पुलिस को एक खोखा भी बरामद करा दिया, जिससे पुलिस को उसकी कहानी सच लगे। हालांकि जांच के दौरान पुलिस को मामला पेचीदा लगा, जिसके बाद पुलिस ने कड़ाई से पूछताछ की तो युवक ने सारे राज उगले और पुलिस को हथियार भी सौंप दिया। दरअसल मानगो उलीडीह स्थित हयात नगर निवासी शादाब पेशे से टेंट हाउस का काम करता है। उस पर लाखों का कर्ज हो गया था। कर्जदार लगातार उसपर रुपये देने का दबाव बना रहे थे, जिस कारण उसने यह कदम उठाया। शादाब ने बताया कि उसने बाजार से लाखों रुपये उधार ले रखे थे और एक व्यक्ति को रुपये दिए थे। वह व्यक्ति उसे रुपये नहीं लौटा रहा था। कर्जदार भी रुपयों के लिए दबाव बना रहे थे। इसके बाद उसने प्लान बनाया ताकि कर्जदार रुपये मांगना बंद कर दे।

इंस्पायर अवार्ड योजना में दो छात्राओं का हुआ चयन

● पूर्वी सिंहभूम जिले के पटमदा प्रोजेक्ट कन्या उच्च विद्यालय की हैं दोनों छात्राएं

चयनित छात्राएं। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : इंस्पायर अवार्ड योजना विज्ञान के क्षेत्र में नवाचार प्रेरित अनुसंधान के लिए किया जाता है। इसके लिए पूर्वी सिंहभूम जिले से पटमदा प्रोजेक्ट कन्या उच्च विद्यालय की दो छात्राओं का चयन किया गया है। इन दोनों छात्राओं ने कक्षा 9 में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा संचालित इंस्पायर अवार्ड योजना में 2023 24 में ऑनलाइन के माध्यम से भाग लिया था। इसमें नवाचार के रूप में दोनों का एक-एक आइडिया चयनित किया गया था। इसआइडिया को बढ़ाने और मॉडल बनाने के लिए भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा राशि दी जाती है। पटमदा प्रखंड से चयनित बालिकाओं में रुक्मिणी महतो के पिता का नाम पशुपति महतो व माता का नाम नेपाली तथा बिर्रा पंचायत से बबीता रोहिदास के पिता का नाम उत्तम व माता का नाम बसंती है। इन्होंने सारा श्रेय अपनी प्रधानाध्यापिका सह विज्ञान की शिक्षिका डॉ. प्रियंका झा और अरविंद कुमार को दिया है। खुद प्रधानाध्यापिका जिला स्तर पर विज्ञान के क्षेत्र में कार्य कर रही हैं।

BRIEF NEWS

राजद जिलाध्यक्ष मनीष ने की तेजस्वी से मुलाकात

ARARIYA : अररिया राजद जिलाध्यक्ष मनीष यादव ने नेता प्रतिपक्ष व बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव से सरकारी आवास पर पहुंच कर औपचारिक मुलाकात की । उन्होंने अररिया जिला संगठन के विषय सहित कई मुद्दों पर चर्चा की । इस संदर्भ में मनीष यादव ने बताया कि आगामी विधानसभा चुनाव 2025 को ध्यान में रखते हुए मैंने उनसे पंचायत, प्रखंड व जिले के स्तर पर कुछ जरूरी बदलाव की अनुमति मांगी है। मैंने बड़े हीं अदब व विनम्रता से कुछ महत्वपूर्ण सुझाव भी रखे जिसको लेकर उनका सकारात्मक भाव रहा। संगठन में अनुशासन और अन्य कई विषयों को लेकर मैंने उनका ध्यान आकृष्ट कराया। मेरी इन बातों को हमारे नेता ने गंभीरता से लिया है। उन्होंने बताया की जल्द ही तेजस्वी यादव बिहार के विभिन्न विधानसभा दौरे पर निकलने वाले हैं और उम्मीद है कि अगले महीने अररिया का कार्यक्रम भी तय होगा।

नालंदा में वज्रपात से किसान की मौत

BIHARSARIF : नालंदा जिले के वेन थानाक्षेत्र के लालगंज खंधा में शनिवार की सुबह वज्रपात से एक किसान की मौत हो गयी। मृतक की पहचान लालगंज गांव निवासी 35 वर्षीय किसान राजबल्लम प्रसाद के रूप में की गयी है। घटना की जानकारी देते हुए पास में मवेशी चरा रहे लोंगों ने बताया कि उक्त किसान वारीश से बचने के लिए पेड़ के निकट छिप गये थे। वहीं पर वज्रपात की चपेट में आ जाने से पूरा शरीर झुलस गया और तत्काल ही घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गयी। इस संबंध में मृतक के परिवार नें बताया कि शनिवार कि सुबह खेत में खाद देने के लिए खाद लाने बाजार जा रहे थे कि रास्ते में अचानक यह हादसा हुआ और उनकी मौत हो गयी। घटना की जानकारी वेन थाना पुलिस को दी गयी । घटना की सूचना पर वेन थाना पुलिस घटनास्थल पर जाकर स्थिती की जायजा लेते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बिहारशरीफ भेज दिया है।

कलेजे पर लात रख धार्मिक नारा लगाने पर किया मजबूर

MUZAFFARPUR : बिहार के मुजफ्फरपुर में एक सनसनीखेज वीडियो वायरल हो रहा है। इससे पुलिस डिपार्टमेंट में हड़कंप मचा है। एक समुदाय के युवकों द्वारा दूसरे समुदाय के एक लड़के की विशेष धार्मिक नारा लगाने के लिए न सिर्फ बेरहमी के साथ पिटाई की गई बल्कि उसके कलेजे और गले पर लात रखकर जान मारने की कोशिश की गई। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। अन्य कई चिन्हित किए गए हैं जिनकी तलाश जारी है। पुलिस का कहना है कि यह मामला गंभीर प्रकृति का है. जल्द ही सबको पकड़ लिया जाएगा। लाइव हिंदुस्तान इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता। मुजफ्फरपुर के सिटी एएसपी भानु प्रताप सिंह ने बताया कि वायरल वीडियो की जांच कराई गई। पहले इसे शरारत बताया जा रहा था। लेकिन जांच में इस सत्य पाया गया।

आपसी रंजिश में घटना को दिया गया अंजाम, बेटे की हालत नाजुक

बेगूसराय में ट्रिपल मर्डर, पति पत्नी व बेटी की गला रेतकर हत्या

AGENCY BEGUSARAI : बिहार के बेगूसराय में ट्रिपल मर्डर की सनसनीखेज वारदात से कोहराम मच गया है। मरने वाले एक ही परिवार के हैं। हत्यारे ने घर में सो रहे पति, पत्नी और बेटी को मौत के घाट उतार दिया। एक बेटे को मारने की कोशिश की जो गंभीर रूप से घायल है। घटना बछवाड़ा थाना क्षेत्र के रसीदपुर पंचायत के चक्का वार्ड संख्या 12 की है। बछवाड़ा पुलिस मौके पर पहुंच मौके पर पहुंचकर छानबीन में जुट गई है। मृतक के घर पर आस पास के कई गांवों के लोग जुट जाने से काफी भीड़ जमा हो गई है। परिवार को लोगों का रो रोकर बुरा हाल है। जानकारी के मुताबिक बेगूसराय के बछवाड़ा में सोए हुए अवस्था में पति- पत्नी और मासूम बच्ची को अज्ञात हत्यारे ने धारदार हथियार से काट दिया। बताया जाता है कि पूरा परिवार खाना कर सो गया था। देर रात उनका गला और सिर कुचल दिया गया। यह भी कहा जा रहा है कि गले को काटा गया है। घटना स्थल पर काफी खून पसरा है। बदमाशों ने मृतक के बेटे को भी मारने की कोशिश की। उसकी हालत नाजुक है। गांव वालों ने उसे स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया है जहां इलाज चल रहा है। धारदार भारी हथियार से सिर कुचलकर उन्हें मारा गया है। घटना स्थल रसीदपुर पंचायत के चक्का वार्ड संख्या-12 में स्थित उनका घर है। मृतकों की पहचान कर ली गई है। मरने वालों में सजीवन सिंह, साल, उनकी पत्नी संजीता देवी, 32 साल और उनकी पुत्री सपना, 8 साल शामिल हैं। घायल पुत्र अंकुश की उम्र मात्र छह साल है। स्थानीय तौर पर चर्चा है कि हत्या को पुरानी रंजिश में अंजाम दिया गया है। उन्हें मारने वाले भी स्थानीय ही हैं। हत्या के कारण और हत्यारे की पहचान को लेकर पुलिस फिलहाल कुछ नहीं बता रही है। बछवाड़ा पुलिस सिर्फ इतना ही बता रही है कि जल्द ही कांड का उद्वेदन कर लिया जाएगा।

घटना के बाद विलाप करते परिजन।

एक ही घर में सोया था पूरा परिवार

परिजनों के मुताबिक संजीवन महतो अपने परिवार के साथ घर में सोया हुआ था, तभी सोए अवस्था में अपराधियों ने घर में घुसकर धारदार हथियार से पति-पत्नी और दोनों बच्चों का गला रेत दिया। इस घटना में पति-पत्नी और बेटी की मौत हो गई है। फिलहाल इस घटना की सूचना स्थानीय लोगों ने बछवाड़ा थाना पुलिस को दी। बछवाड़ा थाने की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

केंद्र सरकार ने जारी किए ₹ 3651 करोड़

स्पेशल पैकेज की पहली किस्त के तहत ₹5532 करोड़ मंजूर

AGENCY PATNA : केंद्र सरकार ने आम बजट में बिहार को विभिन्न योजनाओं के लिए विशेष पैकेज देने की घोषणा की है। विशेष पैकेज में से अब केंद्र सरकार ने पहली किस्त की राशि मंजूर कर दी है। बिहार को 5532 करोड़ की राशि विभिन्न योजनाओं के लिए मंजूरी दी है। केंद्र सरकार ने आम बजट में बिहार के सड़क प्रोजेक्ट के लिए 26000 करोड़ के पैकेज की घोषणा की है। इसके अलावा 21000 करोड़ पावर प्लांट के लिए घोषणा की गई है। बिहार के लिए स्वीकृति 5532 करोड़ रुपये की योजनाओं में से 3651 करोड़ की राशि जारी कर दी गयी है।

विशेष पैकेज के तहत पहली किस्त में 5532 करोड़ मंजूरः केंद्र सरकार की ओर से बिहार के लिए मंजूर की गई 5532 करोड़ की

राशि में से विभिन्न विभागों के लिए राशि इस प्रकार से है। सड़क निर्माण के लिए 1500 करोड़, ग्रामीण सड़क के लिए 1500 करोड़, शिक्षा विभाग के लिए 500 करोड़, ऊर्जा विभाग के लिए 700 करोड़, जल संसाधन विभाग के लिए 332 करोड़, स्वास्थ्य विभाग के लिए 700 करोड़ और लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के लिए 300 करोड़ की राशि मंजूर की गई है। योजनाओं के लिए मंजूर की गई राशि किस्तों में जारी की जाएगी।

पानी में डूबा श्मशान, लकड़ी से शव जलाना बंद

गंगा में उफान से पटना के सभी घाट हुए लबालब

AGENCY PATNA : गंगा नदी में उफान आने से बिहार की राजधानी पटना के लगभग सभी घाट लबालब हो गए हैं। गुलबी घाट स्थित श्मशान के पानी में डूब जाने से नीचे की ओर लकड़ी जलाकर शवों का अंतिम संस्कार बंद हो गया है। गंगा का जलस्तर बढ़ने से इस घाट का निचला हिस्सा पूरी तरह डूब गया है। हालांकि, विद्युत शवदाह गृह का काम चल रहा है। नगर निगम के अधिकारियों ने शुक्रवार को गुलबी घाट का जायजा लिया और अंतिम संस्कार के लिए आने वाले लोगों को सावधानी बरतने को कहा। बक्सर से लेकर मुंगेर तक गंगा नदी का पानी लगातार बढ़ रहा है। हाथीदह में जहां गंगा खतरे के निशान को पार कर गई है, वहीं

पटना के श्रीपालपुर में पुनपुन नदी भी उफान पर है। गंगा में उफान से पटना में दीघा से दीदारगंज तक सभी घाट पानी से लबालब हैं। पटना के दियारा इलाके में बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। निचले इलाके में बनी झोपड़ियों के अंदर पानी घुस गया है। खेतों में फसलें पानी में डूब गई हैं। दियारा की सभी पंचायतों में नाव चलाने की मांग की गई है। राहत की बात यह है कि उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में गंगा का जलस्तर घटने लगा है।

20 सूत्री कमेटी का गठन, बीजेपी-जदयू के अलावा एलजेपी(आर) व 'हम' के नेताओं को भी मिली जगह

AGENCY PATNA : मुख्यमंत्री नीतीश सरकार ने सभी 38 जिलों में 20 सूत्री समिति का गठन कर दिया है। शुक्रवार देर रात कैबिनेट विभाग ने जिलावार अधिसूचना जारी कर दी है। जिलों के प्रभारी मंत्री अध्यक्ष बनाए गए हैं। वहीं एनडीए सरकार में शामिल बीजेपी, जेडीयू, हम और एलजेपीआर के जिला अध्यक्षों को उपाध्यक्ष बनाया गया है। हर जिला समिति में एक अध्यक्ष और दो उपाध्यक्ष समेत कुल 25 सदस्य मनोनीत किए गए हैं। जिले के सभी लोकसभा और राज्यसभा सांसद, विधायक, विधान पार्षद, जिला परिषद के अध्यक्ष और नगर निगम के महापौर इसके पदेन सदस्य बनाए गए हैं। वहीं सभी जिले के डीएम इसके सचिव होंगे।

20 सूत्री की बैठक में शामिल सीएम नीतीश कुमार, डिप्टी सीएम व मंत्री।

सम्राट चौधरी बने पटना जिला समिति के अध्यक्ष

पटना में उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी जो प्रभारी मंत्री हैं, उन्हें पटना जिला 20 सूत्री समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। अशोक कुमार और अभिषेक कुमार को उपाध्यक्ष बनाया गया है। पटना जिला समिति में अध्यक्ष समेत 25 सदस्य बनाए गए हैं।

विजय कुमार सिन्हा को मिली भोजपुर की कमान

भोजपुर जिला समिति का अध्यक्ष उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा को बनाया गया है, जबकि संजय कुमार सिंह और दुर्गा राज उपाध्यक्ष बनाए गए हैं। वैशाली 20 सूत्री जिला समिति के अध्यक्ष विजेंद्र प्रसाद यादव को बनाया गया है। वहीं सुभाष चंद्र सिंह और प्रेम सिंह कुशवाहा को उपाध्यक्ष बनाया गया है।

प्रेम कुमार को मिला नवादा का जिम्मा: सीतामढ़ी जिला समिति का अध्यक्ष मंत्री अशोक चौधरी को बनाया गया है, जबकि सत्येंद्र सिंह कुशवाहा और मनीष गुप्ता को उपाध्यक्ष बनाया गया है। मंत्री नितिन नवीन को कैमूर जिला 20 सूत्री का अध्यक्ष बनाया गया है। अनिल कुशवाहा और मनोज जायसवाल को उपाध्यक्ष बनाया गया है। मंत्री जयंत राज को रोहतास जिला समिति का अध्यक्ष बनाया गया है, वहीं अजय कुमार सिंह और सुशील चंद्रवंशी को उपाध्यक्ष बनाया गया है। नवादा जिला 20 सूत्री समिति का अध्यक्ष मंत्री प्रेम कुमार को बनाया गया है तो मुकेश विद्यार्थी और अनिल मेहता को उपाध्यक्ष बनाया गया है। मंत्री विजय कुमार सिन्हा को मुजफ्फरपुर जिला समिति का भी अध्यक्ष बनाया गया है। रामबाबू सिंह देव और रंजन कुमार को उपाध्यक्ष बनाया गया है।

लेसी सिंह बनीं मधुबनी जिला समिति अध्यक्ष: मंत्री विजय कुमार चौधरी को पूर्णिया जिला का अध्यक्ष तो प्रकाश कुमार सिंह और राकेश कुमार को उपाध्यक्ष बनाया गया है। मंत्री संतोष कुमार सुमन को औरंगाबाद 20 सूत्री जिला अध्यक्ष बनाया गया है तो अशोक कुमार सिंह और मुकेश कुमार शर्मा को उपाध्यक्ष बनाया गया है। विजय कुमार चौधरी को नालंदा जिला का भी अध्यक्ष बनाया गया है, वहीं मोहम्मद मशरूर अहमद जुबेरी और रवि शंकर को उपाध्यक्ष बनाया गया है। मंत्री लेसी सिंह को मधुबनी 20 सूत्री का अध्यक्ष बनाया गया है तो वहीं श्री नारायण भंडारी और शंकर झा को उपाध्यक्ष बनाया गया है।

डायन के आरोप में महिला के साथ हैवानियत, सिर मुंडवाया

मुंह पर कालिख पोती, जूते-चप्पल की माला पहनाकर पूरे गांव में घुमाया

AGENCY E.CHAMPARAN : बिहार के बगहा में डायन होने के आरोप में महिला के साथ बेरहमी से मारपीट गई है। 57 वर्षीय आदिवासी महिला का सिर मुंडवा दिया है। उसके चेहरे पर कालिख पोतकर गांव में घुमाया गया है। वहीं, घटना का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने एक्शन लेते हुए 10 नामजद समेत दर्जनों अज्ञात लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की है। हालांकि अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

ये मामला पश्चिम चंपारण जिले के सेमरा थाना क्षेत्र के एक गांव का है। जहां भीड़तंत्र ने न केवल तालिबानी फरमान सुनाया, बल्कि उसे सख्ती से लागू भी कराया। पंचायत के फैसले के बाद लोगों ने महिला के साथ क्रूरता और मानवता की सारी हदें पार कर दी। ग्रामीणों ने महिला का बाल मुंडवाकर उसके चेहरे पर कालिख पोत दी। गले में जूता-चप्पल और झाड़ू लटकाकर ढोल-नगाड़े के साथ पूरे गांव में घुमाया। यह घटना 2 अगस्त की बताई जा रही है, जिसका वीडियो अब तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि पीड़ित महिला के पति ने 5 अगस्त को सेमरा थाना में गांव के ही 10 लोगों को नामजद अभियुक्त बनाते हुए कार्रवाई की मांग की है। महिला के पति ने बताया कि गांव के 10 लोग 1 अगस्त को रात्रि 8 बजे मेरे घर पर आए और डायन बिसाही का आरोप लगाकर मारपीट और गाली-गलौज की। ग्रामीणों का इससे भी मन नहीं भरा तब 2 अगस्त की सुबह 7 बजे भीड़ के साथ मेरे घर पर आए और मेरी पत्नी के साथ अत्याचार किया। इस घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है। वहीं, पीड़ित परिवार की शिकायत के बाद पुलिस मामले की जांच-पड़ताल में जुट गई है। इस बारे में बगहा एसपी सुशांत सरोज ने बताया, 'महिला द्वारा प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। वीडियो की जांच-पड़ताल भी कर ली गई है। शीघ्र ही आरोपियों की गिरफ्तारी कर ली जाएगी। फिलहाल गांव में माहौल ना बिगड़े, इसके लिए पुलिस की टीम गांव में तैनात है।

- 57 साल की आदिवासी महिला को बनाया निशाना
- 10 नामजद समेत दर्जनों अज्ञात पर प्राथमिकी दर्ज
- सेमरा थाना क्षेत्र के एक गांव की घटना

चिराग फैक्टर नहीं होता तो तेजस्वी को 30 सीटें ही मिलतीं : प्रशांत किशोर

PATNA : बिहार में जन सुराज पार्टी बनाकर 2025 का विधानसभा चुनाव लड़ने का ऐलान करने वाले प्रशांत किशोर ने कहा है कि उनका मुकाबला सिर्फ एनडीए से है। 2020 के विस चुनाव का जिक्र करते हुए पीके ने कहा कि अगर पिछली बार चिराग पासवान फैक्टर नहीं होता तो तेजस्वी यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) को इतनी सीटें नहीं मिलती। उन्होंने दावा किया कि बिहार में अब आरजेडी को कोई फैक्टर नहीं रह गया है। अगले साल होने वाला विधानसभा चुनाव नीतीश कुमार के एनडीए और जन सुराज के बीच ही लड़ा जाएगा। चुनावी रणनीतिकार रहे जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने शुक्रवार को एक इंटरव्यू में कहा कि एनडीए का एक टायर नीतीश कुमार हैं। उनकी जेडीयू पहले से ही पंचर है और उसमें स्टेपनी जैसे 2-4 स्टेपनी जैसे छोटे दल साथ लगे हैं।

रिकाबगंज में पलटी नाव, दो महिलाओं की हालत गंभीर, अधिक लोग थे सवार

घटनास्थल पर जुटी लोगों की भीड़।

AGENCY PURNIYA : पूर्णिया जिले के के नगर थाना क्षेत्र के बेला रिकाबगंज पंचायत के रनका घाट पर प्रशासनिक उदासीनता के कारण लोगों की जान जोखिम में डालनी पड़ रही है। आजादी के बाद से अब तक यहां पुल का निर्माण नहीं हुआ, जिसके चलते कम पानी में चचरी पुल और ज्यादा पानी होने पर नाव ही आवागमन का एकमात्र साधन बना हुआ है। यह सब तब है जब जिला मुख्यालय से यहां की दूरी मात्र 5 किमी है। इसी कुप्रबंधन का नतीजा है कि आज 10 अगस्त को एक नाव पलट गई। जिले के के। नगर प्रखंड के बेला रिकाबगंज पंचायत के रनका घाट पर सौरा नदी में नाव हादसा हुआ। बताया जाता है कि नदी के उस पार के लोग रोजाना काम की तलाश में एवं दैनिक कार्य हेतु पूर्णिया आते हैं। नाव पर क्षमता से अधिक लोग और वाहन लदे होने के कारण बीच नदी में नाव डूब गयी। सभी लोग और बाइक नदी में गिर गयी। घटना को देख स्थानीय गोताखोरों ने एक एक कर सभी लोगों को बाहर निकाला। मिली जानकारी के अनुसार 2 महिलाओं की हालत गंभीर है। बताया जाता है कि जबतक उनको बाहर निकाला गया उनलोगों ने ज्यादा पानी पी लिया था। जिस वजह से वो बेहोश हो गई थी। आनन फानन में लोगों ने उसका प्राथमिक उपचार किया। हालत में सुधार नहीं होता देख स्थानीय डॉक्टर के पास ले जाया गया, वहां उनका इलाज चल रहा है।

तेजस्वी की राजनीतिक यात्रा समाप्त : नित्यानंद

PATNA : केंद्रीय गृह राज्य मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता नित्यानंद यादव ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर करारा हमला किया है। पटना पहुंचे नित्यानंद राय ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि उनकी राजनीतिक यात्रा समाप्त हो गई है इसलिए नई यात्रा पर निकल रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने राजेंद्र

सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बेटे पर नीतीश सरकार में डिप्टी सीएम रहते 6 विभागों में लूट मचाने का आरोप लगाया है। उन्हें वक्फ बोर्ड सशोधन विधेयक और एससी आरक्षण में क्रिमी लेयर पर भी बयान दिया। उन्होंने दावा किया चार विधानसभा के उपचुनाव में सभी सीटों पर एनडीए की जीत होगी। नित्यानंद राय पटना पहुंचे तो उन्होंने मीडिया के साथ खुलकर बात की। जब उनसे पूछा गया कि तेजस्वी यादव यात्रा निकाल रहे हैं। इस पर उन्होंने जवाब दिया कि राजद नेता की राजनीतिक यात्रा लगभग समाप्त हो गई है।

2022 में पूरी होनी थी परियोजना, अभी तक नहीं हुआ टेंडर

जमीन ने रोका बिहटा एयरपोर्ट का सपना

AGENCY PATNA : बिहटा एयरपोर्ट से आसमानी उड़ान की ख्वाहिश पर जमीन का ग्रहण लगा हुआ है। पटना, गया एवं दरभंगा के बाद बिहार में हवाई सेवाओं के लिए चौथे हवाई अड्डे के रूप में बिहटा एयरपोर्ट की परियोजना बनी थी।

आलम यह है कि जिस परियोजना को 2022 में ही पूरा करने का लक्ष्य था, वहां अब तक एक ईंट भी जोड़ी नहीं जा सकी है। निर्माण के पीछे आठ एकड़ जमीन का पेच फंसा हुआ है। पटना जिला प्रशासन का कहना है कि जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया चल रही है, जल्द ही भूमि दे दी जाएगी। दूसरी ओर, एयरपोर्ट प्रशासन का कहना है कि बिना जमीन के निर्माण कैसे होगा। निर्माण में देरी की वजह से 800 करोड़ की यह परियोजना अब 1453 करोड़ की हो गई है। दरअसल, एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया पटना जिला प्रशासन से इस आठ एकड़ जमीन के भौतिक रूप से हस्तांतरण के इंतजार में है। ऐसे में न तो अब तक निर्माण से संबंधित टेंडर जारी हुआ है न ही एयरपोर्ट के निर्माण का काम अब तक शुरू हुआ है।

108 एकड़ जमीन पूर्व में दे चुकी है बिहार सरकार : पटना डीएम डॉ. चंद्रशेखर सिंह ने बताया कि बिहटा में एयरपोर्ट के निर्माण और विस्तारीकरण के लिए पूर्व में ही 108 एकड़ जमीन अधिग्रहित कर एयरपोर्ट प्रशासन को दी जा चुकी है। 18 एकड़ में स्टेट हैंगर के निर्माण के लिए भी जमीन अधिग्रहण का काम पूरा हो चुका है। इसके अतिरिक्त आठ एकड़ जमीन की मांग की गई थी। जमीन अधिग्रहण का काम जारी है। इसे जल्द ही एएआई को सौंपा जाएगा। जमीन की वजह से निर्माण का काम नहीं रुका हुआ है। डीएम ने कहा कि रनवे विस्तार के लिए भी अलग से 191 एकड़ जमीन की मांग की गई थी। इस जमीन पर एक गांव बसा हुआ है। गांव को विस्थापित कर वहां के लोगों का पुनर्वास कठिन है, लेकिन एयरपोर्ट अथॉरिटी की ओर से आठ एक-ड़ जमीन मांगी गई थी जिस जल्द ही उपलब्ध करा देंगे। बता दें कि पटना जिले के बिहटा में प्रस्तावित नए एयरपोर्ट की सालाना यात्री क्षमता 25 लाख होगी। दूसरे चरण में इस क्षमता को बढ़ाकर 50 लाख किया जाएगा। टर्मिनल भवन के सामने 10 विमानों की पार्किंग की जा सकेगी। एयरपोर्ट पर तीन कन्वियर बेल्ट भी बनाए जाने हैं।

एयरपोर्ट निर्माण के लिए जमीन जरूरी : निदेशक

इस मामले में पटना स्थित लोकनायक जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा के निदेशक अंचल प्रकाश ने कहा कि एयरपोर्ट प्रशासन ने आर्किटेक्चर के लिए कसल्टेंसी का चयन कर लिया है। टेंडर की प्रक्रिया अभी नहीं हुई है। टर्मिनल भवन एवं अन्य निर्माण के लिए आठ एकड़ जमीन मांगी गई थी जो अभी जमीन एएआई को नहीं मिल सकी है। टर्मिनल भवन के निर्माण से जुड़ा टेंडर एएआई की ओर से केंद्रीय स्तर पर किया जाना है।

मिशन थानाध्यक्ष बालमुकुंद की संदिग्ध स्थिति में मौत

SHEKHPURA : शेखपुरा जिले से एक बड़ी खबर सामने आ रही है, जहां एक थाना अध्यक्ष की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। घटना बरबीघा

प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत मिशन थाना क्षेत्र की है। जिसके थानेदार बालमुकुंद राय की शुक्रवार की देर रात संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई है और शव बरबीघा थाना में के एक कमरे में पाया गया। 50 वर्षीय बालमुकुंद राय की मौत के बाद पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस के वरीय पदाधिकारी और कई थानों के थानाध्यक्ष घटनास्थल पर पहुंच गए। जहां से शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए शेखपुरा सदर अस्पताल भेजा गया। घटना के बाद परिजनों को जानकारी दी गई है। परिजन शेखपुरा के लिए रवाना हो गए है। वहीं घटना की जानकारी मिलते ही शेखपुरा एसपी बलिराम चौधरी, डीएसपी अरविंद कुमार सिन्हा की पहुंच गए।

विशेष राज्य के दर्जे की मांग को लेकर कांग्रेस करेगी आंदोलन

AGENCY PATNA : केंद्र सरकार ने साफ कर दिया है कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा नहीं दिया सकता है। इसके बाद से विपक्ष नीतीश सरकार और केंद्र की मोदी सरकार पर हमलावर है। एक तरफ आरजेडी की ओर से लगातार सवाल उठाए जा रहे हैं तो, वहीं अब कांग्रेस ने भी आंदोलन करने का ऐलान किया है। बिहार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि विशेष राज्य के दर्जे की मांग को लेकर पूरे बिहार में चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि पहले चरण में 12 अगस्त को सभी जिला में कांग्रेस पीसी होगी। 13 अगस्त और 14 अगस्त को पूरे बिहार में सभी प्रखंड मुख्यालय पर कांग्रेस पार्टी धरना देगी। दूसरे चरण में आंदोलन को लेकर बाद में रूपरेखा तैयार की जाएगी।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने स्वीकार किया कि कांग्रेस के शासनकाल में यदि कोई गलती हुई है तो उसे भी स्वीकार किया जाएगा। लेकिन कांग्रेस की सरकार की उस समय की स्थिति और इस समय की स्थिति बहुत अलग है। बिहार में जितने भी कारखाने शुरू हुए, वह कांग्रेस के शासनकाल में शुरू हुए। 2004 से 2014 तक भी बिहार में कई कारखाना खोला गया। बिहार का जिस समय बंटवारा हुआ था उस समय 1 लाख 80 हजार करोड़ रु के विशेष पैकेज की घोषणा की गई थी लेकिन वह पूरा नहीं हो सका।

- कांग्रेस के कार्यकाल में सूबे में हुआ काम : अखिलेश

मनु ने लौटाया शूटिंग का स्वर्णिम दौर

पेरिस ओलंपिक के आठवें दिन भारत का प्रत्येक व्यक्ति ओलंपिक में पहला स्वर्ण पदक जीतने की उम्मीद लगाए बैठा था और ये उम्मीदें टिकी थी भारत की मिरेकल गर्ल मनु भाकर पर। पूरी उम्मीद थी कि मिरेकल गर्ल मनु भाकर ओलंपिक में अपनी ऐतिहासिक हैट्रिक पूरी करते हुए इस स्पर्धा में भी भारत को स्वर्ण पदक दिलाने में कामयाब हो सकती हैं लेकिन इस बार वह पदक जीतने से थोड़ा सा चूक गई और महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा के फाइनल में 40 में से 28 शॉट्स लगाने के साथ चौथे स्थान पर रही और इसी के साथ पेरिस ओलंपिक में मेडल की हैट्रिक लगाने का उनका सपना भी अधूरा रह गया। दरअसल तीसरे और चौथे स्थान के शूटर के बराबर प्वाइंट थे। इसके बाद मनु और हंगरी की मेजर वेरोनिका के बीच शूटऑफ हुआ, जिसमें मनु केवल तीन निशाने ही लगा पाई जबकि हंगरी की शूटर ने चार बार टारगेट को हिट किया और उसी के साथ मनु पदक की रेस से बाहर हो गई। पेरिस ओलंपिक के आठवें दिन मनु का लक्ष्य ओलंपिक में एक नया इतिहास रचना था लेकिन वह पदक हासिल करने से मामूली सी पीछे रह गई। वूमेन्स 25 मीटर पिस्टल के फाइनल में हार के बाद मनु का कहना था कि उनके ऊपर इस इवेंट को लेकर काफी दबाव था। हालांकि 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में मिली इस हार के बावजूद भारत की इस इकलौती निशानेबाज ने वो खुशियां और गर्व के पल देश को दिए हैं, जिसकी ओलंपिक शुरू होने के समय तक शायद किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। मनु ने भारत के लिए पेरिस ओलंपिक में तीन अलग-अलग शूटिंग स्पधाओं में हिस्सा लिया और तीनों में ही उन्होंने अपने बेहतरीन प्रदर्शन से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत को गौरवान्वित किया। 3 अगस्त को जब मनु वूमेन्स 25 मीटर पिस्टल के फाइनल में खेलने उतरी तो हर नजर उन्हीं के प्रदर्शन पर केंद्रित थी। भले ही वह यह मुकाबला हार गई लेकिन कुल तीन शूटिंग स्पधाओं में से उन्होंने अपने जोश और जज्बे के साथ दो में कांस्य पदक जीतकर भारत में शूटिंग के सुनहरे दौर को वापस लाने में बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। मनु की ही बदौलत भारत ने पहली बार शूटिंग में किसी एक ओलंपिक सीजन में तीन मेडल हासिल किए हैं। विभिन्न घरेलू और अंतरराष्ट्रीय शूटिंग स्पर्धा में अनेक पदक जीतने के बाद एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतकर मनु ने ऐसा अविस्मरणीय इतिहास रचा, जो उनके अलावा ओलंपिक के 124 वर्षों के इतिहास में अब तक भारत का कोई भी अन्य एथलीट नहीं कर पाया। पेरिस ओलंपिक में मनु ने जिस तरह का जबरदस्त प्रदर्शन किया और अपने मैचों के दौरान जिस प्रकार का धाकड़ खेल दिखाया, उसी के कारण उन्हें अब मनु भाकर के साथ-साथ मनु धाकड़ भी कहा जाने लगा है। मनु से पहले कोई भी पुरुष या महिला एथलीट एक ही ओलंपिक में दो मेडल जीतने में सफल नहीं हुआ है। देश की आजादी से बहुत पहले ब्रिटिश मूल के भारतीय खिलाड़ी नॉर्मन प्रिचार्ड ने 1900 में आयोजित हुए ओलंपिक में 200 मीटर फरार्टा और 200 मीटर बाधा दौड़ में कुल दो रजत पदक जीतकर एक ही ओलंपिक में दो मेडल जीतने का रिकॉर्ड बनाया था और उम्मीद थी कि मनु 124 साल पुराने उस रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ सकती हैं लेकिन मिरेकल गर्ल मनु भाकर की ओलंपिक में ऐतिहासिक हैट्रिक पूरी नहीं हो पाई। हालांकि पहला कांस्य पदक जीतने के साथ ही वह ओलंपिक के इतिहास में भारत के लिए निशानेबाजी में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला शूटर बन गई थी और उस पदक के साथ ही मनु ने शूटिंग में भारत के पदक के 12 वर्ष के सूखे को भी खत्म किया था। मनु से पहले 2012 के लंदन ओलंपिक में गगन नारंग और विजय कुमार ने शूटिंग में एक-एक पदक जीते थे। ओलंपिक के 124 वर्ष के इतिहास में मनु से पहले भारत को शूटिंग में केवल 4 पदक ही नसीब हुए थे। शूटिंग में 2004 के एथेंस ओलंपिक में राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने रजत पदक जीता था, उसके बाद 2008 के बीजिंग ओलंपिक में अभिनव बिंद्रा ने स्वर्ण पदक भारत के नाम किया और 2012 के लंदन ओलंपिक में विजय कुमार ने रजत और गगन नारंग ने कांस्य पदक जीता था। ओलंपिक में मनु ने अपना पहला पदक 28 जुलाई 2024 को 10 मीटर एयर पिस्टल शूटिंग के महिला वर्ग में जीता था। उस शूटिंग स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक में पदक हासिल करने वाली वह पहली भारतीय खिलाड़ी बनी थी। उसके बाद 30 जुलाई को मनु ने सरबजोत सिंह के साथ मिलकर 10 मीटर एयर पिस्टल के मिक्स्ड टीम इवेंट में कांस्य पदक जीता और उस जीत के साथ ही वह एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई थी। एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतकर वह सुशील कुमार और पीवी सिंधु को भी पीछे छोड़ चुकी हैं। दरअसल ओलंपिक इतिहास में मनु से पहले यही दो ऐसे भारतीय खिलाड़ी थे, जिन्होंने एकल स्पर्धा में दो पदक जीते थे लेकिन उन्होंने अपने पदक एक ही ओलंपिक में नहीं बल्कि अलग-अलग ओलंपिक में जीते थे। सुशील कुमार ने 2008 और 2012 के ओलंपिक में कुश्ती में जबकि स्टार शटलर पीवी सिंधु ने 2016 और 2020 में एक-एक पदक जीते थे। बहरहाल, देश के लिए एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली मनु भाकर पर पूरे देश को गर्व है। ओलंपिक में अपने धाकड़ प्रदर्शन से मनु ने 140 करोड़ भारतवासियों का दिल जीता है।

बड़े जनजातीय नरसंहार के स्मरण का शोक

ANALYSIS

प्रवीण गुगनानी

वस्तुतः 09 अगस्त का यह दिन अमेरिका, जर्मनी, स्पेन सहित समस्त उन पश्चिमी देशों में वहां के बाहरी आक्रमणकारियों द्वारा पश्चाताप, दुःख व क्षमाप्रार्थना का दिन होना चाहिए। इस दिन यूरोपियन आक्रमणकारियों को उन देशों के मूल निवासियों से क्षमा मांगनी चाहिए जिन मूलनिवासियों को उन्होंने बर्बरतापूर्वक नरसंहार करके उन्हें उनके मूलनिवास से खदेड़ दिया था और नगर छोड़कर सुदूर जंगलों में बसने को विवश कर दिया था। पश्चिमी बौद्धिक जगत का प्रताप देखिए कि हुआ ठीक इसका उल्टा। उन्होंने इस दिन का स्वरूप, मंतव्य व आशय समूचा ही उलटा कर दिया और आश्चर्य यह कि हम भारतीय भी इस थोथे विमर्श में फंस गए। इस इंडीजेनस डे का हमसे तो कोई सरोकार ही नहीं है। यदि जनजातीय दिवस मनाना ही है तो हमारे पास भगवान बिरसा मुंडा से लेकर टंट्या मामा भील तक हजारों ऐसे जनजातीय यौद्धाओं का समृद्ध इतिहास है जिन्होंने हमारे समूचे भारतीय समाज के लिए कई गौरवमयी अभियान चलाए और भारतमाता को स्वतंत्र कराने हेतु अपने प्राणों को न्यौछावर कर दिया।

विदेशी शक्तियां भारतीय समाज को विखंडित करने के लिए मूलनिवासी दिवस का उपयोग कर रही हैं। नौ अगस्त, वस्तुतः पश्चिमी साम्राज्यवादियों द्वारा किए गए बड़े और बर्बर नरसंहार का दिन है। इस शोक दिवस को उसी पीड़ित व दमित जनजातीय समाज द्वारा उत्सव व गौरवदिवस रूप में मनवा लेने का षड्यंत्र है यह। आश्चर्य यह है कि पश्चिम जगत, झूठे विमर्श गढ़ लेने में माहिर छद्म बुद्धिजिवियों के भरोसे जनजातीय नरसंहार के इस दिन को जनजातीय समाज द्वारा ही गौरव दिवस के रूप में मनवाने कुचक्र में सफल हो रहा है। वस्तुतः 09 अगस्त का यह दिन अमेरिका, जर्मनी, स्पेन सहित समस्त उन पश्चिमी देशों में वहां के बाहरी आक्रमणकारियों द्वारा पश्चाताप, दुःख व क्षमाप्रार्थना का दिन होना चाहिए। इस दिन यूरोपियन आक्रमणकारियों को उन देशों के मूल निवासियों से क्षमा मांगनी चाहिए जिन मूलनिवासियों को उन्होंने बर्बरतापूर्वक नरसंहार करके उन्हें उनके मूलनिवास से खदेड़ दिया था और नगर छोड़कर सुदूर जंगलों में बसने को विवश कर दिया था। पश्चिमी बौद्धिक जगत का प्रताप देखिए कि हुआ ठीक इसका उल्टा। उन्होंने इस दिन का स्वरूप, मंतव्य व आशय समूचा ही उलटा कर दिया और आश्चर्य यह कि हम भारतीय भी इस थोथे विमर्श में फंस गए। इस इंडीजेनस डे का हमसे तो कोई सरोकार ही नहीं है। यदि जनजातीय दिवस मनाना ही है तो हमारे पास भगवान बिरसा मुंडा से लेकर टंट्या मामा भील तक हजारों ऐसे जनजातीय यौद्धाओं का समृद्ध इतिहास है जिन्होंने हमारे समूचे भारतीय समाज के लिए कई गौरवमयी अभियान चलाए और भारतमाता को स्वतंत्र कराने हेतु अपने प्राणों को न्यौछावर कर दिया। जनजातीय व वनवासी समाज की प्रतिष्ठा, उसके रक्षण व विकास की भारत में प्राचीन परंपरा रही है। प्रकृति पूजन हमें वेदों से प्राप्त हुआ जिसके प्रति नगरीय समाज की अपेक्षा जनजातीय समाज अधिक आग्रही रहा है। जनजातीय समाज रक्षण का पात्र नहीं अपितु शेष समाज का रक्षक भी रहा है यह तथ्य भी हमें प्राचीन भारतीय परम्पराओं व लेखन से मिलता है। मूल निवासी दिवस की चर्चा करें तो ध्यान आता है कि हमारी नर्मदा घाटी ही मानव प्रजाति की जन्मदाता रही है। नर्मदा किनारे जन्मी इस सभ्यता में नगरीय व वन कंदराओं में निवास करने वाले बंधुओं का अपना-अपना महत्व था। दोनों ही समाज अपने उत्पादनों व वृत्तियों के आधार पर परस्पर निर्भरता के सिद्धांत से जीवन यापन करते हुए वैदिक धर्म को ही भिन्न रूपों में माना करते थे। शिव उपासना वैदिक धर्म का एक अविभाज्य अंग रहा है जिसे वन कंदराओं में रहने वाले जनजातीय बंधुओं ने भी आगे बढ़ाया व नगरीय समाज ने भी। वेदों, शास्त्रों, शिलालेखों, जीवाश्मों, श्रुतियों, पृथ्वी के सरंचनात्मक विज्ञान, जेनेटिक अध्ययनों आदि के आधार पर जो तथ्य सामनें आते हैं उनके अनुसार पृथ्वी पर प्रथम जीव की उत्पत्ति गोंडवाना लैंड पर हुई थी जिसे तब पेंजिया कहा जाता था। पेंजिया गोंडवाना व लारेशिया को मिलाकर बना था। गोंडवाना लैंड के अमेरिका, अफ्रीका, अंटार्कटिका, आस्ट्रेलिया एवं भारतीय प्रायद्वीप में विखंडन के पश्चात यहां के निवासी अपने-अपने क्षेत्र में बंट गए थे। जीवन का विकास सर्वप्रथम भारतीय दक्षिण प्रायद्वीप में नर्मदा नदी के तट पर हुआ जो विश्व की प्राचीनतम नदी है। मध्य प्रदेश के भीम बैठका में पाए गए पच्चीस हजार वर्ष पुराने शैलचित्र, नर्मदा घाटी में की गई खुदाई, तथा मेहरगढ़ के अलावा कुछ अन्य नृवंशीय एवं पुरातत्वीय प्रमाणों से यह सिद्ध हो चुका है कि भारत भूमि, विश्व के प्राचीनतम आदिमानव की कर्मभूमि रही है। यही आदिमानव वैदिक या सनातन संस्कृति के जन्मदाता थे। डॉ. शशिकांत भट्ट की पुस्तक नर्मदा वैली : कल्चर एंड सिविलाइजेशन में नर्मदा घाटी सभ्यता के विषय में में विस्तार से उल्लेख मिलता है। नर्मदा किनारे मानव खोपड़ी का पांच से छह लाख वर्ष पुराना जीवाश्म मिला है जो सनातन धर्म के सर्वाधिक प्राचीन धर्म होने के अकाट्य प्रमाण को वैश्विक पटल रखता है। पौराणिक ग्रंथों में जिस ह्वरेवाखंडेह्व शब्द का प्रयोग मिलता है नर्मदा संस्कृति की प्राचीनता को प्रकट करता है। इन सब तथ्यों के प्रकाश में यह प्रश्न उपजता है कि अंततः यह मूलनिवासी दिवस मनाने का चलन उपजा क्यों व कहां से ? वस्तुतः यह मूलनिवासी दिवस पश्चिम के गोरों की देन है। कोलंबस दिवस के रूप में भी मनाए जाने वाले इस दिन को वस्तुतः अंग्रेजों के अपराध बोध को स्वीकार करने के दिवस के रूप में मनाया जाता है। अमेरिका से वहां के मूल निवासियों को अतीव बर्बरता पूर्वक समाप्त कर देने की कहानी के पश्चिमी पश्चाताप दिवस का नाम है मूल निवासी दिवस। वस्तुतः इस मूलनिवासी फंडे पर आधारित यह नई विभाजनकारी रेखा एक नए षड्यंत्र के तहत भारत में लाई जा रही है जिससे भारत को सावधान रहने की आवश्यकता है। आज भारत सामाजिक समरसता के नए आयाम गढ़ रहा है व अंग्रेजों व परिवर्तन कुछ भारत विरोधी तत्वों को रास नहीं आ रहा है। इस सकारात्मक परिवर्तन के वातावरण में जहर बोने का कार्य करते हैं कुछ भारत विरोधी व विभाजनकारी लोग। मूल निवासी दिवस के एजेंडे के पीछे बहुत से ऐसे विदेशी मानसिकता के लोग खड़े हो गए हैं व भारत के भोले भाले जनजातीय समाज के मन में विभाजन के बीज बो रहे हैं। इस पूरे मामले की जड़ बाबा साहब आम्बेडकर के धर्म परिवर्तन के समय दो धर्मों; इस्लाम एवं ईसाईयत में उपजी निराशा में व कम्युनिस्टों की सोच में है। ईसाईयत व इस्लाम धर्म नहीं अपनाने को लेकर बाबा साहब के विचार सुस्पष्ट रहे हैं, उन्होंने सस्वर कहा व लिखा कि उनके अनुयायी इस्लाम व ईसाईयत से दूर रहें। किंतु आज मूलनिवासी वाद के नाम पर भारत का दलित व जनजातीय समाज एक बड़े ईसाई व इस्लामी षड्यंत्र का शिकार हो रहा है। एक बड़े और एकमुश्त धर्म परिवर्तन की आस में बैठे ईसाई धर्म प्रचारक तब बहुत ही निराश व हताश हो गए थे जब बाबासाहब आम्बेडकर ने किसी भारतीय भूमि पर जन्में व भारतीय दर्शन आधारित धर्म में जाने का निर्णय अपने अनुयाइयों को दिया था। कम्युनिस्ट विचार व ईसाई धर्म के इसी षड्यंत्र का अगला क्रम है मूलनिवासी वाद का जन्म। भारतीय दलितों व आदिवासियों को पश्चिमी अवधारणा से जोड़ने व भारतीय समाज में विभाजन के नए केंद्रों की खोज इस मूलनिवासी वाद के नाम पर प्रारंभ कर दी गई है। इस पश्चिमी षड्यंत्र के कुप्रभाव में आकर कुछ दलित व जनजातीय नेताओं ने यह कहना प्रारंभ किया कि भारत के मूल निवासियों (दलितों) को बाहरी आर्यों ने अपना गुलाम बनाकर यहां हिन्दू वर्ण व्यवस्था को लागू किया।

लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।

'चीनी' सामान भारत छोड़ो

भारतीय बाजारों में जिस प्रकार से चीनी वस्तुओं का आधिपत्य दिखाई दे रहा है, उससे यही लगता है कि देश में एक और भारत छोड़ो आंदोलन की महती आवश्यकता है। यह बात सही है कि आज देश में अंग्रेज नहीं हैं, लेकिन भारत छोड़ो आंदोलन के समय जिस देश भाव का प्रकटीकरण किया गया, आज भी वैसे ही देश भाव के प्रकटीकरण की आवश्यकता दिखाई देने लगी है। हम सभी चीनी वस्तुओं का त्याग करके चीन को सबक सिखा सकते हैं। यह समय की मांग भी है और देश को सुरक्षित करने का तरीका भी है। हम देश की सीमा पर जाकर राष्ट्र की सुरक्षा नहीं कर सकते तो चीनी वस्तुओं का बहिष्कार करके सैनिकों का उत्साह वर्धन तो कर ही सकते हैं। तो क्यों न हम आज ही इस बात का संकल्प लें कि हम जितना भी और जैसे भी हो सकेगा, देश की रक्षा के लिए कुछ न कुछ अवश्य ही करेंगे। भारत को अंग्रेजों की गुलामी से मुक्त कराने के लिए जिन महापुरुषों ने जिस स्वतंत्र भारत की कल्पना की थी, वर्तमान में वह कल्पना धूमिल होती दिखाई दे रही है। महात्मा गांधी ने सीधे तौर पर स्वदेशी वस्तुओं के प्रति देश भाव के प्रकटीकरण करने की बात कही थी, पर क्या यह भाव हमारे विचारों में दिखाई देता है। कदाचित नहीं। वर्तमान में जो राजनीतिक दल महात्मा गांधी के नाम के सहारे जिन्दा हैं। उन राजनीतिक दलों के अंदर देश भाव का अंश दिखाई नहीं देता। देश में जितने भी महापुरुष हुए हैं, सभी ने देश भाव को जन-जन में प्रवाहित किया। इसी के कारण ही अंग्रेज और अंग्रेजी मानसिकता के लोगों को भारत छोड़ने के लिए मजबूर किया गया। सभी महापुरुषों का एक ही ध्येय था कि कैसे भी हो देश में स्वदेशी भावना का विस्तार होना चाहिए, फिर चाहे हमारे दैनिक जीवन में उपयोग आने वाली वस्तुओं का मामला हो या फिर शिक्षा पद्धति का। सभी में स्वदेशी का भाव प्रकट होना चाहिए। वास्तव में देश धर्म क्या होता है, इसे जानना है तो हमें किसी सैनिक से पूछना चाहिए। वह यही जवाब देगा कि देश धर्म का मूल्य प्राण देकर भी नहीं चुकाया जा सकता। इसके लिए सुख सुविधाओं का त्याग करना पड़ेगा। सुविधाओं का त्याग करने वाला समाज ही अपनी और अपने समाज की रक्षा कर सकता है। आज जाने-अनजाने हमारे घरों में स्वदेशी की जगह विदेशी वस्तुओं ने ले ली है। चीनी वस्तुएं हमारे घरों की शोभा बन रही हैं। जरा सोचिए कि जो देश हमारे देश पर आक्रमण करने की भूमिका में दिखाई दे रहा है, उसी देश का सामान हम अपने घरों में लाकर उसको महत्व दे रहे हैं। हम अपने घर में चीनी सामान को देखकर खुश हो रहे हैं और चीन हमसे ही कमाए गए पैसे के दम पर हमारे देश को आंख दिखा रहा है। वास्तव में देखा जाए तो वर्तमान में हम मतिभ्रम का शिकार हो गए हैं। विदेशी सामान की अच्छाई के बारे में कोई झूठा भी प्रचार कर दे तो हम उस पर विश्वास कर लेते हैं, लेकिन हमें अपने ऊपर विश्वास नहीं। यह बात सत्य है कि भारत एक ऐसा देश है जहां विश्व को भी शिक्षा दी जा सकती है, लेकिन इन सबके लिए हमें अपने अंदर विश्वास जगाना होगा, तभी हम देश का भला कर सकते हैं। जनता अगर एक बार संकल्प कर ले तो वह दिन दूर नहीं, जब हम चीन को पछाड़ सकते हैं। आज चीन द्वारा निर्मित वस्तुओं का पूरी तरह से त्याग करने की आवश्यकता है। बहुत से लोग यह तर्क भी कर सकते हैं कि सरकार चीन की वस्तुओं पर रोक क्यों नहीं लगा देती? इसका एक ही उत्तर है, जब जनता विरोध करेगी तो सरकार को भी बात माननी होगी। हमें पहले इस बात का अध्ययन करना होगा कि हमारा देश गुलामी की जंजीरों में कैसे जकड़ा। इसका सीधा सा जवाब यही होगा कि हमारे देश में अंग्रेजों द्वारा संचालित की जाने वाली ईस्ट इंडिया कंपनी के उत्पादों को खरीदना प्रारंभ कर दिया। उससे स्वावलंबी भारत आर्थिक तौर से परावलंबी होता गया और देश की आर्थिक प्रगति पूरी तरह से अंग्रेजों पर निर्भर हो गई। इसके परिणामस्वरूप हम आर्थिक रूप से परतंत्र हो चुके थे। अब जरा सोचिए कि जब एक विदेशी कंपनी ने भारत को गुलाम बना दिया था, तब आज तो देश में हजारों विदेशी कंपनियां व्यापार कर रही हैं। देश किस दिशा की ओर जा रहा है। हम जानते हैं कि अंग्रेजों की परतंत्रता की जकड़न से मुक्त होने के लिए हमारे देश के महापुरुषों ने 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन का शंखनाद किया। इस आंदोलन के मूल में अंग्रेजों को भारत छोड़ने के लिए मजबूर करना था, इसके साथ ही अंग्रेजियत को भी भारत से भगाने की संकल्पना भी इसमें समाहित थी। इस आंदोलन में जहां विदेशियों के प्रति देश के जनमानस में नकारात्मक भाव जाग्रत हुआ, वहीं स्वदेशी यानी देश भक्ति की भावना का प्रकटीकरण हुआ। इस आंदोलन के सफल होने के बाद आज यह अनुमान आसानी से लगाया जा सकता है कि देश के नागरिकों में देश भाव कूट-कूट कर भरा हुआ है, लेकिन आज उसे प्रकट करने की महती आवश्यकता है। ऐसे ही आंदोलनों के चलते देश भाव को प्रकट करने के लिए विदेशी वस्तुओं की होली जलाई जाती थी। इसके पीछे एक मात्र उद्देश्य यही था कि भारतीय जन स्वदेशी भाव को हमेशा जागृत रखें और अपने देश में निर्मित सामान का ही उपयोग करें। आज के वातावरण का अध्ययन करने से पता चलता है कि आज सैकड़ों बहुराष्ट्रीय कंपनियां व्यापार के माध्यम से हमारे देश को लूट रहीं हैं। हम अनजाने में विदेशी वस्तुओं को खरीदकर अपने आपको आर्थिक गुलामी की ओर धकेल रहे हैं। इससे ऐसा लगता है कि देश में एक और भारत छोड़ो आंदोलन की आवश्यकता है। जैसा कि हम जानते हैं कि वर्तमान में भारतीय बाजार चीनी वस्तुओं से भरे पड़े हैं।

Social Media Corner

सच के हक में...

झारखंड के मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। देश के गरीबों, वंचितों और आदिवासियों के हक की लड़ाई, और उन पर होने वाले हर अन्याय के खिलाफ, इंडिया डट कर लड़ेगा और साथ जीतेगा।

(राहुल गांधी का 'एक्स' पर पोस्ट)

अपने जन्मदिन के मौके पर बीते एक साल की स्मृति मेरे मन में अंकित है - वह है यह कैदी का निशान - जो जेल से रिहा होते वक्त मुझे लगाया गया। यह निशान केवल मेरा नहीं, बल्कि हमारे लोकतंत्र की वर्तमान चुनौतियों का प्रतीक है। जब एक चुने हुए मुख्यमंत्री को बिना किसी सबूत, बिना कोई शिकायत, बिना कोई अपराध जेल में 150 दिनों तक डाल सकते हैं तो फिर ये आम आदिवासियों/दलितों/शोषितों के साथ क्या करेंगे - यह मुझे कहने की आवश्यकता नहीं है। इसलिए, आज के दिन मैं और ज्यादा कृतसंकल्पित हूँ हर शोषित, वंचित, दलित, पिछड़ा, आदिवासी, मूलवासी के पक्ष में लड़ने के अपने संकल्प को और मजबूत करता हूं। मैं हर उस व्यक्ति/समुदाय के लिए आवाज उठाऊंगा जिसे दबाया गया है, जिसे न्याय से वंचित रखा गया है, जिसे उसके रंग, समुदाय, खान पान, पहनावे के आधार पर सताया जा रहा है। हमें एकजुट होकर एक ऐसे समाज का निर्माण करना होगा जहां कानून सभी के लिए समान हो, जहां सत्ता का दुरुपयोग न हो।

(सीएम हेमंत सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)

आदर्श स्थापित कर गए बुद्धदेब भट्टाचार्य

वर्ष 2022 में पद्म पुरस्कारों की घोषणा हुई, तो उसमें पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेब भट्टाचार्य का नाम पद्मभूषण प्राप्तकर्ता के रूप में शामिल था। इसी सम्मान के लिए तब कांग्रेस में रहे गुलाम नबी आजाद के नाम की भी घोषणा हुई। भट्टाचार्य ने सम्मान लेने से यह कहते हुए इनकार कर दिया कि इसकी जानकारी उन्हें पहले से नहीं थी। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने भट्टाचार्य के बहाने अपने साथी गुलाम नबी आजाद पर व्यंग्य कसा था। उन्होंने कहा कि बुद्धदेब भट्टाचार्य ऐसे नेता हैं, जो आजाद रहना चाहते हैं, गुलाम नहीं। जयराम रमेश ने भले ही अपने साथी आजाद पर व्यंग्य किया हो, लेकिन आज लगता है कि उन्होंने जाने-अनजाने कम्युनिस्ट नेता बुद्धदेब भट्टाचार्य के व्यक्तित्व की सही प्रस्तुति कर दी थी। पश्चिम बंगाल में 34 साल तक वामपंथी शासन में से करीब 11 साल बुद्धदेब के नाम भी थे। उनके पहले 23 वर्षों तक ज्योति बसु राज्य के मुख्यमंत्री रहे। बुद्धदेब के आजाद ख्याली को इस रूप में देखा जाना चाहिए कि उन्होंने उद्योगीकरण के लिए राज्य में विदेशी पूंजी तक को आमंत्रित किया। सिंगूर में टाटा को लाने के लिए वे पहचाने ही जाते हैं। आमतौर पर वामपंथी उदारीकरण नीति के खिलाफ रहा करते हैं। इसके विरुद्ध बुद्धदेब ने टाटा के नैनो कार के लिए भी सिंगूर में जगह दी। अलग बात है कि सिंगूर में भूमि विवाद के चलते लंबा आंदोलन चला और माना जाता है कि लंबे कम्युनिस्ट शासन की समाप्ति और ममता राज के आने के कारणों में सिंगूर मसला भी बहुत अहम रहा। कम्युनिस्ट नेताओं के पद पर रहते वेतन-भत्ता आदि पार्टी को समर्पित करना आम बात है। बुद्धदेब ने भी यही किया। मुख्यमंत्री को मिलने वाली धनराशि वे पार्टी फंड में जमा कर दिया करते थे। उनके अपने खर्च के लिए पार्टी उसी धनराशि का एक हिस्सा उन्हें दिया करती थी। बताया जाता है कि बाद में भी पार्टी बुद्धदेब के दैनिक खर्च और इलाज आदि की व्यवस्था कर रही थी। परिवार से अति समृद्ध उनके पूर्ववर्ती ज्योति बसु ने भी यही किया। केरल के पहले मुख्यमंत्री ईएमएस नंबूदरीपाद सीएम रहते साइकिल से कार्यालय जाया करते थे। उनका टाइप राइटर भी उनकी साइकिल के करियर पर ही बंधा होता था। मणिपुर के मुख्यमंत्री रहे माणिक सरकार के पास भी अपना कोई निजी आवास और वाहन नहीं था। भट्टाचार्य का व्यक्तिगत जीवन और चारित्रिक विकास में परिवार की पृष्ठभूमि कहां तक काम आई होगी, यह भी विचारणीय और रोचक है। बंगाली ब्राह्मण परिवार में पैदा हुए भट्टाचार्य ने मृत्यु के बाद अपना शरीर मेडिकल एजुकेशन के लिए दान कर देने की इच्छा जताई है। यह उस पृष्ठभूमि के साथ हुआ है कि उनके पितामह कृष्णचंद्र स्मृतितीर्थ संस्कृत विद्वान, पुजारी और प्रकांड विद्वान थे। उनकी लिखी पुस्तिका पुरोहित दर्पण बंगाली हिंदू पुजारियों के बीच आज भी लोकप्रिय है। वर्तमान बांग्लादेश के मदारीपुर जिले से आने वाले कृष्णचंद्र स्मृतितीर्थ के पुत्र, यानी बुद्धदेब भट्टाचार्य के पिता नेपालचंद्र ने पुरोहिती से हटकर हिंदू धार्मिक सामग्री उपलब्ध कराने वाले पारिवारिक प्रकाशन, सारस्वत लाइब्रेरी का काम देखना स्वीकार किया। प्रसिद्ध कवि सुकांत भट्टाचार्य बुद्धदेब भट्टाचार्य के चाचा थे। बुद्धदेब ने अपनी जीविका के लिए स्कूल शिक्षक की नौकरी की और वहीं से कम्युनिस्ट आंदोलन में शरीक हुए। दरअसल, सादगी के मामले में गांधी जी ने जिस मुकाम पर आकर आदर्श बनाए, कुछ कम्युनिस्ट नेताओं ने वहां से शुरू किया। सादगी का अर्थ सिर्फ वस्त्र नहीं होते। गांधी ने खेत-खलिहान और लघु उद्योगों के योगदान तक राजनीति को पहुंचाया, कम्युनिस्ट इन इकाइयों के अंदर से उस राजनीति को संसद तक ले जाने के हिमायती हैं। अपवाद हर राजनीतिक दल में हैं, जो आदर्श प्रस्तुत करते हैं उनमें बुद्धदेब भट्टाचार्य भी शामिल हैं।

एक और जमानत

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया को सर्वोच्च न्यायालय में मिली जमानत राजनीतिक रूप से ही नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक रूप से भी महत्वपूर्ण है। राष्ट्रीय राजधानी के व्यापक समाज ने एक समय मनीष सिसोदिया को भी बहुत उम्मीद के साथ देखा था। नैतिकता के बल से ही वह अपने नेता अरविंद केजरीवाल के साथ एक वैकल्पिक ताकत बनकर उभरे थे। वह लगभग 17 महीनों की जद्दोजहद के बाद जेल से बाहर आए हैं। न्यायालय ने पूरी तरह से आश्वस्त होने के बाद ही दिल्ली के पूर्व उप-मुख्यमंत्री को दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति से जुड़े मामलों में जमानत दी है। दरअसल, पहले ही लगने लगा था कि सिसोदिया को ज्यादा समय तक सलाखों के पीछे रखना जांच एजेंसियों के लिए संभव नहीं होगा। आश्चर्य नहीं कि न्यायमूर्ति बीआर गवई और के वी विश्वनाथन की पीठ ने जमानत याचिका को विचारणीय मानते हुए कहा कि सिसोदिया को अब जमानत मांगने के लिए सुनवाई अदालत भेजना न्याय का मखौल होगा। वास्तव में, यह सिसोदिया के लिए पूरी रिहाई नहीं है, उन्हें आरोप मुक्त होने के लिए लंबा संघर्ष करना पड़ सकता है। हालांकि, यह माना जा रहा है कि सशर्त नियमित जमानत उनकी राजनीतिक ताकत को लौटा लाएगी। प्रवर्तन निदेशालय जमानत से खुश नहीं है, अंततः उसकी कोशिश थी कि सिसोदिया को दिल्ली सचिवालय या मुख्यमंत्री कार्यालय जाने से रोका जाए, पर न्यायालय ने प्रवर्तन निदेशालय की याचना पर ध्यान नहीं दिया। अब यह इतिहास में दर्ज हो गया है कि सीबीआई और ईडी ने आखिर तक यही प्रयास किया कि जमानत न हो सके, पर सर्वोच्च न्यायालय पहुंचकर जमानत मांगने की यह तीसरी कोशिश रंग लाई है। वैसे, एजेंसियों को जमानत रोकने पर जोर लगाने के बजाय दोष सिद्ध करने पर जोर देना चाहिए था, अगर पूरे प्रमाण के साथ मुकदमा शुरू हो जाता, तो सिसोदिया का बाहर आना मुश्किल हो जाता।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Despite anger & alienation, newfound hope in J&K

THE pledge by Sheikh Abdullah at Srinagar's Lal Chowk on the accession to India of the then princely state of Jammu and Kashmir had the words of the great Indian poet Amir Khusrau: "Mun tu shudam tu mun shudi; mun tun shudam tu jaan shudi." (I have become you, and you me. I, the body. You, the soul.)But today, we have to ask ourselves the questions that Abdullah had posed on the eve of the 1975 Indira-Sheikh Accord: "Do you honestly feel that the foundations of democracy and secularism are more stable than before? Can you honestly dare say that the shackles of distrust between Kashmiris and India are broken? Have the people here (Kashmir) got the clean administration which they have long yearned for? Were they freed from the morass of unemployment and poverty?"This was a Kashmir-centric questionnaire, but reading down Article 370 of the Constitution, Union Home Minister Amit Shah had promised in the Rajya Sabha debate on the Jammu and Kashmir Reorganisation Bill, 2019, an end to corruption in all of J&K, including Ladakh. "In fact," wrote Raja Muzaffar Bhatt , a Kashmiri campaigner for civil rights, within a year: "It often appears that misgovernance, nepotism and corruption have become the rule of law in government offices during the last one year." Now, he tells me the situation is even worse.The Forum for Human Rights, formed by eminent citizens from across the country, said in its annual report that counter-insurgency, in taking overriding priority, had vitiated the rule of law, causing widespread post-traumatic stress disorder even among children.Every sector of commerce and industry, including the fabled handicraft industry, has been beset by massive losses. Local crafts have been substituted with cheap imitations fabricated in Amritsar and found to be more profitable even by Kashmiri entrepreneurs.Tourism is, indeed, booming. Yes, the hotel industry in Srinagar, Gulmarg and Pahalgam has been prospering. But is the Kashmiri benefiting? The hotels are now staffed mostly with non-Kashmiris; even the menus and decor are reminiscent of Gujarat and Rajasthan. Has Kashmir got nothing to offer in either? And every hotel in Gulmarg faces expropriation on the lapse of a leasehold, with entrepreneurs in Gujarat being canvassed by the Union Government to invest in this lucrative industry.The streets of Srinagar, including the bundh along the Jhelum and the boulevard skirting the Dal Lake, have seen frenetic activity in widening pavements and cycling tracks. The contractors are mostly from Gujarat. Who benefits? Even the labourers are mostly migrants. The roads are usually jammed with traffic, but there are no strollers on the broad pavements of the bundh or the boulevard, where I have gone walking several times without encountering a single tourist.Domicile rules introduced by the Ministry of Home Affairs and the J&K administration have killed local employment. The Directorate of Information and Public Relations, in coordination with security agencies, has choked the media.And the result? An acceleration of terrorist activity, now primarily across the Pir Panjal in Jammu division, from Poonch in the west to Kathua in the east, and also in north and south Kashmir (areas where the government had boasted of a cessation of militancy), targeting the defence forces.But the essence of Abdullah's questions and the avowed objective of the abrogation were on securing the foundations of democracy. I recount my meeting at the Tsawalgam Rest House in Kulgam in March 2021 with all 20 members of the then newly elected District Development Council (DDC), representing the CPI(M), People's Democratic Party, National Conference (NC) and Indian National Congress.

TRYSTS AND TURNS: Adding caste to creed deepens disunity

That feeling of being Indian, first and foremost, is sadly being eroded

NOW that Rahul Gandhi has decided to become a full-time politician, he can pose a challenge to Narendra Modi's leadership. His choice of caste politics to combat the communal politics of Modi and the Sangh Parivar is, to my mind, a dangerous one. To add casteism to the two main evils that the country faces — communalism and corruption — will prevent our country from progressing, and is certainly a dangerous move.As endemic corruption weakens the moral fibre, communalism and casteism militate against unity that is essential to make India stand up as one against poverty, illiteracy and the feudal mentality that presently pervades the national psyche.Religious and caste identities are not going to disappear in the foreseeable future. It is a fact of life in India, been there for centuries. In rural India, where more than half of our people live, caste is a factor of daily existence. In urban India, where interaction is perforce impersonal, caste and even religious identity was slowly losing its relevance.I live in a building that boasts of 20 flat owners belonging to different religions (Hindu, Muslim and Christian); different castes (brahmins, SCs and OBCs, rajputs, khatris, kayasthas). They hail from different states of India — Maharashtra. Punjab, UP, Tamil Nadu, Telangana, Gujarat and Goa. All of us get along famously with each other, eat together once a year on the terrace of the building and settle quarrels among the grandchildren by asking them to settle their quarrels themselves. You may have guessed it right — we are all educated, middle-income citizens. So, we have a headstart on integration.In 1981, I was a guest of the Japanese government, attending a seven-week workshop on the judicial process system in Asia. The other participants were from the US, Australia, the Philippines, Pakistan, Bangladesh, Indonesia, Samoa, Malaysia, Singapore and the host country, Japan. On one Sunday in Tokyo, I went to a church, accompanied by the Australian, who was a judge, and the Samoan, who was a police chief. Returning to our hostel after the Service, I noticed a couple who was obviously Indians walking on the other side of the road. I waved to them. They waved back. My companions asked me if I knew them. I replied I did not. Then, why I had greeted them, they asked. It surprised them when I said that I identified with them at once as not many of my countrymen could afford to be travelling in an affluent foreign land.That feeling of being Indian, first and foremost, is sadly being eroded. First, it was the Hindu-Muslim divide accentuated at the time of elections and now, this attempt by Opposition parties to further divide the majority Hindus on the basis of caste for electoral gain. That is going to end in disaster, like the division on religious grounds is leading us to.

If dividing and weakening India on religious and caste lines was not enough, the Supreme Court, in a six-to-one decision of a seven-judge Constitution Bench, overturned its own 2004 ruling that had pronounced that all SCs constitute one homogenous body. By that ruling, the more educated units of SCs, like the Mahars in Maharashtra or the Chamars in Punjab, cornered most of the reserved seats allotted to the Scheduled Castes, leaving the less educated bereft of the benefits that reservation promised.

The 2024 Supreme Court majority verdict, of which the CJI was a part, argued that the categories of SCs who had not benefited from reservation should now be treated separately so that the principle on which reservation was conceived was upheld. This judgment will further divide Indian citizens and produce demands for inclusion from sub-castes whose existence itself was not known to most citizens.Five years ago, just before Covid struck, I broke the neck of my femur bone after a fall in the bath. The result was that I needed a young man, full time, to help me with my daily physical chores. He was a Dalit from Bihar, but just before the 2024 Lok Sabha elections, I learnt he was a "maha Dalit", a category that I was not aware of. There could be such neglected elements in Maharashtra also.Be that as it may, the presence of these dispossessed sub-castes of SCs, obviously quite numerous in the north of the country, has been noted by the Supreme Court. The court has rightly deigned that they, too, should be given a part of the reservation pie. The enforcement of the court's order is not going to be easy. More difficult will be to calculate the political fallout of this further divide in the polity.Last Saturday, the KES (Kandivali Education Society) College of Law in Mumbai invited me to interact with their students online. I answered a volley of questions shot at me by the students. Many of them concerned reservations in college admissions and jobs with the government. I explained the rationale behind affirmative action but was at a loss to justify the heady mix of rectifying centuries-old injustices with the necessity of maintaining higher standards of service, which the common man was entitled to.

Both factors need to be kept in mind by the decision-makers while formulating a "via media". Political parties, starting with the Congress under Jawaharlal Nehru right up to the BJP under Narendra Modi, have neglected education and health, the bedrocks of a successful society. China has stolen a 50-year march over us in ensuring 100 per cent literacy, as now exists in the advanced countries of the West.If we had achieved total literacy, we could have selected the really bright boys and girls from the neglected castes and enrolled them at the State's expense in the best schools to ensure that they could compete with their sisters and brothers of the advanced castes on an even plane. The problem of admitting a candidate who achieved rank 821 in the civil services exam into the IAS would not have arisen, as it did in the recent case of Puja Khedkar.Recently, Rahul Gandhi predicted an ED raid on his premises for criticising the government for some action it had taken. He need not lose sleep over such an arrest. It will boomerang on the government — it will increase his slowly rising popularity, accelerate it a bit. But if the ED conjures up a case for a raid because of his raking up the caste issue, I, for one, will not defend him.

Yunus steps in

Restoring normalcy must be primary task

THE 84-year-old Nobel laureate's popularity in Bangladesh is undeniable, yet Muhammad Yunus faces a formidable task in bringing stability to a nation in turmoil. Appointed head of the interim government following the dramatic ouster of long-time Prime Minister Sheikh Hasina, the economist's global acclaim and non-political background make him a unique choice. He has, in recent weeks, warned about the serious regional implications if the unrest continues. The immediate goals before him are crystal clear — restoration of normalcy, ensuring law and order and protection of the vulnerable groups, including the minorities. On test would be Yunus' ability to assert his mortal authority and effectively channel the respect he commands to put an end to the anarchy.

The student movement that triggered Hasina's fall labelled her an authoritarian whose administration was firm in its crackdown on political dissent. New Delhi's attention would be focused on the vision for Bangladesh the interim government advocates, and the leverage Yunus is permitted to emerge as a constructive transition leader. His leadership in the coming days could well determine the course Bangladeshi politics takes in the proclaimed endeavour of a fresh start. Hopes of free and fair elections with reforms of institutions that can hold the leaders accountable would be pitted against the possibility of politics of vendetta and a throwback to a dominant role for extremist elements, with military backing.

During Hasina's tenure, Yunus faced more than 100 lawsuits, which he termed fake. The student leaders insisted on having him as the guiding light. It's a daunting responsibility, with little scope for any false move. India's grave concerns are not limited to the security and wellbeing of its nationals and the minorities in Bangladesh. The consequences of prolonged instability are far too many.

The Akali Dal crisis is more than just a political one

Though one can never write off a politician, this does seem like the beginning of the end of the Badal era.

ALL of a sudden, the Akal Takht — the supreme temporal seat of Sikhism — has become a refuge for top leaders of the Shiromani Akali Dal (SAD), desperate to claw back into favour with the Sikh masses after a series of electoral defeats. They are flocking for forgiveness to the very institution whose loss of prestige they are being held responsible for. Can the Akal Takht free itself from the overriding influence of the SAD and take a decision that is seen as impartial and has the approval of the Sikh community?Last month, a rebel group of senior Akali politicians created a flutter when it listed some 'anti-Panth' activities of SAD president Sukhbir Singh Badal and sought his ouster. The group presented the alleged 'crimes' in a letter to the Akal Takht Jathedar, Giani Raghbir Singh. The group members also admitted to religious and political lapses made by them while they were part of the SAD governments between 2007 and 2017 and sought atonement for them. In other words, they admitted to being party to the same wrongs.

Just a few days later, Sukhbir also went to the Akal Takht and apologised in writing for the lapses during the party's 10-year rule. His letter of apology, in which he took responsibility for his actions, was made public on Monday. The SGPC (Shiromani Gurdwara Parbandhak Committee), the apex body controlling Sikh gurdwaras, has also submitted an apology

The apologies centre around four major issues that have been riling the Sikh community for several years. The first is related to the 2007 blasphemy case against Dera Sacha Sauda chief Gurmeet Ram Rahim Singh for impersonating Guru Gobind Singh. The case was later quietly withdrawn. The second pertains to the alleged manipulation of an apology issued by the dera for impersonating the Guru. Ram Rahim was pardoned by the Akal Takht in September 2015. But as he continued to face anger and protests from the community, the pardon was revoked less than a month later.The SGPC, controlled by the SAD, reportedly spent

Rs 90 lakh on advertisements to defend the decision to pardon the dera head. Akali leaders now openly accuse Sukhbir of pressuring the then Akal Takht Jathedar to pardon Ram Rahim. Worse, when three sacrilege incidents concerning the holy birs of the Guru Granth Sahib occurred in 2015, the alleged perpetrators, belonging to the dera, were not prosecuted.

More recent revelations claim that Sukhbir secretly met the dera chief in Jaipur and Delhi in 2017 to mobilise electoral support. This was in defiance of a 2007 Akal Takht edict forbidding Sikhs to have any ties with Ram Rahim. More evidence of the betrayal of 'Sikhi' by the leadership of a party of the Sikhs was a body blow to Sukhbir's political persona.

In the midst of this, nine top rebel leaders were expelled from the party when they launched the 'Shiromani Akali Dal Sudhar Lehar' (reform movement) to "strengthen and uplift" the party. But this is just the political aspect of the ongoing crisis.To restore the spiritual dominance of 'Sikhi' in the fabric of the SAD is the other goal, which is more challenging. Punjabis are watching this unprecedented churn in the Sikh domain with a sense of hope that things will change for the better. The sentiment calls for a return to the core religious values that were allegedly abandoned by the Akali Dal during the Badals' regimes in pursuit of electoral gains.

Since its inception in 1920, the Akali Dal has championed the aspirations of the Sikh community, fashioning its politics around the Sikh concept of Miri Piri, which prioritises spiritual or religious authority over political power. The decay set in during the Badal era, when the spiritual authority of Sikh institutions like the SGPC and the Akal Takht became subservient to the party. These revered institutions began to be used as instruments to further the political prospects of the Akali party, and they gradually lost their importance as robust religious institutions that were meant to guide the Sikh Panth. The stranglehold of the Badal family over the party and such institutions began to be resented within the party and outside, though none spoke openly about this till the time Parkash Singh Badal was alive.

If today the Sikh Panth is rejecting Sukhbir's politics and, by extension, that of his father, it is because of the setting in of a deep revulsion over the blatant misuse of Sikh religious institutions. Ten of the party's 13 Lok Sabha candidates lost their security deposits in the General Election held earlier this year, taking the party to rock bottom. Its vote share is down to 13.4 per cent, even lower than that of its one-time junior partner, the BJP, which now stands at 18.5 per cent. The situation was equally bad in the 2022 Assembly elections, when the party won only three seats.

But nobody wants to see the demise of the SAD. Not even its enemies. Because Punjab needs a strong Akali Dal to balance its delicate politics and social harmony. For long, the party was the voice of the Sikhs and exerted a moderating influence on the community. Today, as it flounders and the Sikhs find themselves rudderless in the state's changing polity, radical elements like Amritpal Singh have emerged.

The Badal camp has described the rebels' actions as a conspiracy hatched by its political opponents, the BJP and AAP. But given the adverse baggage accumulated by Sukhbir, it is hard to see him winning back the trust of the Sikhs and Punjabis in the near future. Though one can never write off a politician, this does seem like the beginning of the end of the Badal era.

Mahindra denies report of three billion dollars investment with Shaanxi Auto

NEW DELHI. Home-grown auto-major Mahindra & Mahindra denied a report that suggested the Mumbai-based group was seeking the government approval to invest $3 billion with China's Shaanxi Automobile Group.It said that the report is unfounded and there is no truth in the matter. "As there has been some unnecessary speculation raised by the Reuters' article, the company on its own considers it necessary to clarify to the stock exchanges that the article is unfounded and there is no truth in the matter," M&M said in a regulatory filing.

A report by Reuters had said that Mahindra's JV with Shaanxi could result in setting up of an integrated car manufacturing facility in Gujarat. At present, JSW Group's MG Motor, which has China's SAIC stake, has a manufacturing unit in Gujarat. The report stated that the two companies were awaiting Indian government's approval and, if approved, a majority stake in the proposed manufacturing venture would be owned by Mahindra.The proposal included building an export-oriented, integrated manufacturing hub for assembled cars - known as completely built-up units - as well as engines and car batteries, the report quoting sources said. Meanwhile, Mahindra has confirmed the debut of the Thar Roxx on August 15.

Lok Sabha passes Bhartiya Vayuyan Vidheyak Bill 2024 to overhaul aviation laws

NEW DELHI. Replacing the 90-year-old Aircraft Act, 1934, the Lok Sabha on Friday passed the Bhartiya Vayuyan Vidheyak Bill 2024 to remove redundancies and boost the ease of doing business in the civil aviation sector.According to the government, the Bill seeks to resolve existing anomalies between various aviation laws and ensure a coherent regulatory environment with well-defined chapters and clauses.

"This proposed legislation will mark a significant milestone in the Indian aviation sector, streamlining the ease of doing business within the industry. I extend my heartfelt thanks to all the members of the Lok Sabha for their valuable suggestions and support during the deliberations," said Civil Aviation Minister Kinjarapu Rammohan Naidu.While moving the bill, Naidu emphasised the government's commitment to addressing issues related to airfares. He announced plans to establish an efficient online grievance redressal mechanism to manage passenger complaints and ensure timely resolutions.

Adani gets reminder over delay in 5G rollout

NEW DELHI. Frustrated with the delay in rollout of 5G services by the Adani Data Networks Ltd (ADNL), the Department of Telecommunications (DoT) has shot off another letter to the company reminding it of its obligations towards 5G network in India. The letter has sought an explanation for the delay in launching commercial 5G services in the country. According to government officials, the DoT is still awaiting a response from ADNL.The company, which is a subsidiary of Adani Enterprises Ltd, acquired 5G spectrum in 2022. As per the regulatory guidelines, the company is mandated to deploy a commercial 5G network by 10 October 2024. If it fails to do so, the government may revoke the allocation of spectrum.

"We have written to Adani Data Networks to inquire why it has not yet launched 5G services in India. Initially, the company indicated plans to launch a captive network for its business operations. However, the license mandates that they must roll out commercial 5G services nationwide," said a senior DoT official. The DoT has sent a similar letter in January this year, seeking an explanation for delay in launch of 5G services. Queries sent to Adani Group for a statement remained unanswered at the time of filing of the report.

Adani Data Networks, the telecommunications arm of the Gautam Adani-led conglomerate, holds a unified license for access services, allowing it to provide a full range of telecom services across India. The company acquired 400 MHz of spectrum in the 26 GHz (millimeter wave) band during the July 2022 auction for Rs 212 crore.Adani secured spectrum in six circles—Andhra Pradesh (50 MHz), Gujarat (100 MHz), Karnataka (50 MHz), Mumbai (100 MHz), Rajasthan (50 MHz), and Tamil Nadu (50 MHz)—focusing on areas where it has significant business interests. According to license conditions, ADNL was required to launch commercial 5G services in both metro and non-metro circles within the first year.Failure to meet these rollout deadlines may result in the imposition of late fees, structured as follows: R1 lakh per week for the first 13 weeks, R2 lakh per week for the following 13 week and R4 lakh per week for the subsequent 26 weeks. "These penalties can accumulate up to R1.40 crore for each phase of delay.

If the delay exceeds 52 weeks, the government may also withdraw the assigned spectrum," says the law. Reports indicate that ADNL has previously incurred fines totaling R5 to 6 crore for similar delays. Since the spectrum allocation, Adani Data Networks remains the only company that has not yet launched its 5G service in India.

Sebi urges Pension funds to support municipal bonds

Sebi executive Pramod Rao highlighted the disparity between India's municipal bond market and its US counterpart, urging greater involvement from pension funds and insurers to boost this emerging sector.

MUMBAI. The Securities and Exchange Board of India (Sebi) has urged pension funds and insurers to support municipal bond issuances to help develop this nascent market."I urge pension funds and insurance companies and others to look at increasingly supporting municipal bond issuances," an executive director with the markets watchdog Pramod Rao said at an Assocham-organised corporate bond market summit here on Friday.

Municipal bonds are debt instruments like an NCD or any other debt instrument, issued by municipal corporations with the permission of the respective state governments. While municipalities have collectively raised Rs 1,940 crore from 12 issues, the total outstanding was only Rs 2,184 crore. As against this, the US municipal bonds market is worth $4 trillion.Also, the total outstanding corporate bonds are worth Rs 47.29 lakh crore, while that of Central government bonds are worth Rs 100.7 lakh crore. There is no cumulative data available on the outstanding amount of state government bonds.Rao said bond issuances have exceeded $105 billion in FY25, while equity raising topped $25 billion, underlining the depth of the domestic bond markets.Rao further said Sebi is eager to partner corporates on sustainable finance, transition and net-zero goals through the bond market route, and is also looking forward to discussions with asset management companies and other financial institutions on the issue. In this regard, the regulator recently introduced the norm of once listed, always listed for corporate bond issuers.To make it easier, the Sebi has made the technology side of it simpler by making distributed ledger technology neutral to bridge the information asymmetry between issuers and debenture trustees in the system who rely on new disclosures and information flow about the status of compliance.Just like mutual funds, the corporate bonds industry also should take measures to build trust and confidence of retail investors, Rao said.

Mutual fund AUM rises 6% to Rs 64.69 lakh crore in July amid mixed equity fund flows

MUMBAI. Despite around 9% fall in equity fund inflows, a still roaring SIP book, which hit a fresh record high of Rs 23,332 crore along with inflows into other categories boosted total assets under management (AUM) of mutual funds by 6% to Rs 64.69 lakh crore in July as against Rs 60.89 lakh crore in June.While inflows into equity funds declined by 8.61% to Rs 37,113.4 crore in the reporting month due to a fall in investments in large-cap and mid-cap funds, the SIP book roared to a new record high of R23,332 crore along, shows the monthly data from the industry lobby Amfi (Association of Mutual Funds of India) on Friday. As against this in June, inflows into equity mutual funds had surged by 17% to Rs 40,608.19 crore, a record high.Inflows into open-ended equity funds have remained in the positive zone for the 41st month in a row. In July, the benchmark Sensex gained 3.43% while Nifty rose 3.92%, despite the budget day setbacks. According to the Amfi data, inflows into monthly gross systematic investment plans (SIPs) hit a fresh record high of Rs 23,332 crore in July up from Rs 21,262 crore in June.

Further, the SIP AUM was highest ever at

R13,09,385.46 crore in July compared to Rs 12,43,791.71 crore in June. Venkat Chalasani, the Amfi chief executive, told reporters that the industry has demonstrated positive growth with retail investors consistently embracing mutual funds as a reliable investment avenue, showing that MFs have become an integral part of retail investors' financial strategies.

Continuous investments in sectoral or thematic funds fuelled inflows into equity mutual funds. In July, the category saw net inflows of Rs 18,386.35 crore. This was also because of new fund launches—there were nine new fund offers in the sectoral/thematic fund category garnering Rs 12,974 crore in the month.According to Manish Mehta of Kotak Mahindra AMC, net equity flows declined a tad over June partly due to NFO listings and SIP inflows. Most of the lump-sum purchases seem to be through the NFO route now. In the equity fund category, inflows into large-cap funds slumped 31% to Rs 670.12 crore, while mid-cap and small-cap funds also saw fresh inflows slowing. In spite of this, small-cap funds saw net inflows of Rs 2,109.20 crore and mid-cap funds saw Rs 1,644.22 crore fresh investments in the month.Debt mutual funds see Rs 1.19 lakh crore inflowsIn the fixed-income category, debt mutual funds saw net inflows of Rs 1,19,587.60 crore, as against net outflows of Rs 1,07,357.62 crore in June, while short-term liquid funds category saw net inflows of Rs 70,060.88 crore, and money market funds saw fresh investments of Rs 28,738.03 crore.

India's start-up ecosystem booms with over 67,500 women directors

BENGALURU. Nearly 67,500 Department for Promotion of Industry and Internal Trade (DPIIT)-recognised start-ups have at least one woman director, said the ministry of commerce and industry. As on June 30, 2024, the country has 1,40,803 recognised start-ups and since 2016, these recognised start-ups have created over 15.53 lakh direct jobs, the commerce ministry said on Friday.In the last 6 months of this year, DPIIT has recognised 23,549 start-ups. In 2023 alone, there were 34,842 recognised start-ups. Maharashtra tops with 5,816 recognised start-ups, followed by Gujarat (3,295).With an aim to encourage investments in the start-up ecosystem, the government launched the Startup India initiative on January 16, 2016. To promote start-ups, various programmes have been undertaken including Startup India Action Plan, Startup India Seed Fund Scheme (SISFS), Fund of Funds for Startups (FFS) Scheme and Startup India Hub, among others.With a corpus of R10,000 crore, the government has

established FFS to meet the funding needs of start-ups. DPIIT is the monitoring agency and Small Industries Development Bank of India (SIDBI) is the operating agency for FFS. Startup India Online Hub was launched in 2017 to discover, connect and engage with each other.The Online Hub hosts startups, ivestors, funds, academic institutions, incubators, accelerators, government bodies and more. Recently in the Budget, Finance Minister Nirmala Sitharaman announced that angel tax will be abolished for all investor classes.

Grasim Industries reports standalone loss despite revenue growth

MUMBAI. Aditya Birla group flagship Grasim Industries, which straddles textiles & textile fibres, real estate, building materials, cement and paints, has reported a standalone net loss of Rs 52.12 crore in the June quarter despite a 10.5% growth in revenue. It reported a net profit of Rs 355.27 crore in the same quarter last fiscal and net loss of Rs 440.93 crore in the March 2024 quarter.Consolidated revenue from operations rose 10.5%to Rs 6,893.87 crore year-on-year, the city-based company said in a statement. Consolidated net declined to Rs 1,207.93 crore as against Rs 1,576.47 crore.The company said its standalone operating revenue plunged 51.7 % to Rs 325.1 crore from Rs 673.3 crore while operating margin more than halved to 4.7% from 10.8%. Consolidated operating income also declined 4% to R4,760 crore, driven by investments in the paints business, higher depreciation and interest charges on account of new growth businesses, the company said.Grasim's cement business added new capacity of 8.7 million tonne, taking total grey cement capacity, including domestic and overseas to 154.9 million tonne per annum. Its newly launched paints brand, Birla Opus' market presence reached to over 3,300 towns. Capital expenditure for the quarter stood at Rs 983 crore.The budgeted standalone capex for FY25 is Rs 4,553 crore, of which around Rs 3,000 crore is towards new growth businesses, Grasim said. The cellulosic staple fibre business saw its fourth consecutive quarter of growth due to an improving domestic demand and global price trends. This business achieved its highest ever quarterly sales volume of 212 kilo tonne, which rose 14 %. The cellulosic fashion yarn business saw a marginal volume growth of 2% due to subdued demand in the downstream value chain and due to cheaper imports from Chinese producers.

Ola Electric shares surge 20% on day 1 after muted listing

The stock ended the session at R91.19 apiece and its market capitalisation surpassed the R 40,000 crore mark.

NEW DELHI. Ola Electric made a silent debut on the exchanges with its shares getting listed at par against its issue price of R76 on the BSE. However, post-listing, it witnessed strong buying and hit a 20% upper circuit limit on Friday.

The stock ended the session at R91.19 apiece and its market capitalisation surpassed the R 40,000 crore mark. The listing and surge in share prices doubled founder Bhavish Aggarwal's fortune. According to the Bloomberg Billionaires Index, the 38-year-old entrepreneur added $1.5 billion to his wealth on Friday, taking his net worth to $2.7 billion. The shares defied the negative premium it was commanding in the unofficial premium market. Ahead of the listing, Ola Electric shares on Thursday were trading at a discount of ?3 in the unlisted market.

"Ola Electric had a strong market debut, defying grey market expectations of a 4-5% discount. The positive performance is attributed to its healthy long-term outlook, 38% market share, benefits from the PLI scheme, and advantages of vertical integration," said Vinod Nair, Head of Research, Geojit Financial Services. Commenting on the listing, Shivani Nyati, Head of Wealth, Swastika Investmart, said the flat listing performance, coupled with a mere 4.45 times subscription, underscores the challenges the company faces in gaining investor confidence."While Ola Electric's vision for the EV market is ambitious, the company's current financial performance, marked by consistent losses, and the highly competitive landscape have tempered investor enthusiasm." "The flat listing highlights the need for Ola Electric to demonstrate a clear path to profitability and navigate the complexities of the EV market effectively.

Investors are suggested to exit and book a minor profit, but those who want to take risks may hold their position by keeping a stop loss below 70," added Nyati. The much anticipated IPO of Ola Electric was subscribed about 4.5 times, receiving bids for 198.16 crore equity shares against 46.52 crore shares on offer.

Sensex, Nifty surge 1% on positive global cues

India's equity market ended higher on Friday with the benchmarks-BSE Sensex and NSE Nifty50 - gaining over 1% each. The Sensex closed the session 819 points higher at 79,705 and Nifty gained 250 points to settle 24,367. The surge is attributed to positive US jobless claims data as it eases the fears of a recession in the biggest economy. The market capitalisation of BSE-listed firms rose R4.46 lakh crore to R450.21 lakh crore on Friday against R445.75 lakh crore on Thursday.

Kolkata doctor murder: Autopsy reveals sexual assault, 1 arrested amid protests

New Delhi. A preliminary post-mortem of the post-graduate trainee doctor found dead at Kolkata's RG Kar Medical College and Hospital has revealed that she was sexually assaulted before being murdered. One person has been arrested in connection with the case amid protests by junior doctors of the state-run hospital and criticism from the BJP over law and order.The police stated that the arrested individual had free access to several departments of the hospital. He was arrested after the police reviewed the CCTV footage. "We have arrested one person who is an outsider. His activities are quite suspicious, and he seems to be directly involved in the crime," a police official told PTI.I have directed for the case to be taken to a fast-track court. If needed, the accused will be hanged, even though I am not pro-capital punishment. But they should be given the strictest punishment.

West Bengal Chief Minister Mamata Banerjee said she directed for the case to be taken to a fast-track court and that the accused would be hanged if needed.

VICTIM WAS BLEEDING FROM EYES, BODY FOUND IN SEMI-NUDE CONDITION

Meanwhile, the four-page autopsy report revealed that the woman had bleeding from her private parts and there were injury marks on other parts of her body."There was bleeding from both her eyes and mouth, injuries over the face, and a nail. The victim was also bleeding from her private parts. She also has injuries in her belly, left leg, neck, in her right hand, ring finger, and lips," the autopsy report was quoted by PTI in its report.According to the Kolkata Police officer, the incident took place between 3 and 6 am."Her neck bone was also found broken. It seems that she was first strangled and then smothered to death. We are waiting for the full report of the autopsy, which will help us identify the culprits," he said.The Kolkata Police has constituted a Special Investigation Team (SIT), including members of the homicide department, to probe the incident.

Earlier on Friday, the semi-nude body of a woman was found inside the seminar hall of the state-run hospital.Her father has claimed that she was raped and killed inside the RG Kar Medical College and Hospital, and efforts are underway to "conceal the truth.".

Meanwhile, Chief Minister Mamata Banerjee called the parents and assured them that appropriate actions would be taken against the culprits.On the condition of anonymity, a doctor at the hospital told PTI, "She had dinner with her juniors around 2 am She then went to the seminar room since there is no separate on-call room to take some rest. In the morning, we found her body there."

MAMATA BANERJEE SAYS ACCUSED CAN BE HANGED

Calling the incident "unfortunate", Mamata Banerjee said she spoke to the family of the victim and assured them of proper action in the case.

Firstly, the incident is unfortunate and despicable. It feels like a personal loss to me. Their (doctors') anger and demand is justified. I support it. Police have also accepted their demands," Banerjee said."I have directed for the case to be taken to a fast-track court. If needed, the accused will be hanged. But they should be given the strictest punishment," she said.

"For those who are protesting, if they feel that they don't have faith in the state administration, they can approach any other law enforcement agency. I have no issue with that. We want proper and thorough investigation and stringent punishment for the culprits," she added.Banerjee urged the doctors to treat patients while continuing their protest.Just as we have a responsibility, the hospital's superintendent too has a responsibility. We will also probe if there was negligence on any part," she said.

BJP DEMANDS CBI PROBE

Calling it a "shameful incident," TMC MP Saugata Roy stated, "We hope the culprits will be caught. It's a shameful incident. Our heads hang in shame. It's tragic that such an atrocity happened to a doctor."SThe students of the medical college held a candle march and protested outside the hospital, demanding action on the matter.

Haryana schools to replace 'good morning' with 'jai hind' greeting

New Delhi. The Haryana Directorate of School Education has issued an advisory instructing schools to replace the daily greeting "good morning" with "jai hind" starting from Independence Day.The directive, aimed at fostering patriotism and national pride among students, was sent to all district education officers, principals, and headmasters. The department emphasised that "jai hind" should be used before the

national flag is hoisted on Independence Day.

The department noted that "jai hind," coined by Netaji Subhas Chandra Bose during the fight against British rule, was later adopted by India's armed forces. The slogan symbolises unity, transcending regional and cultural differences.The new greeting is intended to inspire students with a sense of national unity, respect for India's history, and a daily reminder of their identity and potential contributions to the nation.

World Lion Day 2024: PM Modi Shares Stunning Pictures, Lauds Conservationists

New Delhi: Prime Minister Narendra Modi on Saturday praised the efforts of all those involved in the conservation and protection work of Lions. The Prime Minister also took to his X handle on the occasion of World Lion Day celebrated on August 10, to share a few stunning images of the big cats.

PM Modi highlighted that in February this year, the Union Cabinet approved the setting up of the International Big Cat Alliance, to bring together all the nations of the world where big cats reside. It seeks to build a holistic approach to boost sustainable development and also support community efforts in this regard. This endeavour, he said received an encouraging response globally.

PM Modi also extended an invite to all the wildlife lovers to visit Gir national park and witness the efforts undertaken to protect the Lion while experiencing the hospitality of the people of Gujarat.osting a tweet thread

on X, PM Modi said, "On World Lion Day, I compliment all those working on Lion conservation and reiterate our commitment to protecting these majestic big cats. India, as we all know, is home to a large Lion population in Gir, Gujarat. Over the years, their numbers have increased significantly, which is great news."

In February this year, the Union Cabinet approved the setting up of the International Big Cat Alliance, to bring together all the nations of the world where big cats reside. It seeks to build a holistic approach to boost sustainable development and also support community efforts in this regard. This endeavour is receiving an encouraging response globally.""I also invite all wildlife lovers to Gir to discover the majestic Asiatic Lion. It will also give everyone the opportunity to witness the efforts to protect the Lion and at the same time experience the hospitality of the people of Gujarat."

Serial Killer Who Murdered 9 Women Out of 'Hate' With Horrific Modus Operandi Arrested in UP

New Delhi. It seems like a tale straight out from the pages of a crime novel. In Bareilly, a 'woman-hating' 35-year-old man went on a killing spree to murder 9 middle-aged women before he was arrested by police. After 14 months of terror that gripped Bareilly, the police have finally apprehended Kuldeep Gangwar. The dangerous man is responsible for a string of brutal murders that has claimed the lives of nine middle-aged women. The murderer has been dubbed as a 'woman hater with a traumatized past'.

Kuldeep Gangwar, a resident of Nawabganj, had been preying on women in the Shahi-Sheeshgarh area. Gangwar had been following a chillingly consistent modus operandi. He would strangle his victims and discard their bodies in sugarcane fields. The police have confirmed his involvement in six of the murders and suspect him in the remaining three.

Why Kuldeep Targeted Women?

Kuldeep harbored deep-seated hatred toward women, stemming from his troubled past. Witnessing his mother being abused by his father, and later being abandoned by his wife, fueled his rage. This anger drove him to target women who were alone, often attempting to assault them before killing them in a fit of rage.Gangwar's hatred was specifically directed at women in the 45-55 age group, reflecting his resentment toward his stepmother, who is also around 50 years old. He avoided detection by abandoning any target if he felt noticed and carried out his crimes with a precision that baffled investigators for months.

Operation Talaash

SSP Anurag Arya, who led the extensive manhunt named 'Operation Talaash,' revealed the details of Gangwar's capture. The investigation was launched after multiple reports of women being strangled with their sarees surfaced. Their bodies were discovered in secluded fields. Locals had noticed a lone stranger wandering from farm to farm, which eventually led the police to Gangwar. The police's operation was extensive, involving 22 teams, the installation of 600 additional CCTV cameras, and the analysis of footage from 1,500 cameras. The breakthrough came when sketches of the suspect were released, and Gangwar was identified. To avoid suspicion, officers dressed as villagers and observed his routine before making the arrest.

Now in custody, Kuldeep Gangwar faces charges under multiple sections of the IPC, including murder and attempted rape. The arrest brings some relief to the residents of Bareilly, who had been living in fear of the unknown killer. The investigation continues as police work to link him to other unsolved cases and bring closure to the families of the victims.

Joint Panel On Waqf Bill Formed: These 31 MPs Are Its Members

New Delhi: The joint committee of Parliament to examine the Waqf (Amendment) Bill will have 31 members -- 21 from the Lok Sabha and 10 from the Rajya Sabha -- and will submit its report by the next session.The Lok Sabha and the Rajya Sabha on Friday adopted a motion moved by Union Minority Affairs Minister Kiren Rijiju, who also holds the parliamentary affairs portfolio, naming the members to be part of the committee.In the Lower House, 12 members of the panel are from the ruling National Democratic Alliance (NDA), including eight from the BJP, and nine from the opposition. In the Upper House, four are from the BJP, four from the opposition and one is a nominated member.

The Lok Sabha members in the panel are Jagdambika Pal, Nishikant Dubey, Tejasvi Surya, Aparajita Sarangi, Sanjay Jaiswal, Dilip Saikia, Abhiit

Gangopadhyay, DK Aruna (all BJP); Gaurav Gogoi, Imran Masood and Mohammadd Jawed (all Congress); Mohibullah (Samajwadi Party); Kalyan Banerjee (Trinamool Congress); A Raja (DMK); Lavu Sri Krishna Devarayalu (Telugu Desam Party); Dileshwar Kamait (JDU); Arvind Sawant (Shiv Sena-UBT); Suresh Mhatre (NCP-Sharad Pawar); Naresh Mhaske (Shiv Sena); Arun Bharti (Lok Janshakti Party-Ram Vilas); and Asaduddin Owaisi (AIMIM).Those included from the Rajya Sabha are Brij Lal, Medha Vishram Kulkarni, Gulam Ali, Radha Mohan Das Agrawal (all BJP); Syed Naseer Hussain (Congress); Mohammed Nadimul Haque (Trinamool Congress); V Vijayasai Reddy (YSRCP); M Mohamed Abdulla (DMK); Sanjay Singh (AAP); and nominated member Dharmasthala Veerendra Heggade.

Lok Sabha Speaker Om Birla is expected to name the committee's chairperson soon. There is a view that BJP's Mr Pal may head the panel but officials said a final call would be taken by Mr Birla.

IMD Issues Orange Alert, Flood Warnings For Himachal Pradesh and Other States

New Delhi. The India Meteorological Department (IMD) has issued an orange alert for Himachal Pradesh and several other states due to continued heavy rainfall across northern India during the first two weeks of August. The IMD forecasts that this heavy to extremely heavy rainfall will persist in parts of Himachal Pradesh until August 12.

According to the IMD's forecast, Himachal Pradesh, Uttarakhand, and parts of Rajasthan will experience heavy rainfall until August 12. Meanwhile, moderate rainfall is expected in Jammu and Kashmir, Haryana, Punjab, and Chandigarh on August 10. The weather agency also predicts that Himachal Pradesh will continue to face heavy to extremely heavy rainfall through Saturday, accompanied by lightning and thunderstorms.

Orange and Yellow Alerts An orange alert remains in effect for Himachal Pradesh until August 12, with a yellow warning extending until August 15.

The IMD has also alerted authorities of a low to moderate risk of flash floods in isolated areas of Mandi, Bilaspur, Solan, Sirmaur, Shimla, and Kullu districts until Saturday.

Risk of Landslides and Damage

In addition to the flash flood warning, the IMD has cautioned that some regions could face potential landslides. There is also a warning of possible damage to plantations, crops, vulnerable structures, and kutcha houses due to waterlogging and strong winds in low-lying areas.

Earlier, on August 7, the IMD reported significant rainfall across Himachal Pradesh, with Joginder Nagar in Mandi district recording the highest rainfall at 110 mm in 24 hours. The relentless downpour has disrupted daily life, posing challenges for both residents and visitors. The cloudburst and flash floods that struck on August 1 severely affected the districts of Kullu, Mandi, and Shimla.

Video of mob assaulting people, calling them 'Bangladeshi' in Delhi goes viral

Delhi Police have initiated an investigation after videos showing men assaulting people and labelling them as "Bangladeshi" went viral. Authorities are working to identify the location of the incident.

New Delhi. The Delhi Police has launched a probe following the videos of a group of men assaulting some people and calling them "Bangladeshi" that went viral on the social media, officials stated on Friday.The police are trying to determine the location where the alleged assault took place.This comes as student protests in Bangladesh turned into widespread looting and rioting across the nation, with minority communities, especially Hindus, coming under attack. As reported by Bangladesh's Daily Star, several houses and businesses established by Hindus were targeted by mobs. The Jammat-e-Islami has also admitted to targeting Hindu temples.

The video circulating on social media shows a disturbing scene where a group of men is seen pursuing and assaulting several individuals. The attackers, who appear to be acting as a mob, can be heard accusing their victims of being Bangladeshis.

The incident raises serious concerns about targeted violence and the spreading of xenophobic sentiments, particularly in the way it is being portrayed and shared online.Some of the men were also carrying sticks and hitting the victims, asking them to leave the area. They also hurled abuse at them.One of the accused said, "Our Hindu sisters and daughters are being raped in Bangladesh," news agency PTI reported.

One of the assailants in the video is suspected to be the same individual involved in the assault on Kanhaiya Kumar before the general elections in northeast Delhi. However, law enforcement is currently in the process of verifying these claims.

News box

Over 100 dead in Israeli strike at Gaza school housing displaced people

World Over 100 people were killed and dozens of others were injured in an Israeli strike that targeted a school housing displaced people in eastern Gaza, Reuters reported, citing official Palestinian news agency WAFA on Saturday. The strike occurred as people were performing prayers, according to the Hamas-run Gaza government media office.

"The Israeli strikes targeted the displaced people while performing Fajr (dawn) prayers, a matter that led to a rapid increase in the number of casualties," the office said in a statement.In a statement, the Israeli army said its air forces "struck command and control centre that served as a hideout for Hamas terrorists and commanders"."The IAF (Israeli Air Force) precisely struck Hamas terrorists operating within a Hamas command and control centre embedded in the Al-Taba'een school and located adjacent to a mosque in Daraj Tuffah, which serves as a shelter for the residents of Gaza City," it said."Prior to the strike, numerous steps were taken to mitigate the risk of harming civilians, including the use of precise munitions, aerial surveillance, and intelligence information," it added.

The fresh strikes came after four schools across Gaza were attacked in the previous week.On August 4, two schools serving as shelters for displaced people in Gaza City were hit by an Israeli strike, killing 30 and injuring several others. The previous day, an Israeli strike on Hamama School in Gaza City killed 17.

Gaza civil defence says death toll from Israel strike on school between 90 to 100

World Gaza's civil defence agency said Saturday the death toll from an Israeli strike on a school in Gaza City has risen to between 90 and 100.

"The death toll is now between 90 to 100 and there are dozens more wounded. Three Israeli rockets hit the school that was housing displaced Palestinians," agency spokesman Mahmud Bassal told AFP. Gaza's government media office said there were "more than 100 martyrs" in the strike.The Israeli military said it struck a Hamas "command and control centre" that was "embedded" in Al-Tabi'een school in the Daraj neighbourhood.

"Numerous steps were taken to mitigate the risk of harming civilians, including the use of precise munitions, aerial surveillance, and intelligence information," a statement said.The Islamic Jihad Palestinian military group said that the strike took place "during the dawn prayer".Ismail Al-Thawabta, director general of the Gaza government media office, told AFP that the strike "resulted in more than 100 martyrs and dozens of injuries, most of which are in severe and critical condition".Gaza government media sources said the school was housing about 250 women and children, about half of them women and children.

Plane carrying 62 people crashes in fiery wreck in Brazil's Sao Paulo state, no survivors

World A plane carrying 58 passengers and four crew crashed Friday in Brazil's Sao Paulo state, killing everyone on board, local officials said.

The aircraft, a French-made ATR 72-500 operated by the airline Voepass, was travelling from Cascavel in southern Parana State to Sao Paulo's Guarulhos international airport when it crashed in the city of Vinhedo.

Brazilian television network GloboNews showed footage of a large area on fire and smoke coming out of an apparent plane fuselage in a residential area full of houses. Additional footage on GloboNews showed a plane drifting downward vertically, spiralling as it fell."There were no survivors," the city government in Valinhos, which was involved in the rescue and recovery operation in nearby Vinhedo, said in an email sent to AFP.

A video The Associated Press obtained from a bystander and verified shows at least two bodies strewn about flaming pieces of wreckage.In a statement, Voepass reported "an accident involving flight 2283."

"There is still no confirmation of how the accident occurred," it said.The city of Vinhedo, with about 76,000 residents, is located approximately 80 kilometres (50 miles) northwest of Sao Paulo.At an event in southern Brazil, President Luiz Inácio Lula da Silva asked the crowd to stand and observe a minute of silence as he shared the news. He said that it appeared that all passengers and crew aboard had died, without elaborating as to how that information had been obtained.

Sao Paulo's fire department wrote on social network X: "Aircraft crash, 7 teams involved, so far only this information."Nathalie Cicari, who lives near the crash site, told CNN Brasil the impact was "terrifying.""I was having lunch when I heard a very loud noise very close by," she said, describing the sound as drone-like but "much louder.""I went out on the balcony and saw the plane spinning. Within seconds, I realised that it was not a normal movement for a plane.

Donald Trump's aircraft diverted due to mechanical issue ahead of Montana rally

Bozeman, Montana. Former President Donald Trump headed to Montana for a Friday night rally in hopes of ousting the state's Democratic senator, but his plane first had to divert to an airport on the other side of the Rocky Mountains because of a mechanical issue, according to airport staff.Trump's plane was en route to Bozeman, Montana, when it was diverted Friday afternoon to Billings, 228 kilometres to the east, according to Jenny Mockel, administrative assistant at Billings Logan International Airport. The former president continued to Bozeman via private jet.The former president came to Montana hoping to remedy some unfinished business from 2018, when he campaigned repeatedly in Big Sky Country in a failed bid to oust incumbent Democratic Senator Jon Tester.Tester has tried to convince voters he's aligned with Trump on many issues, mirroring his successful strategy from six years ago. While that worked in a non-presidential election year, it faces a more critical test this fall with Tester's opponent, former Navy SEAL Tim Sheehy, trying to link the three-term incumbent to Democratic presidential candidate Kamala Harris.Trump kicked off his rally about 90 minutes behind schedule and immediately began lacing into Tester. "We are going to defeat radical left Democrat Jon Tester, he's terrible," Trump said. "We're going to evict crazy Kamala," he continued, workshopping a nickname on his new rival.Harris has benefitted nationally from a burst of enthusiasm among core Democratic constituencies, who coalesced quickly around her after President Joe Biden withdrew from the campaign last month. She's drawn big crowds in swing states, touring this week with Minnesota Gov. Tim Walz, her choice to be her vice presidential nominee.Trump's only rally this week, meanwhile, will be in a state he won by 16 percentage points four years ago rather than a November battleground. Facing new pressure in the race from a candidate with surging enthusiasm, Trump on Thursday called questions about his lack of swing state stops "stupid.""I don't have to go there because I'm leading those states," he said. "I'm going because I want to help senators and congressmen get elected."He will add on fundraising stops in Wyoming and

Colorado.Trump could be decisive in Montana's Senate raceFriday's rally at Montana State University, which is scheduled to start at 8 pm Mountain time, is expected to draw thousands of GOP supporters. Yet the former president's bigger impact could be simply having his name above Sheehy's on the ballot in November, said University of Montana political analyst Rob Saldin."There is a segment of the electorate that will turn out when Trump is on the ticket," Saldin said. And that could benefit Sheehy, a Trump supporter and newcomer to politics who made a fortune off an aerial firefighting business.Republicans have been on a roll in Montana for more than a decade and now hold every statewide office except for Tester's.Tester won each of his previous Senate contests by a narrow margin, casting himself as a plainspoken farmer who builds personal connections with people in Montana and is willing to break with his party on issues that matter to them. He's also become a prolific fundraiser.The race has drawn national attention with Democrats clinging to a razor-thin majority in the Senate and defending far more seats than the GOP this year. Tester is considered among the most vulnerable Democratic incumbents.For him to win, large numbers of Trump supporters would have to vote a split ticket and get behind the Democratic senator.Trump's drive to oust Tester traces back to the lawmaker's work in 2018 as chairman of the Senate Committee on Veterans' Affairs. Tester revealed past misconduct by Trump's personal physician, Ronny Jackson, that sank Jackson's nomination to lead the Veterans Affairs Department

'Who are we Bengalis': Hundreds hit Bangladesh streets over attacks on Hindus

World Hundreds of Bangladeshi Hindus hit the streets of Dhaka to protest against a spate of targeted attacks against them and vandalisation of temples following the fall of the Sheikh Hasina government this week amid vociferous student protests. Videos on social media showed hundreds of people carrying posters demanding minorities be "saved" as slogans of "Who are we? Bengali, Bengali" rend the air.The protesters appealed for peace as they blocked an intersection in the capital on Friday amid chants of 'Hare Krishna, Hare Krishna'.Hasina's Awami League posted videos of the protests on X, saying, "Bangladesh Hindus have taken to the streets in Shahbagh, Dhaka, to protest the attacks on their person, properties, and places of worship since August 5".Widespread looting of houses of Hindus, who make up about 8 per cent of the country's population, and targeting of temples have been reported in Bangladesh after Hasina fled to India following weeks

of protests over a controversial quota system in government jobs.Over 230 people have died since te fall of the Awami League government on August 5.Amid the violence, a school teacher and two Hindu councillors were killed and at least 45 people injured, Reuters reported. An ISKCON temple in Meherpur, located in Bangladesh's Khulna division, was also vandalised and set on fire.Hundreds of Bangladeshi Hindus have attempted to enter India by crossing the land border. India shares a nearly 4,096 km long land and riverine border with Bangladesh.The Bangladesh Hindu Buddhist Christian Unity Council has claimed that at least 52 of the country's 64 districts have been impacted by communal violence. The council has appealed to Nobel Peace laureate Muhammad Yunus, who took charge as head of an interim government on Thursday, to ensure the protection and well-being of minorities."There is deep apprehension, anxiety and uncertainty among minorities across the country," the council said in an open letter on Friday.In his first address to the nation on Thursday, Yunus warned that those spreading anarchy would face the full force of law enforcement agencies.

The Indian government said the situation concerning the minorities was worrying and asserted that it was monitoring the situation. The MEA, in its weekly briefing on Thursday, emphasised that various initiatives have been taken by groups and organisations in Bangladesh to ensure the protection of minorities.

Iraqi teen detained in Vienna after Taylor Swift concert attack plot foiled

Berlin More suspects will be questioned and properties searched as investigators continue to look into the plot, he added.The main suspect, who had also vowed loyalty to IS, was planning a lethal assault amongst the estimated 20,000 "Swiftie" fans set to gather outside Vienna's Ernst Happel Stadium, prompting the cancellation of all three shows due to security concerns.The 19-year-old, who quit his job less than two weeks before the

planned attack, saying he "had big plans", has made a full confession in custody, according to authorities.Two other Austrians aged 17 and 15 were detained on Wednesday over the alleged plot.

The 17-year-old, who had been given a job with a company that was providing services at the stadium, has so far refused to give evidence, according to Karner.The boy, who also appears to have been radicalised, was already known to authorities.The 15-year-old continues to be questioned intensively by police, Karner added.

Austrian authorities are reported to have received information about the Swift concert threat from US intelligence, as Austrian law does not allow the monitoring of instant messaging apps, which the suspects had used to communicate.

"Cooperation with foreign partners and services is essential and reciprocal. This made it possible to prevent a tragedy in Vienna," Austrian Chancellor Karl Nehammer said.

For freed Russian opposition activist Ilya Yashin, resuming work against Putin is his priority

BERLIN: All Russian opposition politician Ilya Yashin had with him when he was released from his penal colony in a swap was his toothbrush, a tube of toothpaste, his expired passport and the prison garb he was wearing.

But he has hit the ground running.

Within days of arriving in Germany, Yashin not only bought new clothes, set up a smartphone and reunited with his parents, but also held a news conference, fielded questions from his supporters live on YouTube and held a rally in a Berlin park — even if it meant he didn't have time to catch up on sleep.The 41-year-old dissident, released last week in the historic East-West prisoner exchange, admits he doesn't quite know how to be a politician in exile, a role that was forced upon him against his wishes.But in an interview Friday in Berlin with The Associated Press, he said he wanted to continue campaigning against Russia's war in Ukraine, trying to free more political prisoners and advance projects to unite the country's fragmented opposition."There is a lot of work," said Yashin, visibly tired from his tight schedule.A vocal and outspoken critic of President Vladimir Putin, Yashin was convicted of spreading false information about the Russian military after he made remarks on YouTube about hundreds of corpses found in the Kyiv suburb of Bucha after Russian forces withdrew from the area in March 2022, some bound and shot at close He was serving 8 1/2 years in prison when on Aug. 1, Russian authorities put him on a plane to Turkey in the exchange.It wasn't something he wanted or sought, Yashin stressed at a news conference after arriving to Germany along with other Russian dissidents. In fact, he had said at one point that he would.

Kamala Harris's daily campaign blitz in battleground states, Trump takes it easy

Donald Trump has held just five rallies since the Republican National Convention concluded in mid-July, which is one fewer than Kamala Harris is staging this week alone.

Phoenix, United States, An 18-year-old Iraqi national was detained in Vienna in connection with investigations into an alleged plot to attack a Taylor Swift concert in the Austrian capital, Austria's interior minister said on Friday.The Iraqi comes from the same circle as the main suspect, a 19-year-old Austrian with North Macedonian roots, Interior Minister Gerhard Karner said.The Iraqi suspect swore allegiance to the Islamic State (IS) terror group on August 6, but it remains unclear whether he had a direct link to the planned attack, Karner said.More suspects will be questioned and properties searched as investigators continue to look into the plot, he added.The main suspect, who had also vowed loyalty to IS, was planning a lethal assault amongst the estimated 20,000 "Swiftie" fans set to gather outside Vienna's Ernst Happel Stadium, prompting the cancellation of all three shows due to security concerns.The 19-year-old, who quit his job less

than two weeks before the planned attack, saying he "had big plans", has made a full confession in custody, according to authorities.Two other Austrians aged 17 and 15 were detained on Wednesday over the alleged plot.

The 17-year-old, who had been given a job with a company that was providing services at the stadium, has so far refused to give evidence, according to Karner.The boy, who also appears to have been radicalised, was already known to authorities.The 15-year-old continues to be questioned intensively by police, Karner added.Austrian authorities are reported to have received information about the Swift concert threat from US intelligence, as Austrian law does not allow the monitoring of instant messaging apps, which the suspects had used to communicate."Cooperation with foreign partners and services is essential and reciprocal. This made it possible to prevent a tragedy in Vienna," Austrian Chancellor Karl Nehammer said.Swift, hose next scheduled performance is in London next week, has not commented on the concert cancellations.British police have said there is nothing to indicate that the Vienna plot would have any effect on the London show.

Israeli troops launch a new assault into Gaza's Khan Younis as mediators push for cease-fire talks

DEIR AL-BALAH, Gaza Strip. Israeli troops launched a new assault Friday into the southern Gaza city of Khan Younis, targeting Hamas fighters who the military claims still operate there despite repeated offensives, as American, Qatari and Egyptian mediators renewed their push for Israel and Hamas to reach a cease-fire deal.

Israeli evacuation orders triggered yet another exodus of Palestinians from the heavily destroyed eastern districts of Khan Younis, where many had just returned less than two weeks ago — after the Israeli military's last incursion into the city in July.A wave of Israeli airstrikes in the southern city Friday killed at least 21 Palestinians, medics at the city's Nasser Hospital said. Israeli bombardment also continued to pound central Gaza on Friday, with the bodies of eight Palestinians — all women and children — arriving at Al-Aqsa Martyrs Hospital from a barrage of airstrikes that hit the town of Deir l-Blah and Nuseirat refugee camp.With tensions running high along the Israel-Lebanon border, an Israeli drone strike on Friday crashed into an SUV in the Lebanese city of Sidon, killing a Hamas official identified as Samer al-Haj on the main road to the southern port city, Lebanon's state media reported.The explosion engulfed al-Haj's car in flames just outside the sprawling Palestinian refugee camp of Ein al-Hilweh, where Lebanese media reported that he oversaw security matters. Israel confirmed it targeted al-Haj, describing him as a senior Hamas commander and accusing him of recruiting militants to attack Israel as well as directing rocket launches.In the Gaza Strip, one of the airstrikes in Khan Younis hit the home of the Abu Moamar family, killing a Palestine TV journalist, his wife and three daughters.

Another strike smashed into tents housing displaced people in Mawasi, a costal

community just west of Khan Younis that the Israeli military has designated as a humanitarian zone, killing a journalist for the Hamas-run Al Aqsa TV channel and five others. A third airstrike targeted a car in Khan Younis.Thousands had fled the city Thursday, carrying essentials like small gas cylinders, mattresses, tents, backpacks and blankets.It's at least the third time that Israeli forces have launched a major incursion into Khan Younis, where Israeli and American officials have said they believe Yahya Sinwar, Hamas' newly named top leader and one of the architects of the Oct. 7 attack on Israel, could be hiding. Hamas' military wing, the Qassam Brigades, pledged allegiance to Sinwar as its new leader and promised to carry out his decisions.Haniyeh's swift replacement "shows that Hamas is coherent and strong," said Abu Obaida, the group's chief spokesperson.The Israeli military said Friday its warplanes struck 30 Hamas targets in the city, including fighters and weapons storage sites. It said troops were searching for Hamas tunnels and other infrastructure while fighting "above and below ground."war in Gaza, the mediators' push aims to resume indirect negotiations for a cease-fire that have been on hold since Sinwar's predecessor, Ismail Haniyeh, was assassinated in a presumed Israeli blast in Tehran on July 31.

NEWS BOX

Indian hockey team gets grand welcome, Air India gives special gesture

New Delhi. The bronze medal winning Indian men's hockey team were given a grand welcome as they returned to the country from the Paris Olympics 2024 on August 10, Saturday. The Indian team, led by captain Harmanpreet Singh, secured the third spot after beating Spain in the play-off match. This was the hockey team's second medal in a row at the Olympics, a feat they achieved for the first time since 1972.Harmanpreet was leading the team out in Delhi as they reached the city on Saturday morning, as they were welcomed with garlands and tri-colour stoles. There was dhol playing in the background as the team made it out of the airport as the fans and media arrived in large numbers to meet the stars. The likes of Sukhjeet and Mandeep Singh were seen dancing to the tunes of dhol outside the airport as the fans cheered them on. You can see the full video below:

A few members of the team, including PR

Sreejesh, were missing from the players who returned after the campaign. Sreejesh was selected as the joint-flagbearer during the closing ceremony of the Paris Olympics, and he will be only returning after the close of the event.

Air India's special gesture for the hockey team

Hockey India would also share a video showing Air India paying a special tribute to the bronze medal winners. While the players and their families were seated inside the flight from Paris, the pilot would inform everyone they were traveling with the hockey team and this started huge round of applause for the players as the cabin crew also joined in.The players will now head to the Major Dhyanchand stadium on Saturday for a meet and greet session with fans and media personnel. The campaign in Paris saw India win a record-extending 13th medal at the games.

Olympics: Australian breakdancer cruely trolled after performance goes viral

New Delhi. Breakdancing made its historic debut at the Paris Olympics on August 9th, but not without controversy. One performer, Rachael Gunn, also known as 'Raygun,' found herself at the centre of a social media storm following her routine during the women's contest. Gunn, a 36-year-old Australian with a background in creative arts, took to the stage in a dark green and gold tracksuit, symbolising her Australian heritage. However, it wasn't her outfit that caught the most attention-it was her unconventional moves.During her performance, Gunn included a move where she squirmed on the floor while holding her chin with one hand. This unusual element of her routine sparked widespread criticism and trolling online, with many questioning whether it was appropriate to introduce such street performance elements into the prestigious setting of the Olympics. The

backlash intensified when it was revealed that Gunn scored no points for her routine and was eliminated from the competition during the round-robin stage.One move, in particular, a kangaroo hop, became a focal point of online ridicule. Social media users were quick to mock the move, with many sharing clips and memes that portrayed Gunn's performance as laughable. Despite the negative reaction, Gunn's performance has kept her in the public eye, with discussions about her routine continuing long after she exited the competition.

Rahul Dravid On His Lowest Point As India's Head Coach: 'We Were Very Close But...'

Dravid began his tenure as head coach in November 2021, and his last assignment was the T20 World Cup 2024, which India won by defeating South Africa in the final on June 29.

New Delhi. Rahul Dravid ended his stint as the head coach of the Indian men's cricket team on a high note. In his last assignment, India managed to end the 11-year wait for an ICC trophy by winning the T20 World Cup title. In the summit clash played at Kensington Oval in Barbados on June 29, 2024, the Rohit Sharma-led side defeated South Africa by seven runs to give Dravid a memorable farewell.Dravid, who began his stint as head coach after India's forgetful exit from the group stage of the 2021 T20 World Cup in November 2021, won multiple bilateral series during his two-and-a-half-year stint, but there were some setbacks as well.During his time, India suffered a humiliating defeat by 10 wickets against England in the semi-final of the 2022 T20 World Cup and by 209 runs against Australia in the 2023 World Test Championship final. In addition to that, despite winning 10 matches in a row, India failed to win the ODI World Cup as well last year.All these painful defeats are tough to forget, but during a recent interview, when Dravid was asked about his lowest point as head coach of Team India, he ignored the big defeats and instead picked the series loss against South Africa in 2021–22.According to him, India had a great chance to win the first-ever Test series in South Africa at that time, but despite going 1-0 up, India lost the next two matches."If you ask me what is the lowest point, I would say the South Africa Test series early on in my career. We won the first Test match in South Africa in Centurion, and then we were playing in the second and third Test match. We have never won a series in South Africa, as you know. It was a really big opportunity for us to win that series. Some of our senior players were not there. Rohit Sharma was injured, and we didn't have some senior players in that series. But we were very close, and in both the Test matches—the second and the third test matches—in the third inning, we had a big opportunity. We could have set a decent score and won the game, but South Africa played well. They chased back in in the fourth inning. So I would say that that was probably my lowest point in my coaching of not being able to win that series in spite of being ahead."

Shedding 4.6 kg in 10 hours, Aman Sehrawat clears weigh-in, wins Olympic bronze

- **Aman won the bronze medal at the 57 kg category**
- **Aman wouldn't sleep during the night**
- **Coach Dahiya said that they had to keep checking the weight every hour**

New Delhi. Ahead of his bronze medal play-off, Aman Sehrawat faced a daunting challenge after his semifinal defeat on Thursday, August 8. Weighing in at 61.5kg, 4.5 over the permissible limit for the men's 57kg category, the Indian wrestler had just 10 hours to shed the excess weight. Alongside him were Indian coaches Jagmander Singh and Virender Dahiya, who took on the critical task of helping him lose the extra weight in time for the next weigh-in.Being within the permissible limit in wrestling has now taken centre stage since the Vinesh Phogat fiasco. The Indian wrester was disqualified from the women's 50kg final for being just 100g over the limit during the second-day weigh-in. The wrestler is now left at the mercy of the Court of Arbitration of Sport to decide on her plea and possibly award her a joint-silver medal. Jadmander and Dahiya, however, were clear with their mission when it came to Aman as they wanted to avoid another Vinesh situation.The clock was ticking after Aman, only 21 years old, lost his semifinal bout to Japan's Rei Higuchi around 6:30 pm. With no time to spare, Aman and his coaches embarked on an intense effort to meet the weight requirement, determined to prevent another heartbreaking disqualification.

PTI would reveal the intense session that Aman had to go through to ensure he made the weight in the end.

Aman's weight-loss sessions

Mat Session: The 'mission' kicked off with a 1.5-hour mat session, where Aman engaged in standing wrestling under the guidance of his two senior coaches.Hot-Bath Session: This was followed by a 1-hour hot-bath session to help him start sweating and cutting weight.Gym Session: At 12:30 am, they headed to the gym. Aman had a non-stop 1-hour run on the treadmill to further promote sweating.

Short Break: After the treadmill session, Aman took a 30-minute break.Sauna Sessions: Post-break, Aman underwent five 5-minute sauna sessions to continue shedding weight.Massage and Jogging: Despite all this, Aman was still 900g over the limit. He received a massage and then engaged in light jogging as advised by his coaches.Running Sessions: Aman then completed five 15-minute running sessions. By 4:30 am, he weighed 56.9kg—100g below the limit.Hydration: Throughout these intense activities, Aman was given lukewarm water with lemon and honey, along with a bit of coffee.No Sleep: After completing the weight cut, Aman did not sleep, staying alert until the weigh-in.Aman would reveal that he wouldn't sleep and was watching wrestling videos all night.

When Olympics had art contests and an Indian won a silver medal

New Delhi. The Olympic Games is the biggest event of sportspersons in the world and is synonymous with sporting prowess. But imagine this: the first Indian to win an Olympic medal – a Silver -- wasn't a sportsperson, but an artist. Even around 76 years ago, Olympic medals weren't restricted to just sports. And in 1948, a 33-year-old Indian man with British citizenship snagged a Silver for his sculpture 'Skating the Stag'.The Indian artist was Chintamoni Kar and his sculpture had nothing to do with the majestic horned and hooved mammal. Rather, it was of a young woman displaying the 'stag', a variant of the split jump in figure skating.The keyword for the Olympic art competitions was 'sport' -- the piece of art being submitted had to be sport-related, a sort of marriage of culture and sports, as per the ancient Greek concept behind the first Olympic Games.It was ironic nevertheless that one of the last medal winners in this classical 'marriage' was for a piece of art that featured a female sportsperson, something unthinkable in Ancient Greece, and also frowned upon by the father of the modern Olympics, Baron Pierre de Coubertin.HOW ART WAS CELEBRATED WITH SPORTS AT OLYMPICS

It was Baron Pierre de Coubertin who had envisioned sports and arts being celebrated side by side, and it was upheld in the form of art competitions running alongside the Olympic Games from 1912 to 1948, with juries presenting 151 Olympic medals for original fine arts works in five categories -- architecture, literature music, painting and sculpture.Even though KD Jadhav is hailed as the first Indian to win an individual Olympic medal for the country in the 1952 Helsinki Games where he bagged a Bronze in Wrestling (Men's freestyle 57 kg), Chintamoni Kar had walked away with a Silver in just the previous edition. Yet, very few know his name.In this, perhaps, Coubertin failed in his vision of the Olympic Games, placing sports and art on equal pedestal.Interestingly, India's Olympic medal tally had already gotten its first notch all the way back in 1900 when Norman Pritchard bagged two Silvers for India in Athletics (Men's 200m, Men's 200 m hurdles). While Pritchard was a Britisher born in India, Chintamani Kar was an Indian, born in India, but participating under a British citizenship.Why were art competitions started off in the Olympics, and why were they done away within a few decades?"Everyone that I've ever spoken to about it has been surprised," says Richard Stanton, author of 'The Forgotten Olympic Art Competitions' in an interview to Smithsonian Magazine.

I am a woman: Imane Khelif breaks silence on gender row after Olympic gold win

New Delhi. After being surrounded by the raging gender row controversy, Imane Khelif won the gold medal as she defeated the world champion Yang Liu of China at the Paris Olympics 2024. She became the gold medallist in the women's 66kg category by a unanimous decision. Khelif finally broke her silence on the controversy and said that she was born and raised like a woman. The 25-year-old is Algeria's first Olympic gold medallist in women's boxing and their first overall boxer to win a gold medal since 1996."As for whether I qualify or not, whether I am a woman or not, I have made many statements in the media," Khelif said after her victory. "I am fully qualified to take part in this competition. I'm a woman like any other woman. I was born a woman, I lived a woman, I competed as a woman, there's no doubt about that. [The detractors] are enemies of success, that is what I call them. And that also gives my success a special taste because of these attacks," Khelif told the media after her win.Imane Khelif was subjected to intense scrutiny on social media, with people questioning her womanhood as well.

"My honour is intact now," Khelif said. "But the attacks that I heard in social media were extremely bad and they are meaningless and they impact the dignity of people and I think that now people's thinking has changed.The controversy stemmed when the International Boxing Association (IBA) disqualified Imane Khelif and Taiwan's Lin Yu-ting from the World Boxing Championship in 2023 due to presence of XY chromosomes. However, the IBA was stripped off its status as global governing body of boxing and the International Olympics Association took over and found the two boxers eligible to contest.

"My honour and dignity above anything else"

Imane Khelif slammed the IBA for their actions and remained steadfast that her honour is above anything else."As for the IBA, since 2018 I have been boxing under their umbrella. They know me very well, they know what I'm capable of, they know how I've developed over the years but now they are not recognised any more. They hate me and I don't know why.

Boxer Imane Khelif wins Olympic gold amid gender row: 'Success has special taste'

New Delhi. Algerian boxer Imane Khelif won a gold medal Friday at the Paris Olympics, emerging a champion from a tumultuous run at the Games where she endured intense scrutiny in the ring and online abuse from around the world over misconceptions about her womanhood.Khelif beat Yang Liu of China 5:0 in the final of the women's welterweight division, wrapping up the best series of fights of her boxing career with a victory at Roland Garros, where crowds chanted her name, waved Algerian flags and roared every time she landed a punch.After her unanimous win, Khelif jumped into her coaches' arms, one of them putting her on his shoulders and carrying her in a victory lap as she pumped her fists and grabbed an Algerian flag from the crowd."For eight years, this has been my dream, and I'm now the Olympic champion and gold medalist," Khelif said through an interpreter. Asked about the scrutiny, she told reporters: "That also gives my success a special taste because of those attacks."

"We are in the Olympics to perform as athletes, and I hope that we will not see any similar attacks in future Olympics," she said.Fans have embraced Khelif in Paris even as she faced an extraordinary amount of scrutiny from world leaders, major celebrities and others who have questioned her eligibility or falsely claimed she was a man. It has thrust her into a larger divide over changing attitudes toward gender identity and regulations in sports.It stems from the Russian-dominated International Boxing Association's decision to disqualify Khelif and fellow two-time Olympian Li Yu-ting of Taiwan from last year's world championships, claiming both failed an eligibility test for women's competition that IBA officials have declined to answer basic questions about."I'm fully qualified to take part in this competition," Khelif said Friday.

"I'm a woman like any other woman. I was born as a woman, I live as a woman, and I am qualified."The International Olympic Committee took the unprecedented step last year of permanently banning the IBA from the Olympics following years of concerns about its governance, competitive fairness and financial transparency. The IOC has called the arbitrary sex tests that the sport's governing body imposed on the two boxers irretrievably flawed.The IOC has repeatedly reaffirmed the two boxers' right to compete in Paris, with President Thomas Bach personally defending Khelif and Lin while calling the criticism "hate speech."Khelif noted that she has boxed in IBA competitions since 2018 but now "they hate me, and I don't know why.""I sent them a single message with this gold medal, and that is that my dignity and honor are above all else," she said.The IBA's reputation hasn't stopped the international outcry tied to misconceptions around the fighters, which has been amplified by Russian disinformation networks. It also hasn't slowed two boxers who have performed at the highest levels of their careers while under the spotlight's glare.Khelif was dominant in Paris at a level she had never reached before: She won every round on every judge's scorecard in each of her three fights that went the distance.

Sharvari Wagh

Jets Off In A Comfy Stylish Look Ahead Of Vedaa Release

Sharvari Wagh has been currently dominating headlines with her back-to-back stellar performances. After two successful releases this year, the actress is gearing up for the third film, Vedaa. Amid her busy promotion schedule, the actress was recently spotted at the Mumbai airport. She was seen in a chic yet casual airport look. Moreover, a trendy interaction with the paps left the actress laughing her heart out.Sharvari Wagh was seen wearing a loose fitted denim trouser along with a white knotted crop top. She also wore white trainers and left her hair loose. The actress briefly posed for the paparazzi outside the airport as well as clicked selfies with a few fans. But before she entered the airport, Sharvari burst out laughing as a pap shouted the viral phrase, "Chin Tapak Dum Dum."

Sharvari will soon be sharing screen space with John Abraham in Vedaa. The film directed by Nikkhil Advani is scheduled to release in theatres on August 15. Her first release this year, Munjya, was a commercial success and earned over Rs 100 crore. Speaking about the success of the film, Sharvari stated, "It has been an awesome month for me professionally. To have a huge blockbuster to my credit in the second film of my career, Munjya is an absolutely amazing feeling. Interestingly, people again thought I was the 'surprise factor' of the film and it meant the world to me." The film also starred Abhay Verma and Mona Singh. It follows the story of the eponymous mythical creature who wreaks havoc in the life of Bittu, played by Abhay.

The actress also received the IMDb 'Breakout Star' STARmeter Award for her portrayal in Munjya. The IMDb 'Breakout Star' STARmeter Award recognises stars who have continuously ranked high on the IMDb app's Popular Indian Celebrities. The list displays the page views of IMDb's over 250 million monthly visitors worldwide. Sharvari was last seen in the Netflix movie Maharaj opposite Junaid Khan.Meanwhile, Sharvari Wagh has also been cast in Alpha along with Alia Bhatt. Alpha began production last month and is being directed by Shiv Rawail. It is part of the YRF Spy Universe, which includes hit films such as Salman Khan's Tiger series, Shah Rukh Khan's Pathaan, and War, starring Hrithik Roshan.

Rashmika Mandanna

Looks Ready For The Festive Season In A Ivory Lehenga

Rashmika Mandanna is one of the popular actors of the South film industry. Debuted with the Kannada film Kirik Party, the actress spanned her wings to Hindi, Tamil and Telugu films. She has worked in superhit films like Geetha Govindam, Dear Comrade, Bheeshma, Pushpa: The Rise, Varisu and Animal. She has carved a niche for herself in the world of fashion. She is known for her impeccable fashion sense. From casual attire to traditional wars, Rashmika Mandanna effortlessly dons every kind of outfit to look stunning. She recently stole the limelight along with Vicky Kaushal as she turned showstopper at India Couture Week 2024. She showcased the stunning collection designed by designer duo Falguni Shane Peacock. The photos have gone viral now.In her latest viral photos, Rashmika Mandanna was seen wearing not one, but two ensembles. To open the show, she wore a Chikankari lehenga in an ivory-white hue with pearls. It was embroidered with emerald stones and Swarovski crystals. She complemented her outfit with a matching blouse that had a deep neckline and delicate beadwork. She completed her outfit with a matching dupatta. She accessorised her outfit with statement maang tikka and rings. To look glam, Rashmika Mandanna applied winged eyeliner, shimmering eye shadow, darkened brows and mascara-adorned lashes to look stunning. She reached of believing in oneself as an important measure of life in her caption section."When you finally find yourself, love yourself and feel comfortable in your own skin.. everything changes!! But it takes a lot to get here.. most importantly it's your upbringing and the influence of people around you matter most is what I've realised. Some things you learn in life when you see the beautiful changes!" wrote Rashmika Mandanna in the caption.

Fans flooded the comment section with compliments and heart emojis. While some called her the "hottest", others labelled her as the "most gorgeous heroine of the South film industry". Rashmika Mandanna was last seen in the Sandeep Reddy Wanga-film Animal. She starred opposite Ranbir Kapoor in the film.

Farhan Akhtar Recalls Hrithik Roshan's Reaction To Being Replaced By SRK In Don: 'If You Feel He Is...'

Farhan Akhtar began writing the script for Don soon after the release of Hrithik Roshan's Lakshya. He told Hrithik that wanted to cast him in the film and would soon present him with a script. However, while writing, Farhan could only think of Shah Rukh Khan. Farhan said that Hrithik graciously told him to pursue Shah Rukh as it was his project.Farhan told Raj Shamani on his podcast, "I reached out to Hrithik and I told him that I am thinking about remaking Don. He said 'Sounds amazing' and I said 'Let me write it and I will bring it to you'. While writing it, the only person whose face kept popping into my head was Shah Rukh." Farhan said that Shah Rukh felt like the right fit for the film due to his "personality, wit, sarcastic humour".

When I was writing, it felt like this guy is actually the best actor for this part but I had already spoken to Hrithik so I thought about what to do. I called up Hrithik and I told him that I have been writing the film and I am just feeling more and more that I should reach out to Shah Rukh. He said 'Farhan, you have to make your film, you have to make it the way you want to make it and if you are feeling he is the guy, please go ahead and call him, don't worry about me'. That is a very gracious thing," he recalled. Hrithik later made a cameo appearance in the 2011 film Don 2, which was also headlined by Shah Rukh.

Farhan Akhtar went on to praise Shah Rukh in the same conversation and said, "He can talk about any topic and he will have his point of view on that. He is a good listener. He is well read and he is also interested in people. He is curious and adventurous. He likes to have a nice time and he doesn't like the weight of things too much. He is a fun guy to hang around. He added, "There is an inherent charm he has that is magnetic and it is both on and off the screen. He is easy, it doesn't feel laboured and that ease makes you feel comfortable. He works really hard and that has kept him where he is."

Naga Chaitanya Was 'Depressed' After Divorce From Samantha, Is 'Happy' Getting Engaged To Sobhita

Naga Chaitanya's father, superstar Nagarjuna has finally opened up about his son's engagement to Sobhita Dhulipala. In a recent interview, Nagarjuna revealed that Chay was "depressed" after his separation from Samantha Ruth Prabhu but is now "very happy" getting engaged to Sobhita."It (engagement) went very very well. Chay has found happiness again. He is very happy. So am I! It has not been an easy time for Chay or the family. The separation from Samantha left him very depressed. My boy doesn't show his feelings to anyone. But I knew he was unhappy. To see him smile again…Sobhita and Chay make a wonderful couple. They love each other dearly," Nagarjuna told Times Now.

Naga Chaitanya, who got engaged to Sobhita on August 8, was previously married to Samantha Ruth Prabhu. They dated for a few years before tying the knot in 2017. However, the two announced their separation in October 2021 i.e. after four years of their marriage. Back then, they had issued a statement asking fans and followers for privacy as they 'move on'.sked if separation from Chay has affected his relationship with Samantha, Nagarjuna shared, "That remains unaltered. What happens between a couple is an entirely different matter.Naga Chaitanya and Sobhita Dhulipala's engagement was an intimate ceremony, attended by family members only. Opening up about the same, the Brahmastra actor added, "Only the immediate family was there. Sobhita's parents and sister. Chay's mother was there, of course. My wife, Amala, was there. That's it. We chose this day because it is very auspicious. Both families consulted the Nakshatras, and when we were told August 8 was a very auspicious day, we decided to go ahead with it."On Thursday, Nagarjuna took to his X handle to share the first official photos of Naga Chaitanya and Sobhita Dhulipala's engagement. "We are delighted to announce the engagement of our son, Naga Chaitanya, to Sobhita Dhulipala, which took place this morning at 9:42 a.m.!! We are overjoyed to welcome her into our family. Congratulations to the happy couple! Wishing them a lifetime of love and happiness.